राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

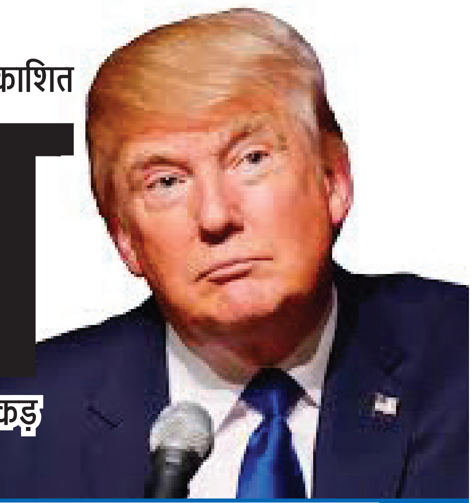

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

10 ड्रैगन की बढ़ी टेंशन....

नासा को कौन करेगा लीड,मस्क के करीबी इसाकमैन ने 12

वर्ष : 16 | अंक : 28 | नई दिल्ली,सोमवार, 02 जून, 2025 | विक्रम संवत् 2081 | पेज : 12 | मूल्य : 03.00 | www.pratahkiran.com

दीदी की सरकार का समय हुआ समाप्त, अगले वर्ष बंगाल में भाजपा होगी सत्तारुढ़ : शाह

प्रातः किरण /एजेंसी

कोलकाता। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार पर जबरदस्त निशाना साधा और कहा कि राज्य में ममता दीदी की सरकार का समय समाप्त हो गया है और अगले वर्ष होने वाले विधानसभा चुनावों के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) यहां सत्तारुढ़ होगी।

श्री शाह ने यहां नेताजी इंडोर स्टेडियम में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि हिंसा मुक्त चुनाव में राज्य की जनता तृणमूल कांग्रेस की हार सुनिश्चित करेगी और वर्ष 2026 में भाजपा सरकार बनाएगी। उन्होंने कहा,ह्लमैं आपको बता रहा हूं , आपका (सरकार का) समय समाप्त हो गया है। अगले वर्ष राज्य में भाजपा सरकार बनाएगी। मैं अपने सभी मंडल पदाधिकारियों को आश्वस्त करता हूं कि तृणमूल सरकार के सत्ता से बाहर होने के बाद, हम जरुरत पड़ने पर दोषियों को जमीन के नीचे से निकालेंगे और सुनिश्चित करेंगे कि हमारे कार्यकताओं की हत्या के लिए उन्हें सजा मिले।

उन्होंने कहा ,लोकतंत्र में हिंसा का कोई स्थान नहीं है। बंगाल में चुनावों के दौरान और दीदी (सुश्री बनर्जी) की जीत के बाद सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ता मारे गए। दीदी, आप कब तक उनकी रक्षा करेंगी? अगर आप में हिम्मत है, तो हिंसा के बिना चुनाव कराएं और देखें कि क्या होता है। बंगाल की जनता सुनिश्चित करेगी कि आपकी जमानत जब्त हो जाए।

मुख्यमंत्री के उस आरोप का जवाब देते हुए कि प्रधानमंत्री

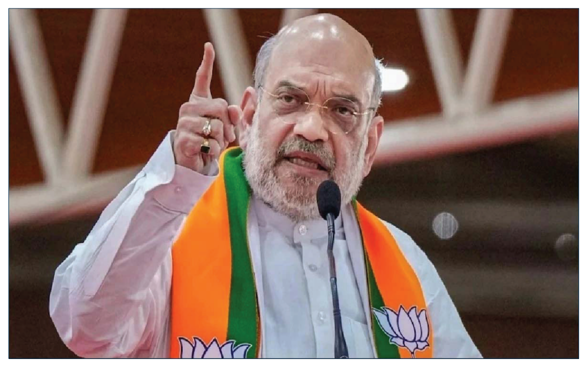

नरेन्द्र मोदी राजनीतिक लाभ के लिए ऑपरेशन सिंदूर बेच रहे हैं, उन्होंने कहा, कुछ दिन पहले पहलगाम में पाकिस्तान द्वारा भेजे गए आतंकवादियों ने परिवारों के सामने निर्दोष नागरिकों का धर्म पूछकर उनकी बेरहमी से हत्या कर दी। आप मुझे बताएं - क्या पाकिस्तान द्वारा भेजे गए उन आतंकवादियों को सजा नहीं मिलनी चाहिए? क्या मोदी जी ने ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम देना सही नहीं था? यही बात दीदी के पेट में दर्द पैदा कर रही है। जब बंगाल के लोगों को वहां मारा जा रहा था, तब दीदी अगर इस दर्द को व्यक्त करतीं तो सही होता। लेकिन तब उन्होंने कुछ नहीं कहा। अब जब मोदी जी ऑपरेशन सिंदूर के बाद यहां आते हैं, तो ऑपरेशन का विरोध करते हुए सस्ती राजनीतिक टिप्पणी की जाती है। आप सिर्फ ऑपरेशन सिंदूर का विरोध नहीं कर रही हैं - आप इस देश की करोड़ों माताओं और बहनों की भावनाओं के साथ खिलवाड़ कर रही हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री ने बंगाल की मातृशक्ति से अपील की कि वे मुख्यमंत्री को ऑपरेशन सिंदूर पर सवाल उठाने की हिम्मत करने के लिए आगामी चुनाव में सिंदूर का सही मूल्य समझाएं। उन्होंने कहा,माताओं और बहनों, उन्हें दिखाएं कि सिंदूर का अपमान करने का सही मतलब क्या होता है!

श्री शाह ने कहा,बंगाल की भूमि ने पीढ़ियों से भारत का मार्गदर्शन किया है। चाहे वह ज्ञान हो, विज्ञान हो, अध्यात्म हो या स्वतंत्रता संग्राम हो , बंगाल ने हमेशा नेतृत्व किया है। कई वर्षों तक बंगाल पर कम्युनिस्टों का शासन रहा। फिर ममता दीदी अपने मां-माटी-मानुष (मां, मातृभूमि और लोग) के नारे के साथ आयीं। आज उन्होंने बंगाल की इस महान भूमि को घुसपैठ, भ्रष्टाचार, महिलाओं पर अत्याचार, अपराध, बम विस्फोट और हिंदुओं के साथ दुर्व्यवहार का केंद्र बना दिया है।

इससे पहले श्री शाह दोपहर 14.16 बजे विपक्ष के नेता शुवेंदु अधिकारी और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार के साथ नेताजी इंडोर स्टेडियम पहुंचे। उन्होंने अपने भाषण की शुरूआत रवींद्रनाथ टैगोर, स्वामी विवेकानंद, रामकृष्ण परमहंस और नेताजी सुभाष चंद्र बोस को श्रद्धांजलि देकर की। उन्होंने भाजपा के पूर्ववर्ती भारतीय जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी को भी श्रद्धांजलि दी।

भारत में बंगलादेशियों की घुसपैठ के लिए ममता जिम्मेदार : शाह

कोलकाता,केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को भारत में बंगलादेशियों की घुसपैठ के लिए जिम्मेदार ठहराया और कहा कि राज्य में केवल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार ही इसे प्रभावी रूप से रोक सकती है।

श्री शाह ने आज यहां नेताजी इंडोर स्टेडियम में पार्टी कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा,बंगाल के वोट केवल बंगाल का भविष्य तय नहीं करते हैं। बंगाल का वोट देश की सुरक्षा से जुड़ा है। क्योंकि ममता बनर्जी ने बंगलादेशियों के लिए हमारे देश की सीमाएं खोल दी हैं। उनके आशीर्वाद से घुसपैठ हो रही है। आप मुझे बताएं, घुसपैठ रोकनी चाहिए या नहीं।उन्होंने कहा,क्या दीदी (ममता बनर्जी) इसे रोक सकती हैं? क्या उनके भतीजे (अभिषेक बनर्जी) इसे रोक सकते हैं? केवल पद्म (कमल/भाजपा) सरकार ही घुसपैठ को रोक सकती है।उन्होंने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस सरकार में पश्चिम बंगाल में घुसपैठ बेरोकटोक जारी है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि अपने संकीर्ण राजनीतिक हितों के वास्ते घुसपैठ को बढ़ावा देने के लिए सुश्री बनर्जी नागरिकता संशोधन अधिनियम का विरोध कर रही है।

जासूसी मामले में एनआईए ने राजस्थान समेत देश के आठ राज्यों में मारे छापे

पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी पीआईओस से कनेक्शन, अहम दस्तावेज जब्त

■ सीआरपीएफ एएसआई मोतीराम जाट मामले में छापेमारी

प्रातः किरण /एजेंसी

जयपुर। पाकिस्तान से जुड़े जासूसी मामले में एनआईए ने बड़ा एक्शन लिया है। एनआईए ने देश के आठ राज्यों में फैले 15 ठिकानों पर एक साथ छापे मारे। ये छापेमारी दिल्ली, मुंबई, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, असम और पश्चिम बंगाल में की गई, जिन लोगों के यहां छापे मारे गए उनका संबंध पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी पाक इंटेलिजेंस ऑपरेटिव्स (पीआईओस) से बताया जा रहा है।सीआरपीएफ के एएसआई मोतीराम जाट जिसे हाल में एनआईए ने गिरफ्तार किया था जासूसी मामले में उसी मामले में छापा मारा है। मोतीराम जाट को 20 मई को एनआईए ने गिरफ्तार किया था। मोतीराम जाट पहलगाम हमले से पहले वहीं पोस्टेड था। हमले से पांच दिन पहले एएसआई मोतीराम जाट का पहलगाम से ट्रांसफर किया

गया था। मोतीराम की पहलगाम हमले में भूमिका का अभी पता नहीं चल सका है। एनआईए के डीजी ने बताया है कि अभी तक की जांच में इसका पहलगाम हमले से कोई कनेक्शन सामने नहीं आया है।छापेमारी में एनआईए की टीमों ने कई इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसेज, संदिग्ध दस्तावेज और कुछ अहम फाइनेंशियल कागजात बरामद किए हैं। ये सब जांच के लिए एनालाइज किए जा रहे हैं, ताकि इस पूरे जासूसी नेटवर्क का पता लगाया जा सके। एनआईए की जांच में सामने आया है कि जिन लोगों के यहां छापे मारे गए हैं, उनका सीधा कनेक्शन पाकिस्तान में बैठे ऑपरेटिव्स से था। ये लोग जासूसी के लिए फाइनेंशियल चैनल के तौर पर काम कर रहे थे।

इस मामले में एनआईए ने 20 मई को मामला दर्ज किया था। इससे पहले एक आरोपी को गिरफ्तार भी किया था जो 2023 से पाकिस्तान को संवेदनशील जानकारी भेज रहा था। इसके बदले उसे भारत में कई सोर्सेस से पैसे मिल रहा था। अब इस मामले में एनआईए ने और कड़ियां जोड़ते हुए ये छापेमारी की। मामले में कई धाराओं के तहत जांच चल रही है।

मीडिया रिपोर्ट में एनआईए सूत्रों के मुताबिक जासूसी के शक में राजस्थान के तीन जगहों पर छापेमारी की गई है। हालांकि, ये साफ नहीं है कि टीमें किन शहरों में पहुंची हैं। राजस्थान के अलावा दिल्ली, महाराष्ट्र, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, असम और पश्चिम बंगाल राज्यों में 15 ठिकानों पर छापेमारी की गई है। संदिग्धों के घरों, कार्यालयों में दबिश दी गई है। तलाशी के दौरान एनआईए की टीम को कई इलेक्ट्रॉनिक गैजेट, पैसों का ट्रांजैक्शन, मोबाइल कॉल डिटेल, मोबाइल से फोटो और मैसेज रिकवर हुए हैं। इस दौरान गिरफ्तार किए गए लोगों से पूछताछ जारी है।

भविष्य की चुनौतियों के लिए रक्षा नवाचार समाधान विषय पर बोलें सीडीएस जनरल

चार प्रमुख प्रवृत्तियों से आकार लेंगे भविष्य के युद्ध : अनिल चौहान

प्रातः किरण /एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान का कहना है कि भविष्य के युद्ध चार प्रमुख प्रवृत्तियों द्वारा आकार लेंगे। इनमें से एक है सभी क्षेत्रों में सेंसर्स का प्रसार। दूसरा- लंबी दूरी तक मार करने वाली हाइपरसोनिक और सटीक हथियार प्रणालियां। तीसरा, स्वायत्त प्रणालियों के साथ मानव-मानव रहित टीमिंग। चौथा है, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग और क्वांटम तकनीक द्वारा संचालित युद्धक्षेत्र की बुद्धिमत्ता। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने यह जानकारी रविवार को सिंगापुर में दी। वह यहां आयोजित प्रतिष्ठित शांगरी-ला डायलॉग 2025 में भविष्य की चुनौतियों के लिए रक्षा नवाचार

समाधान विषय पर बोल रहे थे। इस कार्यक्रम में जनरल अनिल चौहान ने बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य और तेजी से हो रहे तकनीकी परिवर्तनों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी के लोकतंत्रीकरण ने गैर-राज्य तत्वों (नॉन स्टेट एक्टर्स) को सशक्त किया है, जिससे प्रॉक्सी युद्धों और अस्थिरता को बढ़ावा मिला है। उन्होंने क्षमताओं के विकास के लिए अनुकूलनशीलता, नवाचार और आत्मनिर्भरता को मूलमंत्र बताया। भारत ने निजी उद्योगों के साथ सहयोग करते हुए एक संयुक्त रक्षा उत्पादन पारिस्थितिकी तंत्र विकसित किया है। उन्होंने बताया कि भारत ने रणनीति-प्रेरित आधुनिकीकरण को अपनाया है। इससे युद्धक प्रणालियां परिचालन आवश्यकताओं और स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप विकसित की जा सकें। जनरल चौहान ने कहा कि वर्तमान में चल रहा परिवर्तन सिर्फ हथियारों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें सिद्धांत, संगठनात्मक संस्कृति और मानव संसाधन का भी कायाकल्प शामिल है। उन्होंने कहा कि भारत की अनूठी भौगोलिक स्थिति, अनुभव और आकांक्षाएं इसके रक्षा दृष्टिकोण को आकार देती हैं। अपने संबोधन के अंत में, जनरल अनिल चौहान ने वैश्विक शांति और उत्तरदायी नवाचार के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने शांगरी-ला डायलॉग 2025 को वैश्विक स्थिरता हेतु संवाद और सहयोग को बढ़ावा देने वाला एक महत्वपूर्ण मंच बताया। शांगरी-ला डायलॉग 2025 के दौरान भारत और फिलीपींस के रक्षा प्रमुखों के बीच द्विपक्षीय वार्ता भी हुई। भारत के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान और फिलीपींस के चीफ ऑफ स्टाफ जनरल रोमियो एस ब्रावनर जूनियर के बीच यह महत्वपूर्ण बातचीत हुई। इस दौरान सैन्य सहयोग बढ़ाने, समुद्री सुरक्षा और रक्षा प्रौद्योगिकी साझेदारी को मजबूत करने के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई।

ऑपरेशन सिंदूर की पृष्ठभूमि में क्षेत्रीय सुरक्षा पर भी विचार-विमर्श हुआ। दोनों देशों के सैन्य प्रमुखों ने इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में रणनीतिक सहयोग और क्षमता संवर्धन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। यह बातचीत भारत-फिलीपींस रणनीतिक समन्वय को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

लंदन पहुंचा प्रतिनिधिमंडल, कहा- जो भारत में हुआ, वो कहीं भी हो सकता है

लंदन। भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद के नेतृत्व में सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल शनिवार को लंदन पहुंच गया है। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का ब्रिटेन में भारत के उच्चायुक्त विक्रम दोराईस्वामी ने स्वागत किया। यह प्रतिनिधिमंडल भारत के ऑपरेशन सिंदूर के तहत लंदन पहुंचा है, जिसका उद्देश्य आतंकवाद के खिलाफ भारत की दृढ़ प्रतिबद्धता को सहयोगी देशों तक पहुंचाना है। चार दिवसीय ब्रिटेन दौरे के दौरान प्रतिनिधिमंडल हाउस ऑफ कॉमन्स के स्पीकर लिंडसे होयल, विदेश, राष्ट्रमंडल और विकास कार्यालय की इंडो-पैसिफिक मंत्री सांसद कैथरीन वेस्ट, यूके संसद के दोनों सदनों के सदस्यों और मीडिया, थिंक-टैंक व भारतीय प्रवासी समुदाय के महत्वपूर्ण प्रतिनिधियों से मुलाकात करेगा। लंदन में भारतीय दूतावास ने शनिवार देर शाम सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक बयान में कहा, पूर्व मंत्रियों, सांसदों और एक पूर्व राजदूत सहित एक सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल, जिसका नेतृत्व लोकसभा सांसद रवि शंकर प्रसाद कर रहे हैं, आज देर शाम लंदन पहुंचा। यह प्रतिनिधिमंडल 31 मई से 3 जून तक यूनाइटेड किंगडम के दौरे पर है, जिसका मिशन आतंकवाद को हराने की भारत की स्पष्ट प्रतिबद्धता को व्यक्त करना है।

प्रतिनिधमंडल में शामिल भाजपा सांसद गुलाम अली खटाना ने कहा, हम इस समय यूरोप के दौरे पर हैं। पहले हम दो दिन के लिए फ्रांस में थे, फिर हम रोम, इटली गए, उसके बाद डेनमार्क गए। हमने वहां अपने विचार रखे और हमें अच्छी प्रतिक्रिया मिली। उम्मीद है कि लंदन से भी हमें इसी तरह की सकारात्मक प्रतिक्रिया मिलेगी, जहां हम अभी पहुंचे हैं। हमने अपनी बात बहुत मजबूत और प्रभावी ढंग से रखी है।

ब्राजील हमारा ब्रिक्स साझेदार, उसे पाकिस्तान की हरकतों के बारे में बताना जरुरी

कांग्रेस सांसद शशि थरूर के नेतृत्व वाला सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ब्राजील पहुंचा

प्रातः किरण /एजेंसी

ब्रासीलिया। कांग्रेस सांसद शशि थरूर के नेतृत्व वाला सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल रविवार को ब्राजील पहुंचा। यह प्रतिनिधिमंडल ऑपरेशन सिंदूर के तहत सरकार के चल रहे कूटनीतिक प्रयासों के तहत सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक समर्थन जुटाने और आतंकवाद पर भारत के जीरो टॉलरेंस के रुख को पेश करने के लिए कई देशों की यात्रा कर रहा है।

यह प्रतिनिधिमंडल, जिसमें विभिन्न राजनीतिक दलों के सदस्य शामिल हैं, पांच देशों गुयाना, पनामा और कोलंबिया की यात्रा पूरी करने के बाद ब्रासीलिया पहुंचा है। प्रतिनिधिमंडल का ब्राजील स्थित भारतीय मिशन के प्रभारी संदीप कुमार कुजूर ने हवाई अड्डे पर स्वागत किया। थरूर ने कहा कि ब्राजील भारत का अहम साझेदार है और आतंकवाद पर भारत के रुख के बारे में उन्हें पूरी जानकारी देना अहम है। थरूर ने कहा, कि हम पांच देशों की यात्रा पर हैं। हम पहले ही तीन देशों - गुयाना, पनामा और कोलंबिया की यात्रा कर चुके हैं। अब हम ब्राजील में हैं। आज आराम का दिन है, जो टीम ने हमारे जाने के बाद से काफी व्यस्त कार्यक्रम के बाद अर्जित किया है। वाशिंगटन जाने से पहले ब्राजील में हमारी पूरे दिन की बैठक तय हैं, जो हमारी यात्रा का अंतिम पड़ाव होगा।

थरूर ने कहा कि ब्राजील इस क्षेत्र में एक प्रमुख शक्ति है। यह हमारा एक ब्रिक्स साझेदार है और हमारे संबंधों को 2006 में रणनीतिक साझेदारी

तक बढ़ाया गया था। हालांकि ब्राजील वर्तमान में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का सदस्य नहीं है, लेकिन हमने महसूस किया कि आतंकवाद पर हमारी स्थिति से उन्हें पूरी तरह अवगत कराना और बातचीत के हमारे खुले चैनलों को जारी रखना अहम है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा परिषद के सदस्य गुयाना और पनामा में प्रतिक्रिया बहुत सकारात्मक रही है। आतंकवाद के खिलाफ हमारी लड़ाई के लिए जबरदस्त समझ और एकजुटता थी।

थरूर ने बताया कि कोलंबिया में प्रतिनिधिमंडल ने सरकार को सफलतापूर्वक उस पूर्व वक्तव्य को वापस लेने के लिए राजी कर लिया, जिसमें ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय पक्ष को स्वीकार किए बिना पाकिस्तान के प्रति सहानुभूति व्यक्त की गई थी। उन्होंने कहा कि हमने सरकार और संसद से मुलाकात की। उन्होंने बयान में सुधार किया और इसके स्थान पर भारत के प्रति समर्थन का एक मजबूत संदेश कार्यपालिका की ओर से और विशेष रूप से विधायिका की ओर से जारी किया।

कोरोना के नए सब-वैरिएंट्स ने बढ़ाई चिंता

देश भर में 24 घंटे में 4 की मौत 685 नए मामले

प्रातः किरण /एजेंसी

नई दिल्ली। भारत में कोरोना के नए सब-वैरिएंट्स ने चिंता बढ़ा दी है। पिछले 24 घंटे में 4 लोगों की मौत हुई है और 685 नए मामले आए हैं। सबसे ज्यादा सक्रिय मामले केरल 1,336, महाराष्ट्र 467, दिल्ली 375, गुजरात 265, कर्नाटक 234, पश्चिम बंगाल 205, तमिलनाडु 185 और उत्तर प्रदेश 117 में हैं। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के ताजा आंकड़ों के अनुसार, शनिवार, 31 मई तक देश में 3,395 सक्रिय मामले दर्ज किए गए हैं। पिछले 24 घंटों में 685 नए मामले सामने आए हैं, जबकि चार लोगों की मौत हुई है। इनमें से एक-एक मौत दिल्ली, केरल, कर्नाटक और उत्तर प्रदेश में हुई है। दिल्ली में 375 सक्रिय मामले हैं, जो पिछले दिन की तुलना में 81 ज्यादा हैं। यहां एक 71 वर्षीय व्यक्ति की निमोनिया, सेप्टिक शॉक और तीव्र किडनी की समस्या के कारण मृत्यु हुई। वहीं, महाराष्ट्र में 43 नए मामले दर्ज किए गए। कर्नाटक में बेंगलुरु के एक निजी अस्पताल में 63 वर्षीय व्यक्ति की कोविड-19 और अन्य बीमारियों के कारण मृत्यु हो गई। कर्नाटक सरकार ने स्कूलों के जल्द खुलने को देखते हुए अभिभावकों से अपील की है कि बुखार, खांसी या सर्दी के लक्षण दिखने पर बच्चों को स्कूल न भेजें। स्वास्थ्य अधिकारियों ने लोगों से घबराने की बजाय सावधानी बरतने की सलाह दी है। ज्यादातर मामले हल्के हैं, और पिछले 24 घंटों में 265 मरीज अस्पतालों से डिस्चार्ज हुए हैं। टीकाकरण को सबसे प्रभावी सुरक्षा माना जा रहा है।

भीड़भाड़ वाली जगहों पर मास्क पहनने की सलाह दी गई है, खासकर बुजुर्गों और गंभीर बीमारियों से पीड़ित लोगों के लिए। कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने अस्पतालों में बेड, ऑक्सीजन, एंटीबायोटिक्स और अन्य दवाओं की तैयारी बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। हाल के मामलों में उछाल का कारण दो नए सब-वैरिएंट्स एनबी.1.8.1 और एलएफ.7 को माना जा रहा है। ये वैरिएंट्स पुराने स्ट्रेन से जेनेटिक रूप से अलग हैं और इम्यून सिस्टम को चकमा देने की क्षमता रखते हैं।

पूर्वोत्तर में भारी बारिश ने मचाई तबाही, 24 घंटे कम से कम 32 लोगों की मौत

प्रातः किरण /एजेंसी

नई दिल्ली। पूर्वोत्तर के राज्यों में भारी बारिश ने भीषण तबाही मचाई है। पिछले 24 घंटे में बारिश संबंधी घटनाओं में कम से कम 32 लोगों की जान जाने की खबर है। मौसम विभाग के मुताबिक अगले 24 घंटे में बारिश की तीव्रता में कमी आ सकती है। हालांकि बारिश से पूरी तरह निजात नहीं मिलने वाली है। मौसम विभाग के मुताबिक पूर्वोत्तर में अगले दो दिनों तक बारिश जारी रहने का अनुमान है। उप हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में मूसलाधार बारिश जारी रहने की संभावना है।उत्तरी बंगाल और मेघालय पर बने कम दबाव के क्षेत्र की वजह से असम, मिजोरम, मेघालय,नगालैंड, अरुणाचल प्रदेश

और पश्चिम बंगाल में भारी बारिश हो रही है। बाढ़, भूस्खलन और मकानों-होटलों के ढहने की वजह से कई लोग मारे गए हैं और कई अब भी लापता हैं।

मेघालय में 7 की मौत

मेघालय में तीन बच्चों समेत कम से कम सात लोगों की मौत हो गई है। चेरापुंजी और मॉसिनराम में एक दिन में ही 47 सेंटीमीटर बारिश दर्ज की गई। नगालैंड के चूमौकेदिमा में सड़क पर चट्टान गिरने की वजह से एक शख्स की मौत हो गई। मिजोरम में घर और होटल ढहने की वजह से कम से कम 6 लोगों के मारे जाने की खबर है। इसमें म्यांमार के भी तीन नागरिक शामिल हैं। वे जिस होटल में ठहरे थे वह बारिश की वजह से ढह गया। मणिपुर में आइरिल और नांबुल नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं।

कार में बह गए दो परिवार

अरुणाचल प्रदेश में पानी के तेज बहाव की वजह से हाइवे से ही एक कार बह गई जिसमें कम से कम 7 लोगों की मौत हो गई। ईस्ट कामेंग जिले में एनएच-13 पर पानी के तेज बहाव की वजह से कार बह गई। वहीं सुबानसिरी जिले में दो मजदूर भूस्खलन के चपेट में आ गए। मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने मृतकों के परिवार के लिए चार लाख रुपये मदद राशि का ऐलान किया है।

असम में कम से कम 9 की मौत

असम में भारी बारिश की वजह से कम से कम 9 लोगों की जान चली गई। लखीमपुर जिले में रंगानदी डैम से ज्यादा पानी छोड़े जाने की वजह से कम से कम दो की जान चली गई। गुवाहाटी में तीन बच्चों समेत पांच की मौत हो गई। बोंडा इलाके में भूस्खलने की वजह से एक शख्स की जान चली गई। क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (आरएमसी) के आंकड़ों के अनुसार, राज्य के पश्चिमी भाग में तीन जिलों में ह्यरेड अलर्टहै और आठ अन्य जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। जबकि अरुणाचल प्रदेश और मेघालय के ऊपरी इलाकों से आने वाले वर्षा जल ने राज्य में बाढ़ की स्थिति को और गंभीर कर दिया है। अधिकारियों ने बताया कि बाढ़ से 58 हजार से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं, जबकि बाढ़ प्रभावित 1,224 लोगों ने पांच राहत शिविरों में शरण ली है। यहां 11 अन्य राहत वितरण केंद्र भी खोले गए हैं।

जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में कुछ जगहों पर तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। मध्य प्रदेश, बिहार, ओडिशा, झारखंड औरछत्तीसगढ़ में हल्की बारिश के साथ तेज हवाएं चलेंगी। उत्तर प्रदेश और राजधानी दिल्ली में भी 45 से 55 की गति से हवाएं चल सकती हैं और कई जगहों पर बौछार पड़ सकती है।

सरकार सत्र बुलाकर दे सवालों का जवाब : कांग्रेस

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर के बाद से कांग्रेस और तमाम विपक्षी दल केंद्र की एनडीए सरकार पर हमलावर है। कांग्रेस बार बार पूछ रही है कि भारत को क्या क्या नुकसान हुआ है। इस पर सरकार स्थिति स्पष्ट करे। इसी बीच चीफ डिफेंस स्टाफ यानी सीडीएस अनिल चौहान का बयान आया कि सवाल ये नहीं है कि भारत के विमान कितने गिरे, सवाल ये है कि आखिर गिरे क्यों है। इस बयान के बाद कांग्रेस ने एक बार फिर सत्र बुलाकर एक एक सवाल का जवाब देने की मांग की है। कांग्रेस ने सीडीएस चौहान के एक बयान का हवाला देते हुए सरकार पर देश को गुमराह करने का आरोप लगाया और कहा कि कई अहम सवालों का जवाब चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

बछड़े पर हमलाकर उठा ले गया गुलदार

रूड़की, एजेंसी। एक साधू की झोपड़ी के बाहर बंधे बछड़े पर गुलदार ने हमला कर लिया। गुलदार बछड़े को उठा ले गया। इस घटना से क्षेत्र में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने वन विभाग को मामले की जानकारी दी है। साथ ही गुलदार को पकड़ने की मांग की है। क्षेत्र के तिलकपुरी गांव के पास गुलदार देखे जाने की सूचना ग्रामीणों ने वन विभाग को दी। ग्रामीण शिवपाल, कमल, बबलू, मांगेराम, सुशील आदि के अनुसार, भोगपुर और तिलकपुरी गांव के पास जंगल में आबादी क्षेत्र के निकट गुलदार की चहलकदमी बनी हुई है। दो दिन पूर्व गुलदार ने यहां एक साधु की कुटिया के बाहर बंधे गाय के बछड़े पर हमला करके उसे निवाला बना लिया। गुलदार की मौजूदगी से ग्रामीणों में दहशत है। ग्रामीणों ने गुलदार को पकड़े जाने की मांग वन विभाग के अधिकारियों से की है। डिप्टी रेंजर संजय पंत ने बताया कि गुलदार के संबंध में जानकारी मिली है। गुलदार की मूवमेंट पर नजर रखी जा रही है।

14 करोड़ से मिलेगी रोबोटिक्स-मैकेनिकल प्रयोगशाला की सौगात, स्टूडेंट्स ले रहे तकनीकी शिक्षा का ज्ञान

अल्मोड़ा, एजेंसी। राजकीय पॉलिटेक्निक द्वाराहाट में जल्द 14 करोड़ की लागत से रोबोटिक्स- मैकेनिकल इंजीनियरिंग प्रयोगशाला धरातल पर उतरेगी। राजकीय पॉलिटेक्निक द्वाराहाट में जल्द 14 करोड़ की लागत से रोबोटिक्स- मैकेनिकल इंजीनियरिंग प्रयोगशाला धरातल पर उतरेगी। यहां प्रयोगशाला में छात्र-छात्राएं आधुनिक उपकरणों से प्रयोग कर बदलते तकनीकी युग की चुनौतियों के लिए तैयार हो सकेंगे। तकनीकी शिक्षा में निपुण होने से उनके लिए रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। अल्मोड़ा से करीब 75 किमी दूर जिले के युवाओं को तकनीकी शिक्षा का ज्ञान देने के लिए वर्ष 1975 में द्वाराहाट पॉलिटेक्निक स्थापित किया गया। यहां ऑटोमेशन एंड रोबोटिक्स और मैकेनिकल इंजीनियरिंग ट्रेड संचालित किए गए। छात्र-छात्राओं को इन विषयों का किताबी ज्ञान तो मिल रहा है लेकिन प्रयोगशाला के अभाव में विषयों के प्रयोग नहीं कर पा रहे हैं। अब छात्र-छात्राओं के लिए राहत भरी खबर है कि जल्द 14 करोड़ की लागत से यहां आधुनिक रोबोटिक्स- मैकेनिकल इंजीनियरिंग प्रयोगशाला तैयार होगी। यहां छात्र-छात्राओं को रोबोटिक्स, ऑटोमेशन, मशीन डिजाइन, थ्रीडी प्रिंटिंग, डिजिटल कंट्रोल सिस्टम्स जैसी तकनीकों पर काम करने का अवसर मिलेगा। इससे उनकी तकनीकी दक्षता में वृद्धि होगी और रोजगार के नए द्वार खुलेंगे। द्वाराहाट पॉलिटेक्निक में वर्तमान में सिविल इंजीनियरिंग,कंप्यूटर इंजीनियरिंग, सूचना प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग, ओटोमेशन एंड रोबोटिक्स, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, फार्मेसी ट्रेड संचालित हो रहे हैं। इन ट्रेडों में 712 छात्र-छात्राएं तकनीकी शिक्षा ले रहे हैं।

बंद घर के ताले तोड़कर चार लाख के जेवर, नकदी चोरी

काशीपुर, एजेंसी। एक बंद घर का ताला तोड़कर चोर घर में रखी 16 हजार की नकदी, चार लाख के सोने के जेवर व अन्य कीमती सामान चोरी कर ले गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी है। वहीं पीड़ित ने पुलिस में तहरीर सौंपकर कार्रवाई कीमांग की है। वार्ड नंबर एक नीझड़ा स्थित प्राइमरी स्कूल के पास यूके इनकलेव में पदम सिंह, उनकी पत्नी व बहू रहती हैं। पदम सिंह के भाई प्रताप सिंह ने दी तहरीर में बताया कि भाई पदम सिंह कई महीने पहले गांव पौड़ी थैलीसेंण किसी काम से चले गए थे। लगभग एक सप्ताह पहले उनकी पत्नी बसंती देवी भी गांव चली गई। घर पर बहू महेशी देवी अकेली थी। वह गिरीताल स्थित निजी अस्पताल में नर्स हैं। बीते मंगलवार को उनकी नाइट ड्यूटी थी, जिसके कारण वह रात आठ बजे घर बंद करके ड्यूटी पर चली गईं। बुधवार सुबह जब वह घर लौटीं तो देखा घर के ताले टूटे हुए थे और सामान बिखरा पड़ा था। बताया चोर आलमारी में रखे लगभग चार लाख के सोने के जेवर, 16 हजार नकदी और इन्वर्टर, एलईडी चोरी कर ले गए। तब उन्होंने घटना की सूचना डायल 112 नंबर पर दी।

उत्तराखंड के लिए बड़ी टेंशन ! प्रदेश में मिट्टी का सेहत चिंताजनक, सॉइल मिनरल्स संतुलन में मिली गड़बड़ी

देहरादून, एजेंसी।
उत्तराखंड समेत देश के कई राज्यों में वन क्षेत्रों की मिट्टी के नमूने लिए जा रहे हैं. इस दौरान मिट्टी की सेहत को यहां मौजूद न्यूट्रिएंट्स के जरिए मापा जा रहा है. खास बात यह है कि इसी अध्ययन के दौरान उत्तराखंड के कई डिविजन में पोषक तत्वों को लेकर सामने आए आंकड़े चिंता पैदा कर रहे हैं. क्योंकि राज्य के कई क्षेत्रों में पोषक तत्वों का असंतुलन देखने को मिला है, जो सॉयल मैनेजमेंट में ज्यादा प्रभावी कार्य करने की तरफ इशारा कर रहा है.

वृक्षारोपण के लिए अनुकूल मौसम, बेहतर बीज और पर्याप्त पानी जितना जरूरी है, उतन ही जरूरी मिट्टी का स्वस्थ होना भी है. यानी जिस मिट्टी पर वृक्षों के फलने फूलने की पूरी जिम्मेदारी है, वो भी पोषक तत्वों से परिपूर्ण होनी चाहिए. तभी इस पर बेहतर खेती या वन क्षेत्र होने की कल्पना की जा सकती है. शायद इसी बात को समझते हुए देश भर के तमाम राज्यों में वन क्षेत्रों की मिट्टी के लिए अध्ययन करवाया जा रहा है, जिसमें उत्तराखंड के भी कई डिवीजन शामिल हैं.

पीएच मानक पर इन प्रभागों के हैं चिंताजनक आंकड़े : मिट्टी के अहम पोषक तत्वों में पीएच भी शामिल है. राज्य के तमाम वन क्षेत्रों की मिट्टी के नमूने लेने पर पता चला कि कहीं तो पीएच मानक स्टैंडर्ड वैल्यू से बेहद कम है, तो कहीं पर पीएच मानक स्टैंडर्ड वैल्यू से काफी ज्यादा है.

आमतौर पर पीएच का स्टैंडर्ड वैल्यू 5.9 होता है, लेकिन मसूरी डिवीजन, टौंस, नैनीताल, हल्द्वानी, अपर यमुना, अल्मोड़ा, उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, बदरीनाथ और पौड़ी गढ़वाल डिविजन में इसकी वैल्यू कम पाई गई है. इसी तरह देहरादून, चकराता, हरिद्वार, कालसी, रामनगर, नरेंद्र नगर, टिहरी, तराई वेस्ट, तराई सेंटर, चंपावत, पिथौरागढ़, बागेश्वर और लैंसडाउन डिवीजन में पीएच की वैल्यू स्टैंडर्ड वैल्यू से ज्यादा थी. हालांकि, नैनीताल डिवीजन में मानक से काफी कम 5.02 पीएच पाया गया.

इसी तरह तराई वेस्ट डिवीजन में

7.32 पीएच पाया गया, जो स्टैंडर्ड वैल्यू से काफी ज्यादा था. ऑर्गेनिक कार्बन के मामले में इन प्रभागों में रहा असंतुलन ऑर्गेनिक कार्बन मिट्टी में मिलने वाले विभिन्न कंपोनेंट्स में से एक है, और मिट्टी की बेहतर सेहत के लिहाज से इसका अहम योगदान होता है. मिट्टी में ऑर्गेनिक कार्बन का स्टैंडर्ड वैल्यू 1.81 माना जाता है, लेकिन जब उत्तराखंड में विभिन्न प्रभागों की मिट्टी के नमूने लिए गए तो उनमें कुछ जगहों पर कार्बन की वैल्यू काफी कम रिकॉर्ड की गई तो वहीं कुछ स्थानों पर स्टैंडर्ड वैल्यू से ज्यादा कार्बन की मात्रा मिली.

राज्य के हल्द्वानी डिवीजन में स्टैंडर्ड कार्बन वैल्यू से काफी कम ऑर्गेनिक कार्बन मिट्टी में पाया गया. इस डिवीजन में 0.38 प्रतिशत ऑर्गेनिक कार्बन मिला. इसी तरह बदरीनाथ फॉरेस्ट डिविजन में ऑर्गेनिक कार्बन की मात्रा काफी ज्यादा थी, यहां स्टैंडर्ड वैल्यू से बेहद ज्यादा 2.79 प्रतिशत ऑर्गेनिक कार्बन मिट्टी में मिला.

नाइट्रोजन के मामले में यह क्षेत्र चिंताजनक स्थिति में मिले- उत्तराखंड में मिट्टी के नमूने की जांच करने पर पाया गया कि हल्द्वानी वन प्रभाग की मिट्टी में स्टैंडर्ड वैल्यू की तुलना में काफी कम नाइट्रोजन मौजूद था. हल्द्वानी डिवीजन में 175.62 नाइट्रोजन की मौजूदगी मिली, जबकि स्टैंडर्ड मानक के लिहाज से तराई वेस्ट फॉरेस्ट डिविजन में नाइट्रोजन की वैल्यू काफी ज्यादा थी. यहां पर 415.49 नाइट्रोजन की मात्रा मिली. हालांकि नाइट्रोजन के मामले में स्टैंडर्ड वैल्यू 282.63 है.

प्रदेश में विभिन्न डिविजन से लिए गए मिट्टी के नमूनों में फास्फोरस की उपलब्धता को भी देखा गया. नमूनों की जांच के बाद पता चला कि पिथौरागढ़ में स्टैंडर्ड वैल्यू से काफी कम फास्फोरस मिट्टी में उपलब्ध था. पिथौरागढ़ डिवीजन के नमूने में फास्फोरस की मात्रा 23.55 पाई गई, जबकि तराई ईस्ट फॉरेस्ट डिविजन की मिट्टी के नमूने फास्फोरस की उपलब्धता को लेकर काफी रिच दिखे. यहां पर फास्फोरस की वैल्यू 54.46 थी, जोकि स्टैंडर्ड वैल्यू 40.93 केजी/एचए से काफी ज्यादा था.

मिट्टी के पोषक तत्व में शामिल सल्फर की यह स्थिति आई सामने : पौधे की बेहतर ग्रोथ के लिए मिट्टी में सल्फर की जरूरत बेहद ज्यादा होती है. इसके लिए एक स्टैंडर्ड वैल्यू भी तय है. मिट्टी में सल्फर की मौजूदगी का स्टैंडर्ड वैल्यू 3.98 है. लेकिन इस स्टैंडर्ड वैल्यू से काफी कम सल्फर बागेश्वर डिविजन की मिट्टी में मिला है. यहां पर सल्फर की वैल्यू 2.56 पीपीएम रही. इसी तरह स्टैंडर्ड वैल्यू से काफी ज्यादा सल्फर की वैल्यू हल्द्वानी फॉरेस्ट डिविजन में मिली है. यहां पर 5.53 पीपीएम वैल्यू पाई गई. मिट्टी में जिंक की उपलब्धता के लिहाज से भी हल्द्वानी डिवीजन काफी कमजोर दिखाई दिया. इस डिवीजन से नमूने के रूप में ली गई मिट्टी की उपलब्धता 0.09 पीपीएम पाई गई, जो की स्टैंडर्ड वैल्यू 0.87 से काफी कम थी. हालांकि बदरीनाथ फॉरेस्ट डिविजन में जिंक मानक 3.78 पीपीएम रहा, जो की स्टैंडर्ड वैल्यू से काफी ज्यादा था.

बदरीनाथ धाम में भिड़े दो नंदी, यात्रियों में मची भगदड़ कई; वाहनों को पहुंचा नुकसान

गोपेश्वर, एजेंसी। बदरीनाथ धाम में विचरण कर रहे आवारा पशु मुसीबत का सबब बने हैं ,आए दिन सड़क पर पशुओं के लड़ने की घटना से यात्रियों को परेशानी हो रही

है। बीती रात्रि को भी एक घंटे तक बदरीनाथ धाम की सड़कों पर दो नंदी लड़ते रहे। इस दौरान दर्शनों को जा रहे तीर्थयात्रियों में अफरा तफरी मच गई। साथ ही सड़क किनारे खड़े वाहनों को भी नुकसान पहुंचा है।

बदरीनाथ धाम में इन दिनों यात्रियों की भीड़ है। बदरीनाथ धाम में 50 से अधिक आवारा पशु विचरण कर रहे हैं। बताया गया कि ये पशु क्षेत्र के लोगों के हैं। उन्होंने चराने के लिए छोड़े थे जो जंगल के बजाय बदरीनाथ नगर में घूम रहे हैं।

बताया गया कि बदरीनाथ धाम में पशुओं के लिए गोसदन भी नहीं है। ऐसे में जगह जगह आवारा पशु घूमते दिखते हैं। बताया गया कि आए दिन इन पशुओं की आपस में लड़ाई होती है। खासतौर पर नंदीयों की लड़ाई से यात्रियों के साथ स्थानीय निवासी परेशान हैं। बीते सांय को एक घंटे तक दो नंदी लड़ते रहे, जिससे यात्रियों में भगदड़ मच गई।

अब आपदा के समय संकट मोचक बनेंगी सखी, सरकार शुरू करने जा रही ये खास योजना

देहरादून, एजेंसी।
सीएम ने कहा कि आपदा सखी योजना के शुरू होने से महिला स्वयंसेवकों को आपदा से पूर्व चेतावनी, प्राथमिक चिकित्सा, राहत एवं बचाव कार्यों, मनोवैज्ञानिक सहायता आदि के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्राकृतिक आपदाओं को टाला नहीं जा सकता लेकिन त्वरित प्रतिक्रिया और समन्वित राहत एवं बचाव कार्यों से उसके प्रभावों को कम कर सकते हैं। इसके लिए सभी विभागों में समन्वय के साथ संवेदनशीलता भी बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि आपदा मित्र योजना की तरह राज्य में ÷आपदा सखी योजना÷ शुरू होगी। यह बात सीएम धामी ने एक होटल में राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सहयोग से मानसून-2025 की तैयारियों पर आयोजित कार्यशाला में कही। शुरू होने से महिला स्वयंसेवकों को आपदा से पूर्व चेतावनी, प्राथमिक चिकित्सा, राहत एवं बचाव कार्यों, मनोवैज्ञानिक सहायता आदि के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। पहले चरण में राज्य आजीविका मिशन के तहत सामुदायिक संस्थाओं से जुड़ीं 95 महिलाओं को प्रशिक्षण दिया जाएगा। आपदा प्रबंधन सभी विभागों का सामूहिक दायित्व है, जिसमें सभी विभागों के साथ आम जनता की सक्रिय सहभागिता भी आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि आपदा में लापरवाही बरतने वालों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपदाओं के प्रभावी निपटारे के लिए हमे प्रोएक्टिव और रिएक्टिव दोनों प्रकार की रणनीतियों को अपनाना होगा। जैसे 2024 में गौरीकुंड में बादल फटने की घटना के दौरान प्रोएक्टिव अप्रोच अपनाकर हजारों लोगों की जान बचाने में सफलता प्राप्त की थी। उन्होंने कहा कि भूस्खलन, बाढ़ और अन्य संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान कर, जेसीबी, क्रेन एवं आवश्यक उपकरणों की तैनाती सुनिश्चित की जाए। संवेदनशील और पुराने पुलों की तकनीकी जांच कर आवश्यकतानुसार बैली ब्रिज एवं वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करने समेत अन्य निर्देश दिए। मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने कहा कि इस वर्ष मौसम विभाग ने मानसून के जल्द आने और सामान्य से अधिक होने का अनुमान लगाया है। हमें मानसून से पूर्व पुख्ता इंतजाम करके आपदा के प्रभाव को कम करना है।

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सदस्य राजेंद्र सिंह ने कहा कि भारतीय मौसम विभाग ने आगामी मानसून में उत्तराखंड के लिए सामान्य से अधिक बारिश का पूर्वानुमान है। ऐसे में उत्तराखंड के लिए 15 जून से सितंबर तक आपदा की दृष्टि से महत्वपूर्ण समय है। उन्होंने कहा कि भूस्खलन के बचाव के लिए उत्तराखंड को एनडीएमए ने 140 करोड़ रुपए की स्वीकृति प्रदान की है। प्रदेश की 190 संवेदनशील झीलों के लिए उत्तराखंड को 40 करोड़ का आवंटन हो चुका है। उत्तराखंड को फॉरेस्ट फायर के लिए करीब 16 करोड़ की स्कीम को स्वीकृति प्रदान की है। भूकंप के लिए भी उत्तराखंड को आवश्यकतानुसार धनराशि दी जाएगी। एनडीएमए ने देश में आने वाली आपदाओं के लिए गाइडलाइन बनाई हैं, जिसे जिले स्तर तक पहुंचाना है। राज्य आपदा प्रबंधन सलाहकार समिति उपाध्यक्ष विनय रोहेला ने कहा कि राज्य सरकार के प्रयासों से आपदा के दौरान होने वाले नुकसान को कम से कम किया गया है।

पहले कार बेची...फिर दूसरी चाबी से खुद ही चोरी कर ली, 56 हजार में किया था सौदा

नैनीताल, एजेंसी।
विकास जौहरी ने कार खरीदी तो उसे बेचने वाले ने एक ही चाबी दी। 23 अप्रैल को अपने पास रखी दूसरी चाबी से कार ले जाकर रुद्रपुर में तीसरे को बेच दी। सीसीटीवी फुटेज से चोरी का खुलासा हुआ और पुलिस ने आरोपी आयुष को गिरफ्तार कर लिया।

गौलागेट टनकपुर रोड निवासी विकास जौहरी ने कार खरीदी तो उसे बेचने वाले ने एक ही चाबी दी। 23 अप्रैल को अपने पास रखी दूसरी चाबी से कार ले जाकर रुद्रपुर में तीसरे को बेच दी। सीसीटीवी फुटेज से चोरी का खुलासा हुआ और पुलिस ने आरोपी आयुष को गिरफ्तार कर लिया।

बनभूलपुरा थाना प्रभारी नीरज भाकुनी ने बताया कि गौलागेट निवासी विकास जौहरी ने कार चोरी की तहरीर दी थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की तो सीसीटीवी फुटेज में वाहन चोरी करने वाला उसका पूर्व मालिक अल्मोड़ा निवासी आयुष निकला। बताया कि बुधवार को आयुष को जजी कोर्ट के पास से गिरफ्तार किया गया। आयुष ने बताया कि उसने कार की एक ही चाबी विकास को दी और दूसरी अपने पास ही रख ली थी। इसी से उसने कार रुद्रपुर में ले जाकर 56 हजार रुपये में बेच दी। बताया कि तीसरे मालिक की जानकारी लेकर कार बरामद कर ली जाएगी।

मेट्रोपोल होटल परिसर में पार्किंग निर्माण का रास्ता साफ

नैनीताल, एजेंसी। पार्किंग के लिए शत्रु संपत्ति मेट्रोपोल होटल परिसर अस्थायी रूप से उत्तराखंड सरकार को आवंटित कर दिया गया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने इसके आदेश जारी कर दिए हैं। साथ ही परिसर में पार्किंग निर्माण का रास्ता साफ हो गया है।

नैनीताल स्थित मेट्रोपोल होटल परिसर शत्रु संपत्ति के रूप में चिह्नित है। इसका स्वामित्व केंद्रीय गृह मंत्रालय के पास है। होटल परिसर में वाहनों की पार्किंग की जाती है। इधर, यहां पार्किंग निर्माण के लिए लंबे समय से प्रयास चल रहे थे।

इसके लिए सीएम पुष्कर सिंह धामी ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को पत्र भेजकर अनुरोध किया था। केंद्रीय गृहमंत्री ने 23 मई को इस संबंध में आदेश जारी कर मेट्रोपोल होटल परिसर को उत्तराखंड सरकार अस्थायी रूप से आवंटित कर दिया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को पत्र भेजकर इसकी जानकारी दी है।

इस निर्णय से नैनीताल जैसे प्रमुख पर्यटन स्थल में आने वाले पर्यटकों एवं स्थानीय नागरिकों को बड़ी राहत मिलेगी। पार्किंग की बढ़ती समस्या से निजात मिलने के साथ-साथ यातायात व्यवस्था में भी सुधार होगा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस निर्णय के लिए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का आभार जताया।

जमीन बेचने के नाम पर 60 लाख की धोखाधड़ी, सात नामजद

हरिद्वार, एजेंसी। 30 बीघा जमीन के सौदे के नाम पर 60 लाख रुपये की धोखाधड़ी कर मामला सामने आया है। डीआईजी गढ़वाल के आदेश पर ज्वालापुर पुलिस ने सात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस के अनुसार, सन्नी खत्री निवासी निर्मला छावनी हरिद्वार ने डीआईजी गढ़वाल को दी गई शिकायत में बताया कि उसकी जान-पहचान संजय मेहरा निवासी टिहरी विस्थापित कॉलोनी न्यू शिवालिक नगर से थी। संजय ने उसे बताया कि लक्सर तहसील के पुण्डेरपुर उर्फ पीपली में 30 बीघा जमीन सस्ते दामों में मिल रही है। आगे चलकर अच्छे मुनाफे में बेची जा सकती है। संजय ने उसकी मुलाकात अशवद निवासी ग्राम सराय ज्वालापुर, फरमान अंसारी निवासी ईदगाह रोड ज्वालापुर, विनोद कुमार निवासी टिहरी विस्थापित कॉलोनी न्यू शिवालिक नगर, संजय कश्यप निवासी रोशनपुरी रावली महदूद सिडकुल से कराई। सभी ने यामिन निवासी पुंडेरपुर पीपली लक्सर को जमीन का मालिक बताते हुए उससे मिलवाया। साथ ही इंद्रजीत सहगल से भी मुलाकात कराई। जमीन दिखाने के बाद सौदा 12 करोड़ 90 लाख रुपये में तय किया गया, जिसमें 60 लाख रुपये 22 मार्च 2024 को दे दिए। इसके साथ इकरारनामा भी तैयार किया गया, जिसमें जमीन की रजिस्ट्री दो महीने बाद करने की बात कही गई थी।

उद्योग मित्रों को दिलाएं योजनाओं का लाभ : सीडीओ

भीमताल (नैनीताल), एजेंसी। विकास भवन सभागार में बुधवार को सीडीओ अनामिका की अध्यक्षता में जिला उद्योग मित्र की बैठक हुई। सीडीओ ने उद्योग मित्रों की समस्याओं का निराकरण और स्थानीय उद्योगों को बढ़ावा देने के सुझाव मांगे। उद्योग केंद्र की ओर से विभिन्न योजनाओं के तहत पांच इकाइयों के ब्याज उपादान के आवेदनों को स्वीकृति प्रदान करने की जानकारी दी गई।

महाप्रबंधक जिला उद्योग केंद्र पल्लवी गुप्ता ने बजूनिया हल्दू-पतलिया से कोटाबाग को वैकल्पिक मार्ग, सूर्या गांव सातताल मोटर मार्ग निर्माण, ग्राम हरिपुर मोतिया सम्पर्क मार्ग को मरम्मत कराने, कोटाबाग में स्थित इकाइयों में बिजली की अनियमतता, भीमताल स्थित आणु नाले के दिशा परिवर्तन के संबंध, डालाकोटी पेंट एंड कैमिकल्स की ओर से जीएसटी नियमावली के अनुसार इनपुट क्रेटिड का लाभ, इकाई वरदान मिनरल्स के विद्युत भार बढ़ाने आदि लंबित बिंदुओं की जानकारी दी गई।

सीडीओ ने संबंधित विभाग से कार्य प्रगति की जानकारी लेते हुए कहा कि सभी विभाग लंबित कार्यों और उनकी प्रगति से 10 दिन के भीतर अवगत कराएंगे। उन्होंने कहा कि कार्य और योजना में किसी प्रकार लापरवाही नहीं होनी चाहिए। साथ ही पूरी गुणवत्ता के साथ कार्य होने चाहिए। उद्योग मित्रों ने भीमताल सिडकुल में बिजली कटौती, सड़क मरम्मत, पेयजल व्यवस्था में सुधार, लोकल सेल के लिए डिस्प्ले यूनिट, सेल यूनिट और कूड़ा निस्तारण के लिए कूड़ा वाहन आदि की मांग की गई।

बैठक में हिमालयन चैंबर्स आफ कामर्स के अध्यक्ष रमेश बिंजोला, सदस्य प्रीति सागर, एसपी क्राइम जगदीश चंद्र, एआरटीओ बीके सिंह, अनिल, अमित बाजपेयी, ईई रत्नेश सक्सेना आदि मौजूद रहे।

महिला उद्यमियों ने विशेष प्रोत्साहन योजना ब्याज उपादान के लिए 4,72,106 रुपये, विशेष एकीकृत औद्योगिक प्रोत्साहन नीति 2008 के संशोधित-2011 विद्युत उपादान में 9,70,690 रुपये, सूक्ष्म, लघु एवं मध्य उद्यम नीति-2015 ब्याज उपादान में 2,03,97,818, सूक्ष्म, लघु एवं मध्य उद्यम नीति-2015 विद्युत उत्पादन में 1,75,08,220, लघु एवं मध्य उद्यम नीति-2015 परिवहन उत्पादन में 1,40,00,000 रुपये अलग-अलग मदों में पास किए गए।

हल्द्वानी में दोस्त के साथ नहाने गए युवक की गदेरे में डूबने से मौत

हल्द्वानी, एजेंसी। दोस्तों के साथ पानी के गदेरे में मौज मस्ती करना एक युवक को भारी पड़ गया. युवक नहाते समय गदेरे में डूब गया. घटना नैनीताल जिले के ज्योलीकोट स्थित गदेरे की है. सूचना पाकर एसडीआरएफ ने रात्रि सर्च ऑपरेशन के बाद शव बरामद किया है. मृतक युवक हल्द्वानी का रहने वाला है. पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है. पुलिस चौकी ज्योलीकोट के माध्यम से एसडीआरएफ टीम को सूचना मिली कि ज्योलीकोट में एक युवक नदी में डूब गया है.

रामपुर नगर पंचायत अध्यक्ष को मिली जान से मारने की धमकी

रुड़की, एजेंसी।
हरिद्वार जनपद में रुड़की स्थित रामपुर नगर पंचायत अध्यक्ष परवेज सुल्तान को जान से मारने की धमकी मिली है. दरअसल, ये धमकी तीन अज्ञात बाइक सवार लोगों ने उनके कार्यालय पर पहुंचकर दी गई है. धमकी देने वाले आरोपी उनके कार्यालय के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हुए हैं. नगर पंचायत अध्यक्ष परवेज सुल्तान ने इस मामले में गंगनहर कोतवाली पुलिस को तहरीर दी है. पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामले की छानबीन शुरू कर दी है.

दरअसल, बीती देर शाम रामपुर नगर पंचायत अध्यक्ष परवेज सुल्तान अपने दर्जनों समर्थकों के साथ गंगनहर कोतवाली पहुंचे. उन्होंने तहरीर तहरीर देते हुए पुलिस को बताया कि बीती 29 मई की शाम एक मोटरसाइकिल पर सवार होकर तीन अज्ञात लोग उनके कैम्प कार्यालय के बाहर आए, वे काफी देर तक वहीं पर खड़े रहे. कुछ देर खड़े रहने के बाद उनमें से एक व्यक्ति ने उनके कार्यालय में बैठे उनके ड्राइवर को आवाज लगाई. जिसके बाद उनका ड्राइवर बाहर आया. उक्त व्यक्ति ने उसके साथ गाली गलौज शुरू कर दी.

मामले में परवेज सुल्तान का आरोप है कि उक्त लोगों ने उनका नाम लेकर धमकी देते हुए कहा कि अगर वह रामपुर गांव में दिखाई दे गया तो उसकी गोली मार कर हत्या कर देंगे. परवेज सुल्तान के मुताबिक यह पूरी घटना उनके कार्यालय के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हुई है. पूरे घटनाक्रम की वीडियो फुटेज परवेज सुल्तान ने पुलिस को भी

दिखाया है. परवेज सुल्तान ने अब तक दो दिन देरी से शिकायत का कारण बताया कि वह धमकी देने वाले व्यक्तियों की स्वयं तलाश कर रहे थे. जिस पर अब उन्होंने पुलिस को तहरीर देकर मामले में कारवाई की मांग की है. फिलहाल पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश में जुट गई है.

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

राष्ट्रीय दैनिक प्रात:किरण
नई दिल्ली, सोमवार, 02 जून, 2025

दिल्ली के जंगपुरा में जमकर गरजा बुलडोजर मद्रासी कैंप में तोड़ी जा रही 300 से ज्यादा झुग्गियां

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली, । राजधानी दिल्ली के जंगपुरा इलाके में आज सुबह से मद्रासी कैंप में अवैध अतिक्रमण हटाने के लिए बुलडोजर ऐक्शन शुरू हो गया है। स्थानीय लोगों के संभावित विरोध से निपटने के लिए यहां भारी तादाद में दिल्ली पुलिस और अर्द्धसैनिक बलों के जवान मौके पर तैनात हैं। इस बुलडोजर कार्रवाई के दौरान करीब 300 से अधिक झुग्गियों को तोड़ा जाएगा। दिल्ली हाईकोर्ट ने मॉनसून में भीषण जलभराव को रोकने के लिए बारापुला नाले की सफाई की आवश्यकता जताते हुए 1 जून से मद्रासी कैंप को ध्वस्त करने का आदेश दिया था। हाईकोर्ट ने 9 मई को दिए आदेश में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के अलावा विस्थापित लोगों को नरेला में बसाने का भी कहा था। करीब 60 साल से बसी झुग्गी बस्ती में 300 से अधिक मजदूर वर्ग के परिवार रहते हैं। 12 अप्रैल को अधिकारियों ने झुग्गी बस्ती की दीवारों पर सरकार द्वारा आवंटित फ्लैटों के लिए पात्र परिवारों की सूची चिपकाई थी। लगभग 370 परिवारों में से सिर्फ 189 ही फ्लैट के लिए पात्र पाए गए। मद्रासी कैंप के निवासी मुरुगन ने दावा किया, करीब 300 परिवारों में से केवल 189 को ही फ्लैट आवंटित किए गए हैं - हमें जो फ्लैट दिए जा रहे हैं, वे भी अधूरे हैं और उनकी हालत भी खराब है। बारापुला नाले पर अतिक्रमण हटाना जरूरी : दिल्ली हाईकोर्ट जस्टिस प्रतिभा एम सिंह और जस्टिस मनमीत पी.एस. अरोड़ा की बेंच ने 9 मई को अपने आदेश में कहा था, अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई व्यवस्थित तरीके से की जानी चाहिए। बारापुला नाले को जाम से मुक्त कराने के लिए मद्रासी कैंप के निवासियों का पुनर्वास भी आवश्यक है। कोई भी निवासी पुनर्वास के अधिकार के इतर किसी अन्य अधिकार का दावा नहीं कर सकता, क्योंकि यह सार्वजनिक भूमि है, जिस पर अतिक्रमण किया गया है। हाईकोर्ट द्वारा मद्रासी कैंप के निवासियों के 20 मई से सुचारू पुनर्वास के निर्देश भी दिए गए थे। अधिकारियों ने अवैध तरीके से रह रहे परिवारों को बारापुला नाले को जाम से मुक्त कराने के लिए अतिक्रमण और अनधिकृत निर्माण हटाने के वास्ते ध्वस्तीकरण नोटिस जारी किया था। हाईकोर्ट ने कहा था कि विशेष रूप से आगामी मॉनसून के मौसम को देखते हुए पुनर्वास अत्यंत आवश्यक है, साथ ही बारापुला नाले की समय पर सफाई आसपास के क्षेत्रों में गंभीर जलभराव को रोकने के लिए भी जरूरी है। बेंच ने कहा कि 20 मई से 31 मई के बीच मद्रासी कैंप से सभी सामान हटा दिए जाने चाहिए और एक जून से तोड़फोड़ शुरू होनी चाहिए। हाईकोर्ट द्वारा दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए), दिल्ली नगर निगम (एमसीडी), लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) और दिल्ली सरकार समेत विभिन्न विभागों के अधिकारियों को 19 से 20 मई तक दो शिविर आयोजित करने का आदेश दिया गया था। बता दें कि, अदालत ने मद्रासी कैंप को अवैध निर्माण बताते हुए कहा कि इससे नाले में रुकावट पैदा हुई और नाला अवरुद्ध हो गया, जिसके कारण बारिश के दौरान खासकर मॉनसून के मौसम में आसपास के इलाकों में गंभीर जलभराव हो गया।

भारतीय सेना का कर्नल बनकर ठगी करने वाला 77 वर्षीय धोखेबाज गिरफ्तार

दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली, । खुद को भारतीय सेना का कर्नल बताकर युवाओं को सेना में नौकरी दिलाने व सेना कल्याण आवास संगठन (एडब्ल्यूएचओ) में फ्लैट और दुकान दिलाने के नाम पर लोगों से ठगी करने वाले 77 वर्षीय धोखेबाज सीताराम गुप्ता को क्राइम ब्रांच ने पंजाब से गिरफ्तार किया है। वह पंजाब विश्वविद्यालय में भारत के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय डॉ. मनमोहन सिंह का अर्थशास्त्र का छात्र था। वह दिल्ली में भारतीय सेना में नौकरी दिलाने के लिए धोखाधड़ी और जालसाजी के तीन मामलों में भी शामिल रहा है। इन मामलों में उसे दोषी पाया गया है। डीसीपी अपूर्वा गुप्ता के मुताबिक सीताराम गुप्ता उर्फ सीताराम सिंगला पंजाब के पटियाला से गिरफ्तार किया गया। 2007 में उसने भारतीय सेना कल्याण आवास संगठन (एडब्ल्यूएचओ) में फ्लैट और दुकान की पेशकश करने के धोखाधड़ी के मामले में वांछित था। विवेक विहार थाने में दर्ज में इस मामले में उसे जमानत मिल गई थी। बैंक कर्मचारी अनिल निगम ने विवेक विहार थाने में शिकायत कर बताया कि सीताराम सिंगला नाम का व्यक्ति खुद को दिल्ली में तैनात कर्नल रैंक का सैन्य अधिकारी बताया था और शिकायतकर्ता को एक फ्लैट की पेशकश की, जिसे आर्मी वेलफेयर हाउसिंग ऑर्गनाइजेशन द्वारा बनाया जाना था। उसी योजना के तहत उसने एक दुकान भी बुक कराने की पेशकश की थी। एडवांस 56,000 रुपये लिकर उसने शिकायतकर्ता को दो रसीदें सौंपीं। संदेह के बाद शिकायतकर्ता ने विवेक विहार थाने में धोखाधड़ी और जालसाजी के तहत मामला दर्ज करवा दिया था। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने कड़कड़डूमा कोर्ट में आरोपपत्र दायर किया था। लंबे समय तक अदालती प्रक्रिया में पेश न होने पर उसे भगोड़ा घोषित कर दिया गया था। 31 मई को क्राइम ब्रांच को सीताराम गुप्ता के बारे में जमानत जंप करने के बारे में सूचना मिली। वह भी पता चला कि वह पंजाब के मानसा का रहने वाला है लेकिन वर्तमान में पटियाला में स्थित एक वृद्धाश्रम में रह रहा है। वृद्धाश्रम में वह गलत पहचान के साथ रह रहा था। जांच के बाद उसे दबोच लिया गया। सीताराम गुप्ता का जन्म मंडी डबवाली, सिरसा, हरियाणा में हुआ था और लेकिन बाद में उसका परिवार पंजाब के मानसा में रहने लगा। उसने पंजाब विश्वविद्यालय से एमए (इतिहास) और एमए (अर्थशास्त्र) की पढ़ाई की थी। वह भारत के पूर्व माननीय प्रधानमंत्री स्वर्गीय डॉ. मनमोहन सिंह के अर्थशास्त्र का छात्र था, जो पंजाब विश्वविद्यालय में उनके प्रोफेसर थे। उसने भारतीय सेना में पहले ठेकेदार के रूप में काम करना शुरू किया और पूरे भारत के विभिन्न छावनी क्षेत्रों में तेल की आपूर्ति करना शुरू कर दिया। अपने काम के दौरान, उसने सेना के अधिकारी के विभिन्न पदों का ज्ञान प्राप्त किया और भारतीय सेना की भर्ती प्रक्रिया के बारे में सीखा।

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली में 24 घंटे में कोरोना के 61 नए मामले सामने आए

नई दिल्ली, । दिल्ली में 24 घंटे में कोरोना के 61 नए मामले सामने आए, 91 मरीज ठीक हुए। अब तक कुल 357 मरीज ठीक हो चुके हैं, एक्टिव मरीजों की संख्या 436 हो गई है। हाल ही में दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने कहा कि सभी मरीजों में सामान्य खांसी और बुखार के लक्षण हैं। नया वैरिएंट वायरल संक्रमण के रूप में सामने आया है। मौजूदा स्थिति से लग रहा है कि यह धीरे-धीरे कम हो जाएगा। एहतियात के तौर पर अस्पतालों को दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। स्थिति पर नजर रखी जा रही है। दिल्ली स्थिति से निपटने के लिए तैयार है। बताया जा रहा है कि ओमीक्रॉन के जेएन. वन वैरिएंट के स्वरूप में थोड़ा बदलाव आया है। इसकी वजह से जेएन. वन वैरिएंट सब-वैरिएंट की वजह से संक्रमण देखने को मिल रहा है। ओमिक्रॉन और इसके जेएन. वन वैरिएंट का संक्रमण पहले भी हो चुका है। उस समय भी ज्यादातर मरीजों में हल्के लक्षण देखने को मिले थे।

शादी का दबाव बनाने पर गला घोंटकर मार डाला

नई दिल्ली, । पटेल नगर इलाके में शनिवार शाम विवाहिता की गला घोंटकर हत्या के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी धर्मेंद्र ने बताया कि महिला उस पर शादी करने का दबाव बना रही थी। इससे परेशान होकर उसने उसे मार डाला। धर्मेंद्र पत्नी और दो बच्चों के साथ मोती नगर इलाके की झुग्गियों में रहता था। करीब चार महीने पहले पड़ोस की रचना नाम की महिला से उसका प्रेम संबंध हो गया। रचना के परिवार में पति और दो बच्चे हैं। पुलिस ने बताया कि धर्मेंद्र की पत्नी को दोनों के रिश्ते की जानकारी हो गई थी। इस वजह से वह रचना से मिल नहीं पा रहा था। इस दौरान रचना लगातार धर्मेंद्र पर शादी करने और अलग रहने का दबाव बना रही थी। रचना के दबाव में आकर धर्मेंद्र शनिवार को उसके साथ बलजीत नगर में किराए का मकान देखने के लिए गया था। मकान मालकिन शालू उन्हें फ्लैट में छोड़कर चली आई। इसके बाद दोनों में शादी के मुद्दे पर वहां विवाद हो गया। गुस्से में आकर धर्मेंद्र ने गला घोंटकर हत्या कर दी और शव मौके पर छोड़कर फरार हो गया। डीसीपी एम हर्ष वर्धन ने बताया कि मामले की जांच इंस्पेक्टर सुमित कुमार को सौंपी गई थी। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगालने के बाद रविवार को आरोपी को मोती नगर इलाके से गिरफ्तार कर लिया।

अहिल्याबाई होल्कर के नाम पर ताहिरपुर में बनेगा प्रवेश द्वार : धिगान

नई दिल्ली, । सीमापुरी विधान सभा के गांव ताहिर पुर अहिल्या बाई होलकर की 300वीं जयंती मनाई जिससे गांव व आस पास के सैकडों लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम का आयोजन गांव के पाल समाज के लोगों ने किया था। जिसमें प्रमुख आयोजन कताओं में विनोद पाल, श्याम सिंह, मदन पाल, नन्द किशोर, हरी प्रकाश, तेज पाल, सुनील, पाल, लक्ष्मी नारायण, भगवत पाल, आदि, के अलावा डाक्ट्टआर एस पाल राम ललन पाल शेखर उर्फ राजा, हारून मिर्जा, रमेश बघेल, प्रवीन पारणा, कुमारी रिंकू, आदि सैकड़ों लोगो ने भाग लिया।क्षेत्रीय विधायक वीर सिंह धिंगान इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रहे। श्री धिगांन ने इस अवसर पर शरबत वितरण भी कराया।धिंगान ने अपने भाषण में अहिल्या बाई होलकर के नाम पर ताहिर पुर में एक प्रवेश द्वार बनवाने की घोषणा भी की।

एक अफसर, एक संकल्प: गांधी नगर की बंद गलियों को खुला आसमान देने वाले देवेंद्र कौशिक की अमिट कहानी

जहां नेतृत्व दृढ़ हो, वहां बदलाव असंभव नहीं, गांधी नगर से कृष्णा नगर तक गूंज रहा है व्यवस्था परिवर्तन का जयघोष

प्रात : किरण .मनोज जैन

दिल्ली के शाहदरा जिले में स्थित गांधी नगर की पहचान एक बड़े और व्यस्त कपड़ा व्यापारिक केंद्र के रूप में है, लेकिन इस बाजार की तंग और दमघोंटू गलियां, अतिक्रमण की दुर्दशा और अव्यवस्था इसकी सबसे पीड़ादायक पहचान बन चुकी थीं। सड़कों पर बेतरतीब बनी दुकानें, स्थायी ठेले, दुकानदारों द्वारा सड़क पर फैलाई गई बिक्री सामग्री, और पैदल चलने तक के लिए जगह न बचने की त्रासदी—यह वर्षों से सामान्य हो चली थी। दमकल और एंबुलेंस जैसे आपातकालीन वाहन इन गलियों में प्रवेश की कल्पना भी नहीं कर सकते थे। लोग इन गलियों से निकलने से डरते थे, और कई मार्गों को अनजाने में ही ह्यन चलने लायकह्व घोषित कर दिया गया था। ऐसी भयावह स्थिति में जब एक निर्भीक, ईमानदार और दूरदृष्टि से परिपूर्ण पुलिस अधिकारी श्री देवेंद्र कौशिक ने गांधी नगर थाने का प्रभार लिया, तो किसी ने कल्पना नहीं की थी कि यह अधिकारी न सिर्फ बदलाव की बात करेगा, बल्कि उसे जमीन पर उतारकर दिखा देगा। उन्होंने आते ही स्पष्ट किया—यह बाजार अब सांस लेगा, और व्यवस्था यहां वापस लौटेगी। श्री कौशिक का अंदाज केवल दफ्तर की बैठकों या आदेशों तक सीमित नहीं रहा। वे स्वयं फील्ड में उतरे, दुकानदारों से संवाद स्थापित किया, और समझदारी के साथ सख़्ती का संयोजन प्रस्तुत किया। उन्हें यह भलीभांति ज्ञात था कि अतिक्रमण कोई एक दिन में उपजा रोग नहीं है—यह वर्षों की लापरवाही, मिलीभगत और लोकल राजनीति की उपज है। उन्होंने सभी दबावों को दरकिनार कर पुलिस बल की मदद से कार्रवाई की और अतिक्रमण की जड़ों को उखाड़ फेंका। यह देखकर लोगों की आंखें भर आईं कि वर्षों बाद गांधी नगर की गलियों में हवा बहने लगी थी, सड़कों पर सूरज की किरणें पड़ीं, और वह राह जहां से लोग बचकर निकलते थे—आज उनका गर्व बन गई। श्री कौशिक ने यह भी सिद्ध किया कि जब अफसर अपना कर्तव्य केवल नौकरी नहीं, बल्कि एक सेवा और मिशन के रूप में देखे, तब वो चमत्कार करता है। लेकिन दुर्भाग्यवश, ठीक छह महीने के भीतर ही जब इस व्यवस्था परिवर्तन की लौ प्रज्वलित हो ही रही थी, श्री कौशिक का स्थानांतरण दरियागंज कर दिया गया। यह खबर गांधी नगर में बिजली बनकर गिरी। बाजार के व्यापारियों से लेकर सामान्य नागरिकों तक, हर किसी की जुबां पर यही शब्द थे—ह्लहमने एक मार्गदर्शक खो दिया।ह्व उनकी कार्यशैली, उनका संवाद और सबसे बढ़कर उनका जन-संवेदनशील दृष्टिकोण आज भी लोगों के हृदय में जीवित है। कोई अफसर केवल अपने पद से नहीं, बल्कि अपने दृष्टिकोण से अमर होता है—और गांधी नगर आज भी देवेंद्र कौशिक को आदर और गर्व से याद करता है। उनके द्वारा किया गया कार्य कोई क्षणिक प्रयास नहीं था, बल्कि एक विचार था—कि यदि प्रशासन चाहे, तो जड़ से बदलाव संभव है। कौशिक चले गए, लेकिन वे एक आदर्श छोड़ गए—जिसे मिटा पाना अब असंभव है। श्री कौशिक के जाने के बाद गांधी नगर थाने का नेतृत्व श्री प्रफुल्ल कुमार को सौंपा गया। उन्होंने अपने पूर्ववर्ती के कार्यों को केवल संरक्षित ही नहीं किया, बल्कि उन्हें और अधिक सशक्त रूप में आगे बढ़ाया। उनकी निगरानी में बाजार की नियमित गश्त हुई, अतिक्रमण की पुनरावृत्ति को कठोरता से रोका गया, और व्यापारियों से सतत संवाद के माध्यम से यह विश्वास जगाया गया कि पुलिस जनता की प्रहरी है, उनकी शत्रु नहीं। श्री कौशिक की चिंगारी अब एक स्थायी लौ बन गई थी। सड़कों की चौड़ाई अब केवल माप की बात नहीं रही, बल्कि एक नए सोच की प्रतीक बन गई। जो राहें कभी दहशत का पर्याय थीं, वे अब सुव्यवस्थित आवाजाही और स्वच्छता की मिसाल बन चुकी थीं। गांधी नगर अब एक उदाहरण बन गया था, एक ऐसा उदाहरण जिसे देखकर दिल्ली के दूसरे हिस्सों में भी चेतना जागी। इस परिवर्तन की गूंज पूर्वी दिल्ली के कृष्णा नगर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले लाल क्वार्टर मार्केट तक पहुंची। यहां वर्षों से अतिक्रमण की समस्या ने दम घोंट रखा था। लेकिन इस बार बीट अधिकारी श्री ओमवीर राठी ने मोर्चा संभाला। उनके साथ हेड कांस्टेबल मनोहर, हेड कांस्टेबल नसीब, कांस्टेबल मंदीर, आरक्षी राकेश, प्रधान आरक्षी महेश और आरक्षी गौरव जैसे समर्पित और सजग जवान कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहे। यह केवल एक पुलिस कार्रवाई नहीं थी—यह जनता और प्रशासन के विश्वास का समागम था। अतिक्रमण हटे, सड़कें खुलीं, और लोगों के चेहरों पर राहत की रेखाएं लौटीं। दमकल, एंबुलेंस, नगर निगम की सफाई गाड़ियां अब इन गलियों में बेरोकटोक प्रवेश कर पा रही हैं। नागरिकों ने खुले दिल से प्रशासन के इस प्रयास का स्वागत किया, और यह अनुभव किया कि यह बदलाव केवल सरकार की मंशा नहीं, बल्कि उनकी अपनी भागीदारी का परिणाम है।

डीयू में चार वर्षीय पाठ्यक्रम लागू होने से बढ़े शिक्षकों के पद, जुलाई से बढ़ेंगे शिक्षकों के पद , सरकार से अभी तक नहीं मिली ईडब्ल्यूएस सीटें

- फोरम ने शिक्षा मंत्रालय से शिक्षकों की ईडब्ल्यूएस सीटों की मांग की
- कॉलेज कर चुके है ईडब्ल्यूएस सीटों के बढ़ने पर अतिरिक्त शिक्षकों के पदों की मांग की

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध विभागों व कॉलेजों में पिछले तीन साल से सहायक प्रोफेसर के पदों पर स्थायी नियुक्ति की प्रक्रिया जारी है । बता दें कि अभी तक कॉलेजों में शिक्षकों के 82 फीसदी पदों को भरा जा चुका है है , यानी लगभग 5000 पदों पर नियुक्ति की जा चुकी है लेकिन शिक्षा मंत्रालय ने अभी तक ईडब्ल्यूएस सीटें दिल्ली विश्वविद्यालय के विभागों / कॉलेजों को आबंटित नहीं की है । जबकि शिक्षा मंत्रालय ने पिछले दिनों यह आश्वासन दिया था कि दिल्ली विश्वविद्यालय में शिक्षकों के 75 फीसदी पदों पर स्थायी नियुक्ति के बाद ईडब्ल्यूएस सीटें दे दी जाएंगी लेकिन एक साल से अधिक समय व्यतीत हो जाने के बावजूद शिक्षा मंत्रालय से अभी तक सीटें नहीं मिली है ।जबकि कॉलेजों से ईडब्ल्यूएस की सीटें कितनी बढ़ेंगी उसके आंकड़े भी मंगवा लिए हैं । डीयू में ईडब्ल्यूएस कोटे की लगभग 3000 सीटें बनती है । फोरम ऑफ एकेडेमिक्स फॉर सोशल जस्टिस (शिक्षक संगठन) ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान को पत्र लिखकर मांग की है कि दिल्ली विश्वविद्यालय को जल्द से जल्द ईडब्ल्यूएस सीटों को आबंटित करें जिससे कि कॉलेजों को ईडब्ल्यूएस सीटों का लाभ मिल सके । फोरम का कहना है कि शैक्षिक सत्र --2025 --26 से चार वर्षीय छात्रों की पढ़ाई शुरू होने पर शिक्षकों के पद बढ़ने पर उनकी नियुक्ति होनी है । इन पदों को भरने के लिए कॉलेजों को गेस्ट टीचर्स लगाने पड़ेंगे । फोरम के चेयरमैन डॉ. हंसराज सुमन ने बताया है कि दिल्ली विश्वविद्यालय के सहायक कुलसचिव (कॉलेजिज) ने दो साल पहले विश्वविद्यालय से सम्बद्ध सभी कॉलेजों के प्राचार्यो तथा संस्थान के निदेशकों को सर्कुलर जारी करते हुए ईडब्ल्यूएस की 10 फीसदी अतिरिक्त पदों की आवश्यकता के विषय में जानकारी मांगी गई थीं कि 10 फीसदी सीटों के बढ़ने पर उनके कॉलेज में कितने शिक्षक पदों की आवश्यकता है । कॉलेजों से उनके आंकड़े देने को कहा था । कॉलेजों के प्राचार्यों ने शैक्षिक व गैर शैक्षिक पदों के आंकड़े विश्वविद्यालय को भेज दिए । भेजें गए शैक्षिक पदों के आंकड़ों को लेकर पिछले दिनों डूटा के अध्यक्ष प्रोफेसर अजय भागी केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से मिले थे । शिक्षा मंत्री ने उन्हें आश्वासन दिया था कि दिल्ली विश्वविद्यालय जैसे ही अपने कॉलेजों में शिक्षकों की 75 फीसदी पदों पर स्थायी भर्ती प्रक्रिया पूरी कर लेगा शिक्षा मंत्रालय उन्हें ईडब्ल्यूएस के कारण बढ़ी सीटें दे देगा । डॉ.सुमन ने बताया है कि वर्तमान डीयू कॉलेजों में 82 फीसदी सहायक प्रोफेसरों की स्थायी नियुक्ति हो चुकी है तथा स्थायी नियुक्ति की प्रक्रिया जारी है बावजूद इसके अभी तक शिक्षा मंत्रालय ने अपना आश्वासन पूरा नहीं किया । उन्होंने बताया है कि शैक्षिक सत्र -2025 --26 में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत छात्र चौथे वर्ष में प्रवेश कर जाएंगे जहाँ शिक्षकों की मांग बढ़ जाएगी । कॉलेजों में अभी तक स्थायी शिक्षकों की नियुक्ति तीन वर्षीय पाठ्यक्रम के आधार पर की है जबकि जुलाई से चार वर्षीय पाठ्यक्रम शुरू हो जायेगा । डॉ. हंसराज सुमन ने बताया है कि दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध कॉलेजों में शैक्षिक पदों पर ईडब्ल्यूएस अभ्यर्थियों को 10 फीसदी अतिरिक्त सीटों का ब्यौरा 46 कॉलेजों के प्राचार्यो ने दिया है । कॉलेजों के प्राचार्यो ने छात्रों की बढ़ी संख्या के आधार पर 25 फीसदी अतिरिक्त शिक्षकों की मांग की है । बता दें कि इस वर्ष छात्रों के एडमिशन को तीन साल हो चुके हैं । उन्होंने बताया है कि 46 कॉलेजों ने अपने आंकड़े जारी कर दिए हैं जबकि 35 कॉलेजों ने अभी आंकड़े जारी नहीं किए । इसमें सर्वाधिक अतिरिक्त सीटें मांगने वाले कॉलेजों में है --- हंसराज कॉलेज -- 92 ,गार्गी कॉलेज -- 91 , दयालसिंह कॉलेज --81 ,देशबंधु कॉलेज --80 यूसीएमएस --80 जाकिर हुसैन कॉलेज --72 दौलतराम कॉलेज --60 रामजस कॉलेज --59 कालिंदी कॉलेज --55 ,शिवाजी कॉलेज --49 , रामलाल आनंद कॉलेज --46 , वेंकटेश्वरा कॉलेज -- 46 ,हिन्दू कॉलेज --45 स्वामी श्रद्धानंद कॉलेज --45 , पीजीडीएवी कॉलेज --44 , लेडीश्रीराम कॉलेज --44 , एआरएसडी --44 , विवेकानंद कॉलेज --43 , शहीद भगतसिंह कॉलेज --43 , रामलाल आनंद --42 , जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज --41 , भारती कॉलेज --40 आदि कॉलेजों में ईडब्ल्यूएस के कारण शिक्षकों की सीटें बढ़ी है ।

रानी खेड़ा में बनेगा मल्टीलेवल मैन्युफैक्चरिंग हब, एनजीटी की रोक हटी

नई दिल्ली, । अब रानी खेड़ा में नया औद्योगिक क्षेत्र विकसित होने की उम्मीद जगी है। आने वाले कुछ सालों में दिल्ली को 147 एकड़ का यह नया औद्योगिक क्षेत्र मिल जाएगा। दिल्ली राज्य औद्योगिक एवं अवसंरचना विकास निगम (डीएसआईआईडीसी) यहां मल्टीलेवल मैन्यूफैक्चरिंग हब विकसित करने की योजना बना रहा है। इस योजना को लेकर नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) की सबसे बड़ी बाधा दूर हो गई है। दरअसल, 14 दिसंबर 2017 को एनजीटी ने इस परियोजना पर रोक लगा दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल इस परियोजना को हरी झंडी दे दी है। इसके बाद एलजी ने भी इस योजना को मंजूरी दे दी है। दिल्ली में भाजपा सरकार आने के बाद अब अधिकारी इस योजना पर काम शुरू करने की फिराक में हैं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इस परियोजना को लेकर अधिकारियों से रिपोर्ट मांगी है। इस योजना को लेकर एक सुझाव यह भी आया है कि औद्योगिक क्षेत्र को विकसित करने में सरकार को अपना पैसा नहीं लगाना चाहिए और इसके लिए डिजाइन बिल्ट फंड ऑपरेट एंड ट्रांसफर (डीबीएफओटी) के तहत इस योजना पर काम किया जाना चाहिए। जिसके तहत डेवलपर्स को भी इस योजना के लिए आमंत्रित किया जाना चाहिए। सरकार को परियोजना के लिए डेवलपर्स को जमीन लीज पर देनी चाहिए और इसके लिए सरकार को डेवलपर्स से हर साल राजस्व मिलेगा। डेवलपर्स वहां बनने वाले इलेक्ट्रॉनिक सिटी के लिए डिजाइन तैयार करेंगे और सरकार से मंजूरी लेकर वहां औद्योगिक शहर विकसित करेंगे। इस परियोजना में वे खुद का पैसा लगाकर तैयार इकाइयों की जगह को उतने साल के लिए लीज पर देंगे, जितने साल के लिए उन्हें सरकार से जमीन लीज पर मिली है।सूत्रों का कहना है कि जल्द ही यह मामला मुख्यमंत्री के समक्ष रखा जाएगा। इस क्षेत्र को विकसित करने के सुझाव भी उनके समक्ष रखे जाएंगे। सरकार जो भी निर्णय लेगी, अधिकारी उस प्रस्ताव पर आगे बढ़ेंगे। सर्विस सेक्टर से जुड़े उद्योगों को मिलेगा बढ़ावा चूंकि यह पूरी तरह से इको-फ्रेंडली औद्योगिक हब होगा, इसलिए जमीन आवंटन में उन उद्योगों को प्राथमिकता दी जाएगी, जो किसी तरह का प्रदूषण नहीं फैलाते। सर्विस सेक्टर से जुड़े उद्योगों को मिलेगा बढ़ावा दिल्ली सरकार के एक अधिकारी ने बताया कि औद्योगिक हब विकसित करने का उद्देश्य व्यापार को बढ़ावा देना और दिल्ली को मैन्युफैक्चरिंग हब बनाना है। औद्योगिक हब में लगने वाले उद्योगों को प्रदूषण मानकों का सख्ती से पालन करना होगा। इसे दो चरणों में विकसित किया जाएगा।

ऑनलाइन डेटिंग ऐप्स के जरिए फंसा कर लूटपाट करने के तीन आरोपी, मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली, । ऑनलाइन डेटिंग ऐप्स के जरिये लोगों को फंसाकर कर कथित तौर पर लूटपाट करने के तीन आरोपियों को पुलिस ने उत्तर पूर्वी दिल्ली के यमुना खादर में शनिवार देर रात मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मुठभेड़ के दौरान दो आरोपियों के पैरों में गोली लगी और उन्हें जग प्रवेश चंद्र (जेपीसी) अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि शनिवार देर रात करीब दो बजकर 25 मिनट पर गश्त पर निकली पुलिस की एक टीम को सूचना मिली कि न्यू उस्मान नगर के पास हालिया लूटपाट में शामिल कुछ संदिग्ध लोग मौजूद हैं और अगली आपराधिक गतिविधि की योजना बना रहे हैं। उन्होंने बताया कि पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची और वहां तीन लोगों को संदिग्ध अवस्था में देखा। एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने जब उन्हें जांच के लिए रोका, तो वे पास के जंगल की ओर भागने लगे और पुलिस पर गोलीबारी की। अधिकारी ने बताया, पुलिस ने जवाबी गोली चलाई जिसमें दो आरोपियों के पैर में गोली लगी। पुलिस टीम ने तीनों आरोपियों को मौके से पकड़ लिया। उन्होंने बताया कि पुलिस ने आरोपियों के पास से दो देसी पिस्तौल और तीन कारतूस बरामद किए हैं। अधिकारी ने बताया कि आरोपियों की पहचान समीर (21), तरुण (23) और कुनाल शर्मा (23) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि शुरूआती जांच में खुलासा हुआ है कि समीर पहले भी लूट और मारपीट के दो मामलों में संलिप्त रहा है और इस संबंध में मानसरोवर पार्क थाना में प्राथमिकी दर्ज है। पुलिस अधिकारी ने बताया, पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे हाल के लूटपाट के कई मामलों में संलिप्त रहे हैं। आरोपियों ने खुलासा किया कि वे ह्यडेटिंग ऐप्सह्व के जरिये लोगों को फंसाते थे और फिर ह्यडेटह्व के बहाने बुलाकर लूटपाट करते थे। अधिकारी ने बताया कि घटनास्थल पर अपराध और फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) की टीम को मौके पर बुलाया गया। पुलिस ने कहा कि आरोपियों के बयानों का सत्यापन किया जा रहा है और अन्य अनसुलझे मामलों से इनकी संलिप्ता की जांच की जा रही है। पुलिस के मुताबिक इस प्रकरण की जांच जारी है।

युवक की हत्या कर शव जंगल में फेंका, नाबालिग सहित तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली, । दक्षिणी पूर्व जिले के पुल प्रहलादपुर क्षेत्र में एक युवक की हत्या कर शव को जंगल में फेंकने का मामला सामने आया है। मृतक की शिनाख्त शोएब राणा के रूप में हुई है। शोएब 15 मई की रात को अचानक गायब हो गया था। पुलिस ने छानबीन के बाद हत्या की गुत्थी को सुलझाते हुए नाबालिग समेत तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इनकी पहचान सुहेल खान, अशरफ उर्फ तोतला, जबकि तीसरा आरोपित नाबालिग है। आरोपितों ने पुरानी रंजिश में 15 मई की रात को शोएब की गला घोंटने के बाद चाकू से वारकर हत्या कर दी थी। बाद में उसके चेहरे को पत्थर से कुचल दिया। आरोपियों की निशानदेही पर शनिवार को पुलिस ने पुल प्रहलादपुर के जंगलों से शोएब का शव बरामद कर लिया। पुलिस के अनुसार पुल प्रहलादपुर इलाके में रहने वाले शोएब 15 मई को अचानक लापता हो गए थे। उसका पता नहीं चलने पर थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई गई। छानबीन के दौरान पुलिस ने कई बार उसके पड़ोसी सुहेल को थाने बुलाकर उससे पूछताछ की, लेकिन उसने शोएब के बारे में कुछ भी जानकारी होने से इंकार किया। शुक्रवार को पुलिस ने एक नाबालिग को पकड़ा तो उसने शोएब की हत्या की बात कबूली। उसने बताया कि 15 मई की रात को सुहेल और अशरफ के साथ वह शोएब को खाने पिलाने के बहाने पुल प्रहलादपुर के जंगल में ले गए। वहां पुरानी रंजिश में उसकी गला घोंटकर हत्या कर दी। बाद में उस पर चाकू से हमला किया गया। पहचान मिटाने के लिए उसके चेहरे को पत्थर से कुचला गया। पुलिस ने सुहेल और अशरफ को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

दिल्ली की मुख्यमंत्री के काफिले के पीछे चल रहे मीडिया के पांच वाहन हरिद्वार के निकट दुर्घटनाग्रस्त

नई दिल्ली, । दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की उत्तराखंड की दो दिवसीय यात्रा को कवर करने के लिए हरिद्वार जा रहे मीडियाकर्मियों को ले जा रहे कम से कम पांच वाहन रविवार सुबह दुर्घटनाग्रस्त हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हरिद्वार से कुछ किलोमीटर दूर सुबह लगभग 10 बजे हुए इस हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ। गुप्ता अपने कार्यकाल के 100 दिन पूरे होने के बाद अपने परिवार के सदस्यों के साथ उत्तराखंड के हरिद्वार के दो दिवसीय दौरे के लिए शालीमार बाग स्थित अपने आवास से रवाना हुईं। खबरों के अनुसार, गुप्ता के काफिले में शामिल एक कार ने अचानक ब्रेक लगा दिए, जिसके परिणामस्वरूप काफिले के पीछे चल रही मीडिया की पांच गाड़ियों के बीच टक्कर हो गई। मुख्यमंत्री कार्यालय ने हालांकि इन खबरों का खंडन करते हुए कहा कि दोषी चालक मुख्यमंत्री के काफिले का हिस्सा नहीं था।

दिल्ली-एनसीआर में अचानक बदला मौसम, धूल भरी आंधी के बाद झमाझम बारिश

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली, । जून के पहले दिन दिल्ली में बादल छाए रहे और दिनभर तेज हवाएं चलने लगीं। आईएमडी ने आंधी, बिजली गिरने, 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने और मध्यम बारिश की भविष्यवाणी की थी। पूरे एनसीआर में तेज हवाएं के साथ बारिश शुरू हो गई। लेकिन हवा अभी भी नहीं रुकी है। हवा की गति 60 किलोमीटर प्रति घंटे तक भी जा सकती है। इस दौरान तापमान भी सामान्य से कम रहने का अनुमान है। रविवार को दिल्ली का न्यूनतम तापमान 27.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। वहीं, हवा की गुणवत्ता फिलहाल नियंत्रण में है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, रविवार सुबह 10 बजे दिल्ली का एक्यूआई 193 दर्ज किया गया। इसे मध्यम श्रेणी में रखा गया है। एनसीआर के शहरों का एक्यूआई भी कुछ जगहों पर संतोषजनक तो कुछ जगहों पर मध्यम श्रेणी में है। निकट भविष्य में इसके बढ़ने की कोई संभावना नहीं है।

राजधानी किरण

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, सोमवार, 02 जून, 2025

चुनाव से पहले भाजपा ने मद्रासी कैंप में जहां झुग्गी-वहीं मकान के फॉर्म भरवाए थे और सरकार में आते ही बुल्डोजर चलवा दिया : आतिशी

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली, आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा कि भाजपा एक भी झुग्गी बस्ती नहीं तोड़ने का वादा 24 घंटे भी नहीं निभा सकी। 24 घंटे के अंदर ही भाजपा सरकार ने बुल्डोजर से बारापूला मद्रासी कैंप की सैकड़ों झुग्गियां तुड़वा दी। 31 मई को जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में सीएम रेखा गुप्ता ने सरकार के 100 दिन पूरे होने पर सरकारी खर्चे पर अभिनेता अनुपम खेर को बुलाकर एक इंटरव्यू करने का ढोंग किया। इसी कार्यक्रम में सीएम ने बोला कि किसी झुग्गी को तोड़ा नहीं जाएगा। इसके बावजूद रविवार को मद्रासी कैम्प को बुलडोजरों ने उजाड़ दिया और हजारों लोगों के सिर से छत छीन ली। तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन को एक्सोज करना चाहिए कि भाजपा दिल्ली में रह रहे तमिलनाडु के लोगों के साथ कैसा व्यवहार करती है? सौरभ भारद्वाज ने कहा कि शनिवार को दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सरकार के 100 दिन पूरे होने के उपलक्ष में सरकारी खर्चे पर एक लंबा चौड़ा कार्यक्रम जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित किया। इस प्रोग्राम में अभिनेता अनुपम खेर को एंकर बना कर एक इंटरव्यू करने का ढोंग किया। अनुपम खेर अक्सर भाजपा की वकालत करते नजर आते हैं। उस इंटरव्यू के ढोंग में एक सवाल आया कि क्या दिल्ली की झुग्गी झोपड़ियों को उजाड़ा जा रहा है? इस सवाल के जवाब में सीएम रेखा गुप्ता ने अपनी आदत के अनुसार दोबारा झूठ बोला। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली में एक भी झुग्गी झोपड़ी को उजाड़ा नहीं जाएगा। लोग जहां पर झुग्गी-झोपड़ी में रहते हैं, उनको वहीं पर सम्मान जनक

मकान दिए जाएंगे। 31 मई को सीएम रेखा गुप्ता ने यह झूठ बोला और एक जून को दिल्ली के बारापूला स्थित मद्रासी कैंप में सैकड़ों झुग्गियों को तोड़ने के लिए सुबह-सुबह भाजपा की सरकार के बुल्डोजर आ आए और हजारों लोगों को बेघर कर दिया। गौर करने वाली बात यह है कि इन झुग्गियों में रह रहे लोग ज्यादातर तमिलनाडु के रहने वाले हैं और 40-50 साल से इसी जगह पर रह रहे हैं। इन लोगों के इसी पते पर राशन कार्ड, वोटर कार्ड और आधार कार्ड बने हुए हैं। इनके बच्चे आसपास के स्कूलों में पढ़ते हैं। इन लोगों के रोजगार भी आसपास ही है। इसके बावजूद बिना घर दिए इन लोगों को उजाड़ दिया गया। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि बताया जा रहा है कि इनको नरेला में घर दिया जाएगा। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का वादा था कि झाजहां झुग्गी-वहीं मकानह देंगे। इसका मतलब यह था कि जहां पर इन लोगों का घर है, वहीं पर इन लोगों के व्यवसाय हैं, रोजगार हैं, इनके बच्चों के स्कूल-कॉलेज हैं। इसलिए इनको वहीं पर मकान दिया जाएगा। लेकिन अब यहां से 50 किलोमीटर दूर कुछ लोगों को नरेला में मकान देने की बात कही जा रही है। यह इन लोगों के साथ पूरी तरह से अन्याय है। भाजपा अगले कुछ महीनों में तमिलनाडु में चुनाव लड़ने जा रही है। हम भाजपा से पूछना चाहते हैं कि क्या यही भाजपा की तमिलनाडु के लोगों को तोहफा है। 40-50 साल पहले से बसे तमिलनाडु के लोगों के साथ अन्याय करके उनके घर गृहस्थी को उजाड़ा जाएगा। आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता व दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने मद्रासी कैंप पर भाजपा सरकार द्वारा बुल्डोजर चलाए जाने पर तिखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने एक्स पर बुल्डोजर की कार्रवाई का वीडियो साझा करते हुए कहा कि चुनाव से पहले भाजपा के नेता मद्रासी कैम्प में प्रवास करने आए। झाजहां झुग्गी, वहीं मकानह के फॉर्म भरवा के गए। जैसे ही भाजपा की सरकार आई, इन झुग्गियों पर बुल्डोजर चला दिया। मुट्ठी भर लोगों को मकान दिया, वो भी नरेला में। ज्यादातर लोग सड़क पर आ गए हैं। ये है भाजपा की सच्चाई। आम आदमी पार्टी के पूर्व विधायक प्रवीण कुमार ने कहा कि मद्रासी कैंप में भाजपा सरकार बुल्डोजर चला रही है। जब दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार थी, तब बुल्डोजर की कार्रवाई पर रोक लगा रखी थी। जब से आम आदमी पार्टी की सरकार गई है, तब से लगातार बुल्डोजर के लोगों की झुग्गियां तोड़ी जा रही है।

दिल्ली के बलजीत नगर में महिला की गला घोंटकर हत्या, एक व्यक्ति गिरफ्तार

नई दिल्ली,। दिल्ली के बलजीत नगर इलाके में 32 वर्षीय एक महिला की कथित तौर पर गला घोंटकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। घटना के बारे में शनिवार शाम करीब चार बजे पुलिस को सूचना मिली। पुलिस ने बताया कि महिला गृहिणी थी और उसका पति कीर्ति नगर में फर्नीचर की दुकान पर काम करता है। अधिकारियों के अनुसार, प्रारंभिक जांच में पता चला कि महिला के 28 वर्षीय धर्मेंद्र कुमार के साथ अवैध संबंध थे। शनिवार को दोनों के बीच झगड़ा हुआ जिसके बाद कुमार ने महिला का गला घोंट दिया। पुलिस ने बताया कि प्रिंटिंग प्रेस में काम करने वाले कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसके खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

चांद मोहल्ला, गांधी नगर में राजमाता अहिल्याबाई होलकर जी की 300वीं जयंती पर भव्य रुद्राभिषेक समारोह सम्पन्न

प्रात : किरण .मनोज जैन

शाहदरा जिले के गांधी नगर विधानसभा क्षेत्र के चांद मोहल्ला स्थित प्राचीन पंचायती शिव मंदिर में राजमाता अहिल्याबाई होलकर जी की 300वीं जयंती के पावन अवसर पर भव्य और श्रद्धापूर्ण रुद्राभिषेक समारोह का आयोजन किया गया। यह धार्मिक आयोजन श्रद्धालुओं के गहन विश्वास और भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुआ, जिसमें पुरुष, महिलाएं और बच्चे बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने

भगवान भोलेनाथ के शिवलिंग का गंगाजल, पंचामृत, दूध, दही, घी, शहद और पुष्पों से विधिवत अभिषेक किया। मंत्रों की मधुर ध्वनि और जयकारों के बीच यह आयोजन पूरे उल्लास और भक्तिभाव से सम्पन्न हुआ। राजमाता अहिल्याबाई होलकर जी, जो इतिहास की एक महान नायिका और समाज सुधारक थीं, ने अपने जीवन में धर्म, न्याय और सेवा का मार्ग प्रशस्त किया। उनका संकल्प था कि समाज में सशक्त नारीवाद और संस्कारों का विकास हो। इस भव्य जयंती समारोह में उनकी शिक्षाओं और आदर्शों को याद करते हुए, सभी ने राष्ट्र और समाज की प्रगति के लिए प्रार्थना की। कार्यक्रम का सफल संचालन महिला मोर्चा अध्यक्ष क्षमा वर्मा एवं उपाध्यक्ष के नेतृत्व में हुआ, जबकि गांधी नगर मंडल अध्यक्ष सचिन चौहान ने कार्यक्रम को अपनी शुभकामनाएं दीं। आयोजन के दौरान स्थानीय पुलिस ने शांति व्यवस्था बनाए रखी। सभी उपस्थितजनों ने भगवान शिव की कृपा बनी रहे और देश-समाज में सौहार्द्र और समृद्धि बनी रहे, ऐसी हार्दिक मंगलकामना की।

दिलशाद गार्डन के फ्लैट में भाई-बहन की रहस्यमयी मौत से शाहदरा जिले में सनसनी, पुलिस हर पहलू पर जांच में जुटी

डीसीपी शाहदरा प्रशांत गौतम ने दी जानकारी, दुर्गंध की सूचना पर खुला खौफनाक राज

प्रात : किरण .मनोज जैन

शाहदरा जिले के सीमापुरी थाना क्षेत्र के दिलशाद गार्डन डी पॉकेट में शनिवार को एक भयावह घटना ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। डीसीपी शाहदरा प्रशांत गौतम ने बताया कि फ्लैट नंबर 409, जो ग्राउंड फ्लोर पर स्थित है, से तेज दुर्गंध आने की सूचना मिली। जब पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दरवाजा खोला, तो अंदर एक युवक और उसकी बहन के शव फांसी के फंदे से लटके हुए पाए गए। मृतकों की पहचान 32 वर्षीय वीरेश कुमार तोमर और 30 वर्षीय चिंकी के रूप में हुई, जो उत्तर प्रदेश के बागपत जिले के फतेहपुर चक, किशनपुर, रामाला के रहने वाले थे। दोनों पिछले करीब चार वर्षों से दिलशाद गार्डन में किरायेदार के तौर पर रह रहे थे। यह खबर जैसे ही इलाके में फैली, दिलशाद गार्डन और आसपास के मोहल्लों में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोग इस घटना को लेकर काफी दहशत में हैं और पुलिस से जल्द खुलासा करने की उम्मीद लगाए बैठे हैं। पुलिस के अनुसार, फ्लैट भीतर से पूरी तरह बंद था, और शवों की हालत देखकर यह अनुमान लगाया गया कि दोनों की मौत कई दिन पहले हो चुकी थी। पड़ोसी बताते हैं कि मृतक भाई-बहन बहुत शांत स्वभाव के थे, सामाजिक मेलजोल कम रखते थे और अपने आप में ही रहते थे। लेकिन किसी ने भी यह कल्पना नहीं की थी कि वे ऐसा भयानक कदम उठाएंगे। सीमापुरी थाना पुलिस के साथ-साथ क्राइम टीम और फॉरेंसिक साइंस लैब (एफएसएल) की टीम ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। पुलिस ने पूरे फ्लैट की वीडियोग्राफी कर साक्ष्य एकत्र किए। डीसीपी प्रशांत गौतम ने बताया कि फिलहाल मामले को आत्महत्या माना जा रहा है, लेकिन पूरी जांच की जा रही है ताकि कोई भी पहलू छूटा न रहे। मृतकों के शव पोस्टमॉर्टम के लिए जीटीबी अस्पताल भेज दिए गए हैं और परिवार वालों को घटना की जानकारी दे दी गई है। फ्लैट के मालिक राजीव पुत्र श्री जीले सिंह ने पुलिस को बताया कि दोनों किरायेदार कई सालों से यहां रह रहे थे और उन्होंने कभी कोई विवाद या अजीब व्यवहार नहीं किया। उन्होंने बताया कि यह घटना उनके लिए भी बेहद चौंकाने वाली और दुखद है। पुलिस हर संभव प्रयास कर रही है कि इस दर्दनाक रहस्य का खुलासा जल्द से जल्द हो। यह दुखद घटना न केवल परिवार के लिए बल्कि पूरे सीमापुरी थाना क्षेत्र में एक बड़ी चिंता का विषय बन गई है। स्थानीय लोग और सामाजिक संगठन इस मामले की निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं ताकि भविष्य में ऐसी किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके। प्रशासन ने भी भरोसा दिलाया है कि पूरी पारदर्शिता के साथ जांच कर दोषियों को सजा दी जाएगी। शाहदरा जिले के दिलशाद गार्डन और आसपास के क्षेत्रों में यह घटना अभी तक चर्चा का विषय बनी हुई है। लोगों के मन में सवाल उठ रहे हैं कि आखिर कौन-सी परिस्थितियां थीं जिनके कारण दोनों भाई-बहन ने जीवन के इस अंतिम कदम को अपनाया। इस सवाल का जवाब पुलिस जांच और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद ही मिल सकेगा। तब तक पूरा इलाका इस दुखद घड़ी में गमगीन है।

डब्लू.जे.आई. केरल राज्य की दूसरी वार्षिक आम बैठक गुरुवायूर में आयोजित

सरकार ना करे पत्रकारों के साथ किसी भी तरह का भेदभाव: संजय उपाध्याय

प्रात : किरण संवाददाता, नादिर त्यागी

केरल/दिल्ली। वर्किंग जर्नलिस्ट्स ऑफ इंडिया की केरल राज्य की दूसरी वार्षिक बैठक 31/5/2025 को गुरुवायूर में संपन्न हुई। इसमें स्वामी हरिनारायण, एम. गणेश प्रांत प्रचार प्रमुख (आरएसएस), संजय उपाध्याय, राष्ट्रीय अध्यक्ष (कार्यकारी) हखक मुल्लापल्ली कृष्णमुद्री, और राज्य समिति सदस्य इटर, बिज्जू थरयिल और अन्य उपस्थित थे। गणेश जी ने पत्रकारों के लेखन के राष्ट्रीय हित पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने देवी अहिल्या बाई होल्कर की 300 वीं जयंती पर सभी को बधाई दी। जिसे पूरे देश में मनाया जा रहा है। संजय उपाध्याय ने पत्रकारों के बीच एकता और भाईचारे की भावना के बारे में बताया। उन्होंने पत्रकारों की सुरक्षा और बेहतर जीवन पर ध्यान केंद्रित किया। कार्यक्रम का संचालन पूर्व अध्यक्ष शिजू थरयिल ने की। नई समिति में संतोष कुमार को अध्यक्ष और अजय कुमार को महासचिव के साथ ही साथ साथ समिति में सदस्यों को भी चुना गया। नई समिति ने राज्य सरकार से मांग की है कि केरल के सभी पत्रकारों को पत्रकार कल्याण का लाभ दिया जाए और उनके साथ कोई भी किसी तरह का भेदभाव न किया जाए।

शाहदरा में झमाझम बारिश से गर्मी से मिली राहत कई बाजारों में जलभराव से जनजीवन प्रभावित

प्रात :: किरण मनोज जैन

शनिवार की शाम दिल्ली के शाहदरा जिले में मौसम ने अचानक करवट ली, जब करीब पाँच बजे तेज हवाओं के साथ मूसलाधार बारिश ने दस्तक दी। बीते कई दिनों से चिलचिलाती धूप और गर्म हवाओं से परेशान लोगों के लिए यह बारिश किसी संजीवनी से कम नहीं रही। तपती दोपहर के बाद जब काले बादलों ने आकाश को ढँका और तेज बौछारों के साथ ठंडी हवाएं चलीं, तो लोगों ने राहत की साँस ली। तेज हवाओं के साथ आई इस बारिश ने पूरे जिले को कुछ ही मिनटों में भिगो दिया। शाहदरा के कृष्णा नगर, गांधी नगर, विवेक विहार, और जगतपुरी जैसे इलाकों में बारिश इतनी तेज थी कि सड़कों पर बहाव की स्थिति बन गई। वहीं, आस-पास के जिलों जैसे पूर्वी दिल्ली, नंद नगरी, और सीमापुरी में भी बादलों ने जबरदस्त रौद्र रूप दिखाया, जिससे तापमान में अचानक गिरावट आई और मौसम सुहावना हो गया। हालाँकि, यह बारिश जितनी राहत लेकर आई, उतनी ही परेशानियाँ भी। शाहदरा की कई प्रमुख मार्केट्स जैसे लाल क़्वार्टर मार्केट, राम नगर मार्केट और रघुबीर नगर में जलभराव की स्थिति पैदा हो गई। जल निकासी की उचित व्यवस्था न होने के कारण सड़कों पर पानी जमा हो गया, जिससे आम लोगों और दुकानदारों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ा। दोपहिया वाहन चालकों को विशेषकर फिसलन भरी सड़कों से जूझना

पड़ा, वहीं पैदल चलने वाले लोगों की रफ्तार भी थम गई। कुछ इलाकों में बारिश के साथ गिरे पेड़ों और उखड़े होर्डिंग्स की वजह से ट्रैफिक भी बाधित हुआ। विशेषकर गलियों और मुख्य सड़कों पर भरे पानी ने नगर निगम की व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों ने शिकायत की है कि प्रशासन द्वारा समय पर जल निकासी की व्यवस्था नहीं की जाती, जिससे हर बारिश में उन्हें इसी तरह की परेशानी झेलनी पड़ती है। हालाँकि, मौसम विभाग का अनुमान है कि आने वाले कुछ दिनों में मौसम इसी तरह ठंडा और सुहावना बना रह सकता है। वहीं, नागरिकों को सलाह दी गई है कि जलभराव वाले क्षेत्रों से बचकर चलें और सावधानीपूर्वक वाहन चलाएँ। इस अप्रत्याशित बारिश ने जहाँ तपिश से राहत दी, वहीं नगर व्यवस्था की पोल भी खोल दी।

बच्चों में नैतिक सुसंस्कारों का बीजारोपण: लक्ष्मी नगर में ग्रीष्मकालीन नैतिक शिक्षण शिविर का शुभारंभ

प्रात :: किरण मनोज जैन

नई दिल्ली। शहरी भागदौड़ और भौतिक जीवन की चकाचौंध के बीच बच्चों के भीतर नैतिक मूल्यों का अंकुरण समय की मांग बन गया है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए रविवार को श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, सुभाष चौक, लक्ष्मी नगर में बच्चों में नैतिक सुसंस्कारों के बीजारोपण हेतु ग्रीष्मकालीन नैतिक शिक्षण शिविर का शुभारंभ किया गया। यह शिविर नैतिक शिक्षा समिति के तत्वावधान में आयोजित किया गया, जिसका उद्घाटन भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी (दिल्ली, हरियाणा, पंजाब व जम्मू-कश्मीर अंचल) के अध्यक्ष प्रदुमन जैन एवं विश्व जैन संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

यश जैन ने दीप प्रज्वलित कर किया। समिति के पाठशाला मंत्री अशोक जैन (तरुण मित्र परिषद) ने जानकारी दी कि नैतिक शिक्षा समिति विगत चार दशकों से दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में नियमित पाठशालाओं के साथ-साथ ग्रीष्मकालीन शिविरों का संचालन कर रही है। इस वर्ष 70 से अधिक नैतिक शिक्षण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है, जिनका मुख्य उद्देश्य बच्चों के व्यक्तित्व में चारित्रिक दृढ़ता, अनुशासन, कर्तव्यबोध और संवेदनशीलता का विकास करना है। शिविर में बच्चों को प्रातः स्मरण, बड़ों का सम्मान, देव-दर्शन, शुद्ध शाकाहारी आहार, जल संरक्षण, ऊर्जा बचत, वृक्षारोपण तथा पर्यावरण सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर शिक्षित किया जाता है। शिविर आयोजक अमित जैन एडवोकेट ने बताया कि भाग लेने वाले प्रत्येक बालक-बालिका को नित्यप्रति नाश्ता, स्टेशनरी तथा शिविर समापन पर प्रेरक उपहार भी भेंट किए जाएंगे, जिससे उनके मनोबल में वृद्धि हो सके। इस शुभ अवसर पर समाज के अनेक गणमान्य सदस्य जैसे विनोद जैन, सतेंद्र जैन, सुशील जैन, आलोक जैन, रोहित जैन सहित अनेक सक्रिय कार्यकर्ता उपस्थित रहे। उनका सहयोग और उपस्थिति इस प्रयास को सामाजिक शक्ति प्रदान करती है। यह शिविर न केवल बच्चों के वर्तमान को संवारने का कार्य करेगा, बल्कि उन्हें संस्कारों से परिपूर्ण एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में भी तैयार करेगा।

पत्रकार पारस अमरोही और पत्रकार के भाई शादाब के लिए शोकसभा का आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। नगर पालिका परिषद के प्रांगण में रविवार को रजिस्टर्ड प्रेस क्लब अमरोहा के संरक्षक बी.एस. आर्या एवं अध्यक्ष प्रदीप प्रजापति के निर्देश पर संगठन की ओर से शोक सभा का आयोजन किया गया। यह श्रद्धांजलि सभा वरिष्ठ पत्रकार स्वर्गीय पारस अमरोही और वरिष्ठ पत्रकार महताब अमरोही के छोटे भाई स्वर्गीय शादाब के निधन पर आयोजित की गई। कार्यक्रम में दिवंगत आत्माओं को याद करते हुए दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। सभा में

वक्ताओं ने वरिष्ठ पत्रकार स्वर्गीय पारस अमरोही के पत्रकारिता में योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि उन्होंने निष्पक्ष और निर्भीक पत्रकारिता की मिसाल कायम की। उनकी लेखनी सदैव समाज की आवाज बनी रही। इस अवसर पर रजिस्टर्ड प्रेस क्लब अमरोहा के संस्थापक अध्यक्ष विनीत कुमार अग्रवाल, क्लब के सलाहकार इकबाल अंसारी, उपाध्यक्ष मरगूब हुसैन, उपाध्यक्ष मनोज कुमार, तहसील अध्यक्ष पंडित देवेश शर्मा, तहसील अमरोहा उपाध्यक्ष मयंक शर्मा, नगर अध्यक्ष हनी प्रकाश, तहसील महामंत्री मोमीनीन कुरैशी, वरिष्ठ पत्रकार महताब अमरोही, नकी मेंहदी, सैयद जमशेद, जरगाम हैदर और वरिष्ठ पत्रकार महेंद्र मौर्य सहित अन्य गणमान्य जन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने पारस अमरोही और शादाब की आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की तथा शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

धर्मार्थ समर्पण न्यास एवं अनमोल सेवा समिति की अनूठी पहल

वाराणसी में हुआ ,रोमांस विद नेचर कलेंडर शूट

प्रतिभागियों ने अपने परिधानों से पर्यावरण प्रेम के लिए किया प्रेरित

प्रात : किरण संवाददाता, नादिर त्यागी

वाराणसी/मुरादाबाद। आगामी 5 जून को आने वाले विश्व पर्यावरण दिवस के दृष्टिगत धर्मार्थ समर्पण न्यास एवं अनमोल सेवा समिति द्वारा एक अनोखी पहल पर रोमांच विद नेचर नामक कैलेंडर शूट का भव्य आयोजन किया गया। इस रचनात्मक आयोजन का मुख्य उद्देश्य समाज को प्रकृति के प्रति प्रेम, संवेदनशीलता एवं संरक्षण की प्रेरणा देना रहा। कार्यक्रम में भाग लेने वाले प्रतिभागियों मिसेज बनारस वंदना दुबे, दीपा मिश्रा, दीपा मुखर्जी और एंकर एवम्‌मॉडल पूजा सिंह ने प्राकृतिक स्थलों पर पारंपरिक और समसामयिक परिधानों में फोटो शूट करवाया, जिसमें हर तस्वीर ने प्रकृति से जुड़ाव, उसके रंग, रूप और महत्व को खूबसूरती से दर्शाया। यह कैलेंडर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने के साथ-साथ सौंदर्य और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति का भी माध्यम बना। धर्मार्थ समर्पण न्यास की ओर से आयोजकों ने बताया कि यह कैलेंडर समाज को पर्यावरण के प्रति जागरूक बनाने हेतु पूरे वर्ष विभिन्न सामाजिक संस्थानों, विद्यालयों एवं सार्वजनिक स्थलों पर वितरित किया जाएगा। कार्यक्रम में समाजसेवियों, कलाकारों, युवाओं एवं विद्यार्थियों की विशेष सहभागिता रही। धर्मार्थ समर्पण न्यास की राष्ट्रीय सचिव डॉक्टर सुनीता तिवारीने कहा कि आज जब पर्यावरण संकट गहराता जा रहा है, ऐसे समय में कला और संवेदनशीलता के माध्यम से प्रकृति से जुड़ना न केवल आवश्यक है, बल्कि यह हमारे अस्तित्व की रक्षा का मार्ग भी है। सभी प्रतिभागियों को पर्यावरण रक्षक सम्मान पत्र भी जल्द ही प्रदान किए जाएंगे। यह आयोजन एक रचनात्मक संदेश के साथ लोगों के दिलों को छू गया। और आने वाले वर्षों में इसे और व्यापक स्तर पर मनाए जाने की योजना भी बनाई गई है।

विश्व संवाद केंद्र द्वारा नारद जयंती एवं पत्रकारिता दिवस के अवसर पर पत्रकार गोष्ठी का हुआ आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

रामपुर। विश्व संवाद केन्द्र के तत्वाधान में रामपुर में नारद जयंती एवं हिंदी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर ह्लसमकालीन पत्रकारिता-राष्ट्र सरोकारह्वगोष्ठी का आयोजन शिवांश होटल, ज्वालानगर में किया गया।मुख्य वक्ता विभाग प्रचार प्रमुख डॉ० पवन जैन ने हिंदी पत्रकारिता दिवस पर प्रकाश डालते हुये बताया कि वर्तमान भारत मे लगभग 200 वर्ष पुर्व प्रथम हिंदी समाचार पत्र उदन्त मार्तण्ड 30 मई 1826 को देवऋषि नारद जी की जयंती पर प्रथम बार कोलकाता मे प्रकाशित किया गया जिससे ये सिद्ध होता है कि प्राचीनकाल से ही देवऋषि नारद जी को सृष्टि का आदि पत्रकार माना जाता है और उनकी जयंती को पत्रकार दिवस मनाया जाता। उन्होंने बताया कि भारत मे प्राचीन काल से ही पत्रकारिता एवं एक समृद्ध संस्कृति के सभी आयाम प्रतिस्थापित थे। समाज में पत्रकारिता का उच्चतम स्थान है और ये स्थान पत्रकार जगत को उनकी मेहनत, लगन, कार्य के प्रति ईमानदारी से मिला है। पत्रकार जगत के इस महत्वपूर्ण योगदान के कारण ही आज मीडिया या पत्रकारिता को लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रुप में जाना जाता है। नारद जी आदि पत्रकार थे उन्होंने सदैव राक्षसी प्रवृत्तियों के विनाश का कार्य करने मे सवांहक होने का दायित्व इमानदारी से निभाया। पत्रकारों को राष्ट्रवाद का शंखनाद करना चाहिए। वर्तमान सरोकार विषय पर उन्होंने कहा कि पत्रकारिता का कार्य कांटो भरा है बत्तीस दांतों के बीच में जिस प्रकार जिव्हा रहती उसी प्रकार समाज में पत्रकार की स्थिति है अपने आपको सुरक्षित रखते लोकहित में कार्य करना का बीड़ा आपने स्वयं उठाया है जिसमें उसका पालन समाज हित में करने की आपकी जिम्मेदारी है। कार्यक्रम के संयोजक अंकुर कुमार एडवोकेट रहे संचालन विभाग सोशल मीडिया प्रमुख प्रशान्त मिश्रा ने किया अध्यक्षता जिला प्रचार प्रमुख गोपीचंद ने की।इस अवसर पर रामपुर जिले के प्रमुख सम्मानित प्रिन्ट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, फ्रीलांसर पत्रकार, यूट्यूबर, विश्व संवाद केंद्र के प्रतीक अग्रवाल, संजीव कुमार वर्मा, मनोज कुमार, राहुल मौर्य, नीलेश कुमार आदि काफी संख्या में अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कार और बाईक की भिड़ंत में बाईक सवार कृषि विभाग के एडीओ की मौत

प्रात : किरण संवाददाता

बछरायूं। थाना क्षेत्र में एक कार सवार ने बाईक सवार युवक को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से बाईक सवार युवक की उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने कार को कब्जे में ले लिया है। जनपद बिजनौर थाना क्षेत्र चांदपुर के गांव सबदलपुर खुर्द निवासी सुधीर पुत्र महिपाल धनौरा ब्लॉक में कृषि विभाग एडीओ के पद पर तैनात था। रविवार को सुधीर को सरकारी कार्य के लिए अधिकारियों द्वारा ब्लॉक में बुलवाया गया था। शाम के वक्त सुधीर काम से निपट कर घर जा रहा था। जैसे ही उसकी बाईक बछरायूं थाना क्षेत्र के गांव कुम्हार पुरा के निकट पहुंची तो सामने से आ रही तेज रफ्तार फॉर्च्यूनर गाड़ी ने उसकी बाईक में टक्कर मार दी। टक्कर मारकर कार सवार कार छोड़कर मौके से फरार हो गया। वहीं टक्कर लगने से सुधीर गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची बछरायूं पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से घायल को नगर के सी एच सी में भर्ती कराया जहां चिकित्सकों ने उसको मृत घोषित कर दिया। सुधीर की मौत की सूचना उसको परिजनों को दी गई। सूचना पाकर परिजन भी मौके पर पहुंच गए। सुधीर की मौत से उसके परिजनों मे कोहराम मच गया। वहीं मामले में थाना प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार ने बताया कि युवक के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। कार को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्यवाही की जा रही है।

दिल्ली पुलिस की एंटी थेफ्ट सेल ने चोर को दबोचा, मोबाइल बरामद

नई दिल्ली,। दक्षिण पश्चिम जिला पुलिस की एंटी थेफ्ट सेल ने एक चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके पास से चोरी के दो मोबाइल फोन बरामद किए हैं। आरोपी की पहचान इंदिरा कैंप एंड्रयूजगंज निवासी प्रेम कुमार के रूप में हुई है, जिसे पुलिस ने डीडीए मार्केट, सफदरजंग एन्क्लेव से गिरफ्तार किया है। पुलिस उपायुक्त सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि जिले में मोबाइल चोरी व सेंधमारी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए एक टीम गठित की गई थी। टीम ने हाल ही में हुई चोरी की घटनाओं वाले स्थानों के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। इस दौरान डीडीए मार्केट, सफदरजंग एन्क्लेव में एक चोर के बारे में सूचना मिली। सूचना के आधार पर पुलिस ने मार्केट से एक युवक को पकड़ा, जिसकी पहचान प्रेम कुमार के रूप में हुई। पुलिस ने आरोपी के पास से चोरी के दो मोबाइल फोन बरामद किए,

संक्षिप्त खबरें

71 वर्षीय रिटायर्ड रेलकर्मी की गला दबाकर हत्या, हत्यारे को पुलिस ने किया गिरफ्तार

बरियारपुर (मुंगेर) । जिला अंतर्गत बरियारपुर थाना क्षेत्र के बरियारपुर बस्ती गांव में 71 वर्षीय सेवानिवृत रेलकर्मी रसिकलाल मंडल की बीती रात गला दबाकर एक अपराधी ने हत्या कर दिया घटना की सूचना पर बरियारपुर पुलिस पहुंचकर मृतक के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मुंगेर भेज दिया एवं मामले की छानबीन में जुटे गए हैं। मृतक के पुत्र सोनू कुमार ने बताया कि बरियारपुर बस्ती निवासी विजय कुमार सहनी बिना कारण का मेरे पिता से हाथा पाई करते हुए गला दबाकर मेरे घर के आगे हत्या कर दिया विजय कुमार का घर मेरे घर के पीछे कुछ ही दूरी पर है वह बेवजह बिना किसी कारण के मेरे पिता की हत्या किया है मृतक अपने पीछे पत्नी प्रमिला देवी एवं चार पुत्री तथा एक पुत्र को छोड़ गए सभी शादीशुदा हैं हत्या की खबर सुनकर उनके परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है उनके आंखों से आंसू रुकने का नाम नहीं ले रहा था। वहीं थानाध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि बरियारपुर बस्ती निवासी 71 वर्षीय रसिकलाल मंडल के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मुंगेर भेज दिया गया है एवं एक युवक को गिरफ्तार कर पूछताछ की जा रहा है।

जग्गा जबरन उठाकर ले गया था घर, 3 दिन तक की थी पिटाई, आक्रोश में जान लेने के लिए जग्गा को मारी थी गोली

जग्गा यादव को गोली मारने के दो अपराधी गिरफ्तार, अन्य आरोपी फरार

प्रात : किरण संवाददाता

सहरसा बीते 26 मई की देर रात सदर थाना क्षेत्र के न्यू कॉलोनी, चिल्ड्रन पार्क के निकट जिले के कनरिया ओपी क्षेत्र के सुखासन गांव निवासी जग्गा यादव पर हुई गोलीबारी की घटना के दो मुख्य आरोपी को गिरफ्त में ले लिए गए हैं। उन्हें स्थानीय पशुपालन कॉलोनी से गिरफ्तार किया गया हालांकि घटना में शामिल अन्य अपराधी फरार बताए जा रहे हैं। जिसकी भी गिरफ्तारी के लिए छापामारी की जा रही है। शुक्रवार की देर शाम सदर थाना की टीम बड़े नाटकीय तरीके से दोनो अपराधी को गिरफ्तार करने में सफल रही थी। इस दौरान पुलिस और अपराधियों के बीच खदेड़ा खदेड़ी भी हुए थे। अपराधी को पकड़ने के दौरान दो पुलिसकर्मी को चोट भी लगने की बातें की कही जा रही थी। हालांकि पुलिस इससे इंकार कर रही थी। ज्ञात हो कि बीते 26 मई को जगा यादव की दाहिने पंजरे में गोली मार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया गया था। घटना की गंभीरता को देखते हुए एसपी हिमांशु के निर्देश पर सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी आलोक कुमार के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया था। गठित टीम तकनीकी अनुसंधान और मानवीय सूचना के आधार पर घटना के अप्राथमिकी के दो अभियुक्त को पहले चिन्हित किया था। जिसमें विवेक कुमार और सुमितेश कुमार उर्फ गोलू की पहचान हुई थी। जिसके बाद दोनों अपराधियों की गतिविधि पर लगातार नजर रखी जा रही थी। देर रात उनके घर पर होने की सूचना प्राप्त हुई थी। जिसके बाद पशुपालन कॉलोनी स्थित उनके घर को घेरा गया। इस दौरान पुलिस गतिविधि को देखकर अपराधी भगाने का प्रयास किया था। जिसे पुलिस ने खदेड़ कर पकड़ लिया गया था। गिरफ्तार अपराधी विवेक कुमार ने पुलिस के पूछताछ में बताया कि कुछ दिन पूर्व आशीष कुमार उर्फ जग्गा यादव उन्हें जबरन उठाकर अपने घर ले गए थे। फिर उन्हें तीन दिनों तक घर में बंद कर मारपीट की गई थी। किसी तरह बाद में उन्हें छोड़ा गया था। जिससे वे आक्रोशित थे। जग्गा से बदला लेने की फिराक में थे। ऐसे में 26 मई को जग्गा के सहरसा आने की सूचना प्राप्त हुई थी। फिर उनकी रेकी कर उनके ऊपर गोली चलाई गई थी। जिसमें उनके साथ गोलू सहित अन्य मित्र शामिल थे। पुलिस गिरफ्त में आए अपराधी सदर थाना क्षेत्र के सिसई गांव निवासी खड़कन यादव के पुत्र विवेक कुमार का अपराधिक इतिहास है। उनके ऊपर पूर्व से ही सदर थाना कांड संख्या - 915/24 दर्ज है। जिसमें धारा - 309(6) दर्ज है। वही गिरफ्तार दूसरा अपराधी सदर थाना क्षेत्र के पशुपालन कॉलोनी, वार्ड नंबर - 12 निवासी दिनेश यादव के पुत्र सुमितेश कुमार उर्फ गोलू थे। गोलू के ऊपर भी पूर्व से ही सदर थाना कांड संख्या - 304/24 आर्म्स एक्ट को लेकर दर्ज और सदर थाना कांड संख्या - 1404/24 धारा 317 सहित अन्य गंभीर धाराएं लगी हुई थी। सदर एसडीपीओ आलोक कुमार ने बताया कि जिले के कनरिया थाना क्षेत्र के सुखासन गांव निवासी सिकंदर यादव के पुत्र आशीष कुमार उर्फ जग्गा यादव को 26 मई को गोली मारकर घायल कर दिया गया था। एसपी के निर्देश पर उनके नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया था। गठित टीम द्वारा मानवीय और तकनीकी के आधार पर सदर थाना क्षेत्र के दो अपराधी विवेक कुमार और सुमितेश कुमार उर्फ गोलू को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। दोनों ही गिरफ्तार अपराधियों के ऊपर पूर्व से ही आपराधिक मामले दर्ज हैं। इन्होंने आगे बताया कि गिरफ्तार दोनों अपराधी ने घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकारी है। पुराने अपराधिक विवाद में घटना को अंजाम देने की भी बातें स्वीकारी थी। घटना में शामिल अन्य फरार अपराधियों की भी गिरफ्तारी के लिए छापामारी की जा रही है। गिरफ्तार दोनों अपराधी की छापामारी टीम में सदर थाना अध्यक्ष सुबोध कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक खुशबू कुमारी, पुलिस अवर निरीक्षक बजरंगी कुमार, जिला आसूचना इकाई के पुलिस पदाधिकारी, पुलिसकर्मी और सदर थाना सहरसा बल शामिल थे।

19 वें पुण्यतिथि पर याद किए गए डॉ.मकेश्वर प्रसाद सिन्हा

प्रात : किरण संवाददाता

लखीसराय।शहर के नया बाजार पचना रोड निवासी सह सदर अस्पताल में चिकित्सा पदाधिकारी के रूप में तैनात चिकित्सक डॉ रौशन चिरंजीव के परदादा डॉ मकेश्वर प्रसाद सिन्हा के 19 वें पुण्यतिथि पर रविवार उनके निजी आवास पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। जिसमें शहर के बुद्धिजीवी सहित आम लोग पहुंच उनके तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर समाज में उनके योगदान को स्मरण किया। गौतम गिरयगे ने बताया कि यह दिन लायंस क्लब परिवार के लिए ही नहीं, बल्कि समस्त लखीसराय क्षेत्र के लिए भी एक भावपूर्ण स्मरण का दिन है। आज ही के दिन हमने एक कुशल चिकित्सक, सच्चे मानवसेवक और अपने अभिभावक को खोया था। उनका जीवन चिकित्सा के माध्यम से सेवा को समर्पित था। वर्ष 1950 से 2006 तक उन्होंने लखीसराय तथा आसपास के क्षेत्र में बिना किसी भेदभाव हर मौसम हर परिस्थिति में लोगों का उपचार किया। चाहे वह चानन का दुर्गम गांव हो, टाल की दलदली भूमि या दियारा की बस्ती। वे हर गांव में स्वयं जाकर रोगियों की सेवा करते थे। उनका जुनून था सेवा। जब हैजा जैसी महामारी गांव में देवी का प्रकोप मानी जाती थी और सलाइन की व्यवस्था दुर्लभ थी, तब डॉ. सिन्हा ने नवाचार कर सोडियम क्लोराइड की गोली को उबालकर नसों में चढ़ाने की विधि अपनाई। उनकी इस वैज्ञानिक सूझबूझ और कर्मनिष्ठा ने न जाने कितनी जानें बचाई बल्कि सीमित संसाधन में उत्कृष्ट इलाज देना उनकी पहचान थी। देहात के गंभीर मरीज तक खटोली पालकी से पहुचना हो या दियारा के लिए किउल नदी तैर कर पार करना। उनके समर्पण में कभी कोई कमी नहीं आई। सबसे प्रेरणादायक बात यह रही कि जिस दिन उन्होंने इस नश्वर शरीर को त्यागा, उसी दिन भी वे अपने आवास पर रोगियों को देख रहे थे। यह न केवल एक डॉक्टर की पेशेवर ईमानदारी थी, बल्कि एक सच्चे कर्मयोगी का प्रमाण भी था। डॉ. सिन्हा को जो स्नेह, सम्मान और अपनापन इस क्षेत्र की जनता से मिला, वह किसी भी चिकित्सक और उनके परिवार के लिए गौरव की बात है। उनके पुत्र डॉ. प्रवीण कुमार सिन्हा गर्व से स्मरण करते हैं कि वे ऐसे महापुरुष के पुत्र हैं, जिन्होंने सेवा को ही धर्म माना।

किउल रेलवे सुरक्षा बल ने ऑपरेशन सतर्क के तहत भारी मात्रा में किया विदेशी शराब बरामद

प्रात : किरण संवाददाता

लखीसराय !रेलवे सुरक्षा बल के उप निरीक्षक ललन कुमार सिंह, सहायक उप निरीक्षक अजय कुमार सिंह,आरक्षी शिव शंकर कुमार ट्रेन पासिंग के दौरान गाड़ी संख्या 22197 अप, एक्सप्रेस के समय 15/25 बजे किऊल स्टेशन आगमन पर एसी कोच की चेकिंग के दौरान कोच संख्या बी 1 व बी 3 कोच के बैटरी बॉक्स के ऊपर से एक सफेद बोरी व एक कार्टून में कुल 80 अदद हेवर्ड 5000 प्रीमियम स्ट्रांग केन बीयर ,बैच नंबर 08, दिनांक 12/05/25 प्रत्येक की धारिता 500', प्रत्येक का मूल्य 110 रुपए बरामद किया गया। कुल 80 अदद केन बीयर का वजन 40 लीटर जिसका मूल्य 8800 रुपए। मौजूद यात्रियों को गवाह बनने को कहा गया परंतु मौजूद यात्रियो ने कानूनी लफड़ा मे नहीं पड़ने का हवाला देते हुए गवाह बनने से इंकार कर दिया !तत्पश्चात मौके पर उपस्थित स्टाफ को ही गवाह बनाते हुए हुए वीडियोग्राफी करते हुए बरामद कुल 80 बोतल केन बीयर को जब्ती सूची बनाकर जप्त किया गया जिसकी कुल धारिता 40 लीटर तथा कुल का मूल्य -8800रुपए का है, सभी पर लिखा हुआ है । बाद उपनिरीक्षक ललन कुमार सिंह द्वारा एक लिखित शिकायत के साथ सभी जप्त बीयर को उत्पाद विभाग लखीसराय को अग्रिम कार्यवाही हेतू सुपुर्द किया गया!

धर्मशाला में बिजली नहीं रहने से शिव भक्त हो रहे है परेशान

प्रात : किरण संवाददाता

संग्रामपुर (मुंगेर) ।जिले के संग्रामपुर प्रखंड के मनिया धर्मशाला में बिजली नहीं रहने के कारण शिवभक्त हो रहे हैं परेशान , विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेला आने में लगभग एक 1 महीने से अधिक समय बाकी है परंतु शिव भक्त हर रोज चलते हैं कभी सैकड़ो के झुंड में तो कभी दर्जनों के झुंड में सरकारी धर्मशाला में ही कमरिया रुकते हैं कोई दुकान कमरिया पथ में है नहीं परंतु बिजली विभाग एसडीओ सर से जब बात हुई तो कहते हैं भवन विभाग के तरफ से बिजली कट गई है बिजली विभाग की कोई लापरवाही नहीं है , इस भीषण गर्मी में मुंगेर जिले के सरकारी धर्मशाला का बिजली ही काट लिया गया है, क्या आपके घर में पंखा नहीं चले तो आप रह पाएगे क्या महादेव का भक्ति इस भीषण गर्मी में बोल बम बोल बम का नारा लगाते हुए पैदल चल रहे हैं उसे धर्मशाला में बिजली नहीं आखिर क्यों महादेव के भक्तों से ही ऐसा क्यों शिकवा शिकायत होते रहता हैं इस सम्बन्ध में बिजली बिभाग के रऊड तारापुर से बात किया गया तो बताया गया की भवन निर्माण बिभाग से पत्र आया था बिजली काटने के लिए उन्ही के और से कटबाया गया हैं

घोटालों के साम्राज्य के रूप में स्थापित हो चुका है मुंगेर नगर निगम : संजय केशरी

टेंडर एवं एस्टीमेट घोटाला के खिलाफ जनाधिकार मोर्चा ने कसी कमर

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। निगरानी विभाग द्वारा मुंगेर नगर निगम के टेंडर घोटाला की चल रही जांच के बावजूद घोटालेबाजों के हौसले इतने बुलंद है कि टेंडर आमंत्रण सूचना संख्या 01/2025-26, 02/2025-26 तथा 03/2025-26 में भी जमकर टेंडर घोटाला एवं एस्टीमेट राशि घोटाला एवं लेस टेंडर वापसी घोटाला किया जा रहा है। उपर्युक्त बातें जनाधिकार मोर्चा के संस्थापक अध्यक्ष संजय केशरी ने दो नंबर गुमटी स्थित अपने आवासीय कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा। श्री केशरी ने कहा कि मुंगेर महापौर कुमकुम देवी अपने चहेते ठेकेदारों को टेंडर मैनेज करने के लिए लेस टेंडर भरवाने एवं अवांछित ठेकेदारों से टेंडर वापसी करवाने का खेल कर रही है जिसकी उच्चस्तरीय जांच शुरू होते ही सबूत मिलने लगेगा। उन्होंने कहा कि अवांछित ठेकेदारों को हार्ड कॉपी के बहाने टरकाया जा रहा है जबकि बिहार सरकार के सूचना प्रावैधिकी विभाग ने स्पष्ट कर दिया है कि किसी भी निविदा के कागजात केवल ऑनलाइन ही स्वीकार किए जायेंगे तथा हार्ड कॉपी जमा करना आवश्यक नहीं है। श्री केशरी ने कहा कि प्राक्कलित राशि से 34% कम पर टेंडर भरना, 23% ऑफिस खर्चा और 10% ठेकेदारों का लाभ के बाद बचे 33% में से जीएसटी काटने के बाद भी ठेकेदार काम करने के लिए मारामारी करते हैं तो कार्य की गुणवत्ता नहीं होती है या अनाप-शनाप टेंडर राशि का निर्धारण हो रहा है। श्री केशरी ने कहा कि इस बार निगरानी जांच के साथ-साथ उच्चस्तरीय विभागीय जांच के लिए भी पहल की जाएगी। संवाददाता सम्मेलन में संयुक्ता सिंह चौहान, जूली शर्मा, अजय प्रसाद सिंह, रामबिनय मालाकार, निरंजन गुप्ता, केशव केशरी एवं सदानंद भारती आदि उपस्थित थे।

बकाया मजदूरी भुगतान की मांग को लेकर सिंचाई कार्यालय के मुख्य अभियंता का घेराव कर किया उग्र प्रदर्शन

प्रात किरण संवाददाता

सहरसा रविवार को बिहार राज्य सिंचाई- मौसमी दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी महासंघ (गोपगुट) के बैनर तले बकाया मजदूरी की भुगतान करने, सिंचाई सृजन घोटाले की जाँच सीबीआई से कराने एवं मुख्य अभियंता के वादा खिलाफी के खिलाफ सैकड़ो दैनिक मौसमी मजदूरों ने जल संसाधन विभाग के सिंचाई सृजन कार्यालय का घेराव कर उग्र प्रदर्शन किया और सम्बंधित पदाधिकारी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। घेराव प्रदर्शन का नेतृत्व महासंघ (गोपगुट) के राज्य सलाहकार माधव प्रसाद सिंह, अरविंद कुमार सिंह, बिजेंद्र यादव, ललन झा आदि नेताओं ने किया। घेराव प्रदर्शन को भाकपा माले के युवा नेता कुंदन यादव व खेग्रामस के राष्ट्रीय पार्षद विक्की राम ने भी सम्बोधित किया। मौके पर सम्बोधित करते हुए राज्य सलाहकार माधव प्रसाद सिंह ने कहा कि नहरों पर काम करने वाले दैनिक मौसमी मजदूरों, सफाईकर्मी सहित अन्य श्रमिकों का पिछले एक वर्ष से अधिक का बकाया मजदूरी का भुगतान नहीं कर मजदूरों के साथ शोषण कर रही है जबकि विभाग में मजदूरों के नाम पर मजदूरी की लूट, भ्रष्टाचार व घोटाले का उद्योग चल रहा है वही भाकपा माले नेता कुंदन यादव व खेग्रामस राष्ट्रीय पार्षद विक्की राम ने कहा कि किसानों के खेतों तक पानी पहुंचाने, नहरों के नवीनीकरण के नाम पर सिंचाई सृजन कार्यालय में करोड़ों का घोटाला हो रहा है। सरकार से मांग करते है कि इसकी जाँच सीबीआई से कराई जाय। प्रदर्शन में अरविंद पांडेय, महेश राजभर, शशि कुमार, विजय कुमार यादव, रंधीर कुमार ठाकुर, बिजेंद्र यादव, जीवन यादव, मो. अब्दुल मजीद, राहुल कुमार सहित सैकड़ों सिंचाई मौसमी मजदूरों, सफाईकर्मी आदि मौजूद थे।

गरीब रथ एक्सप्रेस ट्रेन के विलम्बित परिचालन व गंदगी के बीच हल्कान हुए रेल यात्री

प्रात किरण संवाददाता

सहरसा वर्तमान केन्द्र सरकार के द्वारा रेल मंत्रालय के माध्यम से अनेक क्रांतिकारी विकासात्मक कार्यो के कारण नित्य नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है। रेल मंत्रालय ने सबसे उंची चिनाब ब्रिज, पंबन ब्रिज, अमृत भारत स्टेशन, वंदे भारत जैसे सुपर फास्ट ट्रेन चलाई जा रही है।ट्रेनों में नए एलएलबी कोच लगाकर ट्रेनों की स्पीड बढाई जा रही है ।लेकिन गरीब रथ सहित अन्य ट्रेनों के बिलम्बित परिचालन एवं रेलयात्रियों की प्रदत सुविधाओं के प्रति उदासीन बना हुआ है। जिसके कारण आम यात्रियो को काफी परेशानी हो रही है। गरीब रथ एक्सप्रेस ट्रेन में ट्रेन सफर के दौरान साफ-सफाई व बेडरोल से संबंधित समस्याओं के निराकरण हेतु प्राइवेट एजेंसी कार्यरत है।ट्रेन के एसी कोच मे बेतरतीब गंदगी बेसिन जाम शौचालय में पानी रहने के कारण रेलयात्रा में बहुत परेशानियों का सामना करना पड़ता है। वही कोच में साफ-सफाई एजेंसी के मोबाइल पर शिकायत दर्ज किये जाने पर नियमानुकूल कारवाई किया गया। वही अगले स्टेशन पर दो सफाई कर्मी आयें लेकिन उन्होंने इसके लिए असमर्थता व्यक्त करते हुए कहा हम कुछ नही कर सकते है।इसी दौरान एक भिखारी झाड़ू से साफ-सफाई कर रेलयात्रियों से पैसा मांगना शुरू किया। जबकि रेलयात्रियों के मना करने पर वह यात्रियों को अंजाम भुगतने की धमकी भी दी। सबसे आश्चर्यजनक बात यह है कि आम रेलयात्रियों के लिए तो बहुत सारे नियम कानून का पालन करने को विवश किया जा रहा है ।जबकि ट्रेन के एसी कोच मे रेल क्षेत्र में प्रतिबंधित सभी समान बेरोकटोक बिक्री की जाती है। साथ ही गुटखा, पान मसाला, चाय, भूजा, नमकीन, अन ब्रांडेड पानी की बोतल, समोसा, वेज, नानवेज खाना, चना, फेरीवाले, किन्नर, भिखारी, दिव्यांग, लाचार मजबूर किस्म सहित तरह तरह के अन्य सामान बेचने वालो की भरमार रहती है जिसके कारण आदमी आराम से सकून पूर्वक यात्रा नही कर पाते है। वही आम आदमी भी जेनरल टिकट लेकर बेरोकटोक एसी कोच में सफर कर रहे है। जिसके कारण आरक्षित टिकट लेकर यात्रा करनेवाले यात्रियों को काफी परेशानी महसूस हो रही है।

भाजपा नेता राजेश जैन के अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य बने पर कार्यकताओं ने दी बधाई

तारापुर आगामी बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनजर भारतीय जनता पार्टी के मुंगेर के पूर्व जिला अध्यक्ष राजेश कुमार जैन को बिहार राज्य अल्पसंख्यक आयोग का सदस्य नामित करने पर भाजपा के कई लोगों ने ढेर सारा बधाई दिया है । बता दें कि इनके नियुक्ति पर पार्टी कार्यकताओं और समर्थकों में काफी हर्ष की लहर है। पूर्व जिला अध्यक्ष को बिहार राज्य अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य मनोनीत किए जाने से खासकर मुंगेर भाजपा जिला कमेटी को काफी मजबूती प्रदान होगी। आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में भी पार्टी को भी इसका सीधा लाभ मिलेगा । इधर तारापुर के रहने वाले काफी लोकप्रिय युवा भाजपा नेता सह राष्ट्रीय मीडिया पैनलिस्ट सह प्रदेश प्रवक्ता जयराम विप्लव ने श्री जैन को आयोग का सदस्य बनाए जाने पर हार्दिक बधाई दी ।

आरएम कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा तम्बाकू व निकोटीन के हानि विषय पर कार्यक्रम आयोजित

प्रात किरण संवाददाता

सहरसा राजेन्द्र मिश्र महाविद्यालय में विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सुरक्षा योजना के अधीन प्रधानाचार्य डॉ. ललित नारायण मिश्र की अध्यक्षता और डॉ. इंद्रकांत झा के संयोजन में कार्यक्रम आयोजित कर तम्बाकू के दुष्प्रभाव से होने वाले बीमारियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी और छात्र-छात्राओं को इसे त्यागने की शपथ दिलाई गयी। प्रधानाचार्य डॉ. मिश्र कहा कि तंबाकू के सेवन के कई गंभीर नुकसान हैं। तंबाकू चबाने या खाने से मुंह, जीभ, मसूड़े, पेट, ग्रासनली और मूत्राशय का कैंसर हो सकता है। यह दिल का दौरा, स्ट्रोक और सीओपीडी जैसे रोगों का खतरा भी बढ़ाता है। बीएन मंडल विश्वविद्यालय के कुलपति द्वारा विश्वविद्यालय कलंडर में आज के दिन को एक महत्वपूर्ण दिवस के रूप में मनाने और छात्र-छात्राओं में तंबाकू के निषेध हेतु जागरूकता फैलाने का कार्य वर्तमान युग की मांग है। रसायन विज्ञान के वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. राजीव कुमार झा ने कहा कि तंबाकू खाने से पाचन संबंधी समस्याएं और आंखों की रोशनी जाने की समस्या बनी रहती है। गर्भावस्था माताओं में तो इसके सेवन से स्वास्थ्य संबंधी कई जटिलताएं बढ़ जाती हैं। भौतिक विज्ञान के प्रोफेसर डॉ अरूण कुमार झा कहा कि बच्चों को तंबाकू उद्योग के हस्तक्षेप से बचाना बहुत ही जरूरी है। आज गांवों में बच्चों द्वारा तम्बाकू को धुमपान के रूप में सेवन की आदत काफी गंभीर चिंता का विषय बनता जा रहा है। एनएसएस के नोडल पदाधिकारी डॉ. इन्द्रकांत झा ने कहा कि इस वर्ष, 2025 में विश्व तंबाकू निषेध दिवस का थीम अपील को उजागर करना, तंबाकू और निकोटीन उत्पादों पर उद्योग की रणनीति को उजागर करना के महत्व के विश्लेषण में कहा कि तंबाकू और निकोटीन उद्योगों द्वारा अपने असुरक्षित उत्पादों को आकर्षक बनाने के लिए कई नियोजित और भ्रामक तकनीकों के सहारे लिए जाते हैं जिसे उजागर करने और चुनौती देने की जरूरत महसूस की जाती है। खाशकर हमारे युवाओं एवं कॉलेज के छात्र छात्राओं में तम्बाकू निषेध के प्रति जागरूकता लाने की आवश्यकता है। समाजशास्त्र के प्राध्यापक डॉ. अक्षय कुमार चौधरी ने कहा कि आज का दिन तंबाकू के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता बढ़ाने और तंबाकू की खपत को कम करने के लिए एक महत्वपूर्ण दिन है। यह दिन व्यक्तियों, समुदायों और सरकारों को तंबाकू मुक्त दुनिया बनाने हेतु समुचित कदम उठाने के लिए प्रोत्साहित करता है। इस अवसर पर डॉ. विष्णु देव चौधरी, डॉ. पी. सी. पाठक, डॉ. अरूण कुमार, सुशील कुमार झा, डॉ. सुदीप कुमार झा, डॉ बिलो राम, डॉ. पंकज यादव, डॉ. डेजी कुमारी, डॉ. रूपक कुमारी, डॉ. शोभा कांत झा, डॉ. निखिल झा, हिफाजत, सुशील कुमार झा, दयानंद झा, सुमित कुमार मिश्रा, सोहराब, हैदर इत्यादि भी उपस्थित रहे।

महिला जन संवाद के कार्यक्रम में दीदीयों ने पशु अस्पताल और सामुदायिक शौचालय की मांग की

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर ।पिछले 44 दिनों से मुंगेर जिले में महिला संवाद कार्यक्रम में महिलाएं बढ़ चढ़ कर हिस्सा ले रही है और ग्रामीण क्षेत्र में विकास को लेकर नई तस्वीर खींच रही है। संग्रामपुर प्रखंड के भीखाडीह गांव में कलश जीविका महिला ग्राम संगठन के क्षेत्र में महिला संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 185 दीदियों ने भाग लिया। संचालन सामुदायिक समन्वय अमित राज के द्वारा किया गया। सरकार की योजनाओं से लाभान्वित कुछ दीदियों ने अपना अनुभव साझा किया और माननीय मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। ललीता दीदी के द्वारा ग्राम संगठन भवन की मांग की गयी। पुष्पा दीदी और लक्ष्मी दीदी एवं उपस्थित सभी दीदियों द्वारा वार्ड स०14 में नाले की व्यवस्था, आरती दीदी और उपस्थित सभी दीदी द्वारा छठ घाट, विवाह भवन पुस्तकालय एवं दीदियों के लिए लघु एवं का कुटीर उद्योग की मांग की गई। बरियारपुर प्रखंड के झौआ बहियार पंचायत के जागरण जीविका महिला ग्राम संगठन के द्वारा महिला संवाद कार्यक्रम किया गया। आकांक्षा एवं मुद्दा के सत्र में खुशबू देवी द्वारा सभी जीविका दीदी को सौर ऊर्जा हेतु छत पर सोलर प्लेट लगाने की मांग की गई। झौआ बहियार पंचायत में ग्रामीण महिलाओं के लिए स्वरोजगार करने हेतु कुटीर उद्योग लगाने की मांग की गई।प्रतीक्षा समूह की सदस्य मनीषा एक बैंक या ग्राहक सेवा केंद्र और एटीएम स्थापित करने की मांग की। नूतन देवी ने पंचायत में एक पुस्तकालय खोलने की मांग की। उषा देवी द्वारा बताया गया कि जैविक खेती करने के लिए सरकार द्वारा सभी जीविका दीदी को प्रशिक्षण दिया जाए। यहां के लोगों को खेती एवं पशुपालन योग्य रोजगार दिया जाए। गीता दीदी के द्वार पशु अस्पताल और सामुदायिक शौचालय की मांग गई। धरहरा प्रखंड के इटवा पंचायत में रक्षा जीविका महिला ग्राम संगठन के क्षेत्र में महिला संवाद कार्यक्रम किया गया।

मकदमपुर पंचायत में राधिका जीविका महिला ग्राम संगठन में आयोजित किया गया महिला संवाद कार्यक्रम

पुरैनी (मधेपुरा) प्रखंड जीविका के तत्वाधान में मकदमपुर पंचायत में महिला संवाद कार्यक्रम का आयोजन राधिका जीविका महिला ग्राम संगठन में आयोजित किया गया। जिसमें मकदमपुर पंचायत के जीविका दिदिया समेत अन्य स्थानीय महिलाओं ने बढ़चढ कर भाग लिया। महिला संवाद कार्यक्रम में पहुंचे संवाद वाहन में लगे एलईडी डिस्प्ले पर सरकार द्वारा चलाए जा रही योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई। तत्पश्चात इस दौरान मुख्यमंत्री का संदेश पत्र और विभिन्न योजनाओं की जानकारी देने वाले लीफलेट भी वितरित किए गए। मौके पर मौजूद कई महिलाओं ने अपने पंचायत की विकास के लिए कुल 27 अपेक्षा रखी। मौजूद महिलाओं ने ग्रामीण मुद्दे में शामिल पंचायत के प्रत्येक वार्डों में सोलर लाइट की व्यवस्था, विवाह भवन, जीविका हाट, बालिका पोशाक योजना, मेधावृत्ति योजना, नाला निर्माण, सड़क निर्माण सहित अन्य समस्याओं से अवगत कराया। तत्पश्चात मौके पर मौजूद जीविका के प्रखंड परियोजना प्रबंधक संजीत कुमार ने संवाद के जरिए सभी महिलाओं से कहा कि राज्य सरकार के द्वारा चलाए जा रहे 37 से ज्यादा योजनाओं का संचालन बखूबी तरीके से किया जा रहा। साथ ही उन्होंने महिलाओं से कहा कि आपके अपेक्षाओं का निराकरण अतिशीघ्र किया जाए ताकि हमारे ग्राम पंचायत का विकास हो सके।

भारत दुग्ध उत्पादन में संसार का सिरमौर्य : प्रो. गौरी शंकर

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई : विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर श्वेत क्रांति और वर्गीज कुरियन विषय पर नगर परिषद स्थित आनंद विहार कॉलोनी सिरचंद नवादा में एक परिचर्चा आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता केकेएम कॉलेज स्नातकोत्तर अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. गौरी शंकर पासवान ने की। अपने अध्यक्षीय प्रबोधन में विभागाध्यक्ष डॉ. गौरी शंकर पासवान ने कहा कि भारत ने सन 1998 में अमेरिका को पीछे छोड़ते हुए दुनिया में दुग्ध उत्पादन में प्रथम स्थान प्राप्त किया था। तब से लगातार दूध उत्पादन के मामले में विश्व का सिरमौर्य बना हुआ है। वर्ष 2023-24 में भारत में दुग्ध उत्पादन करीब 249 मिलियन टन हुआ था। आज भारत विश्व का सबसे बड़ा उत्पादक देश के रूप में जाना जाता है। आज जो गांव गांव में समृद्धि आई है, उसकी चाबी दूध ही है। दूध क्रांति ने अंधेरे गांवों को को उजाला कर दिया है। दूध की शक्ति आत्मनिर्भरता की कुंजी है। डॉ. वर्गीज कुरियन के प्रयासों से ही विश्व में श्वेत क्रांति आई है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक वर्ष 1 जून को विश्व दुग्ध दिवस मनाया जाता है. इसकी शुरूआत 2001 में की गई थी आज दुग्ध दिवस की 25वीं वर्षगांठ है। डॉ कुरियन श्वेत क्रांति के जनक, प्रणेता तथा ऑपरेशन फ्लड के सूत्रधार थे। प्रो.पासवान ने कहा कि ह्लश्वेत क्रांति का महायज्ञ तभी संभव और सफल हुआ था, जब दूरदर्शी और युगद्दष्टा डॉ वर्गीज कुरियन ने भारत की दुग्ध क्रांति की बागडोर अपने हाथ में ली थी।ह्व भारत दूध क्रांति में संसार का सिरमौर्य है। श्वेत क्रांति भारत की अर्थव्यवस्था की वह सुबह थी, जिसे ग्रामीण भारत को दुग्ध धारा से सींचकर आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर किया। श्वेत क्रांति पौष्टिक आहार, किसानो की आशा, अर्थव्यवस्था की चाल और पोषण की ढाल बन चुका है। श्वेत क्रांति ने यह सिद्ध कर दिया है कि विकास की असली धारा खेत खलिहान से होकर ही बहती है, जिसका रंग श्वेत है। आज हमारे देश में वास्तव में दूध की नदियां बह रही है। मतलब अप्रत्याशी रूप से दूध का उत्पादन हो रहा है,जो विश्व में सबसे अधिक है।

धर्म के पथों पर चले बिना जीवन से मुक्ति नहीं : सांसद

दरभंगा ।कलियुग में नाम संकीर्तन का बहुत ही महत्व है ।सनातन धर्म में सुंदरकांड के पाठ एवं श्रवण से जीवन के सभी दुखों का नाश होता है। इसलिए जीवन के व्यस्ततम पलों में थोड़ा भी समय निकालकर कर नाम संकीर्तन का श्रवण करना चाहिए। दरभंगा सांसद सह लोकसभा में भाजपा सचेतक डा गोपाल जी ठाकुर ने संसदीय क्षेत्र के ग्रामीण विधानसभा के सकरी बाजार स्थित समाजसेवी तथा भाजपा नेता नरेंद्र झा के आवासीय परिसर में आयोजित नाम संकीर्तन तथा सुंदरकांड पाठ में भाग लेने के बाद उपरोक्त विचार व्यक्त किए। सांसद डा ठाकुर ने धार्मिक साधना तथा सांस्कृतिक सोच की महत्ता को रेखांकित करते हुए कहा कि शास्त्रों में कहा गया है कि जीवन के हर दुखो का नाश करने का यही श्रेष्ठ माध्यम है। सांसद डा ठाकुर ने रामचरित मानस ग्रंथ में सुंदरकांड में उल्लिखित विषयों की चर्चा करते हुए कहा कि जिस तरह से हनुमान ने सीत की खोज के माध्यम से रावण की लंका को नाश किया उसी तरह से हर अधर्मो की समाप्ति के लिए इस तरह के आयोजनों का होना आवश्यक है। मौके पर पूर्व मंडल अध्यक्ष रजनीश झा मंडल अध्यक्ष भोगेंद्र मंडल वरिष्ठ नेता उदयशंकर चौधरी विकास विवेक चौधरी आशुतोष झा मनीष झा आदि मौजूद थे।

सम्पादकीय

आपरेशन सिंदूर के बाद आपरेशन बंगाल की चुनौती

देश की राजनीति निम्नता की चरम सीमा पर पहुंचती जा रही है। समाज सेवा के सर्वोच्च मापदण्डों पर स्थापित सत्ता के गलियारों में अब सिंहासन तक पहुंचने के लिए व्यक्तिगत, जातिगत, क्षेत्रगत, भाषागत, सम्प्रदायगत जैसे मुद्दों को प्रचारित किया जा रहा है ताकि वर्ग-विभाजन करके वोट बैंक में इजाफा किया जा सके। राष्ट्रीय सुरक्षा की कीमत पर भी लोकप्रियता की ऊंचाइयां पाने की मंशा में पागल हो चुके चन्द राजनेताओं ने अपनी भाषा, हावभाव और आचरण से देश की अस्मिता को तार-तार करना शुरू कर दिया है। ह्यआपरेशन सिंदूरह्न तक पर विपक्षी दलों ने मनमाने आरोप लगाना शुरू कर दिये हैं। प्रमाणिकता की परिधि से कहीं दूर जाकर सोशल मीडिया पर उत्तेजनात्मक संवाद, दृश्य और दृष्टान्त डलवाये जा रहे हैं ताकि सामाजिक एकरसता को विभाजित करके चौधरी बना जा सके। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की निजी जिन्दगी तक को निशाने पर लिया और सेना के पराक्रम पर केन्द्रित ह्यआपरेशन सिंदूरह्न की तर्ज पर ह्यआपरेशन बंगालह्न करने की चुनौती तक दे डाली। चुनावी समर में रोहिंग्या, बंगलादेशी सहित अन्य विदेशी घुसपैठियों की दम पर जीत का दावा करते हुए तत्काल चुनाव कराने, मुक्त संवाद करने तथा सीधा मोर्चा खोलने की बात कहने वाली तृणमूल कांग्रेस की मुखिया ने अपनी तानाशाही का परचम एक बार फिर फहराने की कोशिश ही की है। अतीत गवाह है कि ममता बनर्जी पर हमेशा से ही राष्ट्रद्रोहियों, घुसपैठियों तथा असामाजिक तत्वों को आश्रय देने के आरोप लगते रहे है। अतिगम्भीर आरोपियों का पक्ष लेकर राज्य सरकार ने संदेशखाली में महिलाओं का यौन शोषण, जबरन वसूली, जमीन हडपने जैसे आपराधिक कृत्यों के आरोपियों को कथित रूप से बचाने हेतु उच्चतम न्यायालय तक के दरवाजे पर दस्तक तक दी थी। राज्य सरकार की ओर से प्रस्तुत की गई याचिका पर सवालिया निशान लगाते हुए जस्टिस बी. आर. गवई और जस्टिस के. वी. विश्वनाथन की बेंच ने पश्चिम बंगाल सरकार के वकील अभिषेक सिंहवी से पूछा था कि एफआईआर चार साल पहले दर्ज की गई थी। आरोपी कौन है? गिरफ्तारियां कब की गईं? किसी को बचाने में राज्य सरकार की दिलचस्पी क्यों होना चाहिए? उल्लेखनीय है कि संदेशखाली काण्ड में तृणमूल कांग्रेस नेता शाहजहां शेख, शिबू हाजरा, उत्तम सरदार, रंजू, संजू सहित अन्य लोगों के नाम उभर कर सामने आये थे। केन्द्रीय एजेन्सियों के कामों में दखल देने से लेकर राज्यपाल की गरिमा तक को प्रभावित करने वाली पार्टी की तानाशाही के सामने देश का संविधान जार-जार आंसू रोता रहा है। मुर्शिदाबाद में 70 प्रतिशत से अधिक पहुंच चुकी मुस्लिम आबादी ने अब वहां जेहादी परचम फहराना शुरू कर दिया है। कश्मीरी हिन्दुओं की तर्ज पर गैर मुस्लिम समुदाय को क्षेत्र छोडने की धमकी दी जा रही है। पश्चिम बंगाल उच्च न्यायालय द्वारा गठित जांच समिति ने मुशीर्दाबाद काण्ड के लिए ममता सरकार को पूरी तरह कटघरे में खड़ा कर दिया हैं। जांच आख्या में तृणमूल कांग्रेस के नेताओं व्दारा दंगा भडकाने तथा नेतृत्व करने, स्थानीय प्रशासन व्दारा निष्क्रियता बरतने, केवल हिन्दुओं को निशाना बनाने, पुलिस व्दारा जानबूझकर उपेक्षा करने जैसे अनेक खुलासे किये गये हैं। वहां के राज्यपाल सी. वी. आनन्द बोस ने गृह मंत्रालय को भेजी अपनी रिपोर्ट में तो कट्टरपंथ और उग्रवाद को प्रदेश के लिए बडा खतरा बताते हुए बंगलादेश की सीमा पर स्थित मुशीर्दाबाद, दिनाजपुर और मालदा जिलों में अल्पसंख्यक हो चुके हिन्दुओं की सुरक्षा पर भी प्रश्नचिन्ह अंकित किये हैं। मुशीर्दाबाद का पूरा घटनाक्रम पहले से निर्धारित षडयंत्र की व्यवहारिक परिणति थी। मालूम हो कि इसी क्षेत्र में 14 दिसम्बर 2019 में सीएए के विरोध में रेलवे स्टेशन, बसों, सार्वजनिक प्रतिष्ठानों, हिन्दुओं की दुकानों-मकानों-वाहनों तक में तोडफोड-लूटपाट की गई थी। लालगोला और कृष्णापुर स्टेशन पर 5 ट्रेनों में आग लगा दी गई थी। सूती में पटरियां तोड दी गईं थी। उस दौरान वहां मौजूद पुलिसकर्मियों पर मूकदर्शक बने रहने के आरोप लगाये गये थे। सन् 2024 में रामनवमी उत्सव के दौरान मुशीर्दाबाद के शक्तिपुर क्षेत्र मंथ हिंसा भडकी थी। जुलूस पर छतों से पत्थरों के प्रहार किये गये थे। बंगाल का नार्थ 24 परगना, कोलकता, हावडा, साउथ 24 परगना, मालदा, मुशीर्दाबाद जैसे अनेक जिले मुस्लिम बाहुल्य हो गये हैं। गैर मुसलमानों को निरंतर प्रताडित किया जा रहा हैं।

समुद्र में बारूदी सुरंगें नष्ट करने वाला जहाज बनायेगा भारत

जितेन्द्र कुमार सिन्हा

भारत की 7,516 किलोमीटर लंबी समुद्री सीमा, जहां रोजाना हजारों व्यवसायिक जहाजों की आवाजाही होती रहती है, अब देश एक नई सुरक्षा कवच की ओर बढ़ने जा रही है। इस संबंध में रक्षा मंत्रालय ने एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए समुद्र में बारूदी सुरंगें ढूंढ़ने और उसे नष्ट करने वाले 12 आधुनिक माइनस्वीपर जहाजों के निर्माण करने पर विचार कर रही है। सूत्रों का माने तो इस परियोजना पर लगभग 44,000 करोड़ रुपये खर्च होंगे और इसका निर्माण भारत में ही होंगे। माइनस्वीपर एक ऐसा जहाज हैं जो समुद्र में, दुश्मनों द्वारा बिछाई गई बारूदी सुरंगों (र्शील्लीर) का पता लगायेगा और उसे नष्ट कर देगा। यह जहाज युद्ध के समय भी बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाता हैं क्योंकि यह नौसेना के युद्धपोतों और व्यापारिक जहाजों को सुरक्षित रास्ता भी बतायेगा। माइनस्वीपर समुद्री मार्गों को साफ करता है, युद्ध के समय नौसेना के ऑपरेशन को सुरक्षित बनाता है, व्यापारिक बंदरगाहों की सुरक्षा करता है और बारूदी सुरंगों को नष्ट करता है।रक्षा मंत्रालय के अनुसार, भारत के पास एक भी माइनस्वीपर जहाज नहीं है। पुराने जहाजों को वर्षों पहले रिटायर कर दिया गया था। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में चीन और पाकिस्तान की समुद्री गतिविधियों में अप्रत्याशित वृद्धि को देखते हुए, देश के लिए यह आवश्यक हो गया है कि वह समुद्री सुरक्षा के इस महत्वपूर्ण पक्ष को मजबूत करे। इसका मुख्य कारण है हिंद महासागर क्षेत्र में चीन की बढ़ती दखलअंदाजी। प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा- जैसे ऑयल रिग्स और अंडरसी पाइपलाइंस। भारत के 13 बड़े और 200 से अधिक छोटे बंदरगाहों से व्यापारिक गतिविधियां होती हैं, समुद्र के रास्ते आतंकी घुसपैठ की आशंका हमेशा बनी रहती है।इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए रक्षा मंत्रालय ने 44,000 करोड़ रुपये का प्रस्ताव तैयार किया है। यह प्रस्ताव रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में रक्षा खरीद परिषद के सामने रखा जाएगा। माइनस्वीपर आधुनिक तकनीक से लैस जहाज होते हैं जो समुद्र में बारूदी सुरंगों की पहचान कर उन्हें निष्क्रिय या नष्ट कर देता हैं। जहाज से स्टील केबल समुद्र में छोड़ी जाती है। जब यह केबल बारूदी सुरंग से टकराती है, तो वह सतह पर आ जाती है और इसके बाद जहाज से उसे तोपों से नष्ट कर दिया जाता है। आधुनिक माइनस्वीपरों में एक इलेक्ट्रिकल सिस्टम होता है जो चुंबकीय बारूदी सुरंगों के प्रभाव को कम करता है ताकि जहाज खुद सुरंग से प्रभावित न हो। दूसरे विश्व युद्ध के दौरान, समुद्री मार्गों में हजारों बारूदी सुरंगें बिछाई गई थी। युद्ध के बाद इन सुरंगों को हटाने के लिए सैकड़ो माइनस्वीपर्स की सहायता ली गई थी। इन जहाजो की बदौलत आज दुनिया के अधिकांश समुद्री रास्ते सुरक्षित हैं। विश्व में माइनस्वीपर का इस्तेमाल करने वालो में अमेरिका का 11 माइनस्वीपर नौकाएं सक्रिय हैं, रूस का 50 से अधिक माइनस्वीपर, चीन समुद्र में खतरनाक बारूदी जाल बिछाने की रणनीति में महारत और जापान तथा दक्षिण कोरिया को स्वदेशी तकनीक से बने आधुनिक जहाज है। भारतीय नौसेना एक शक्तिशाली समुद्री बल है, लेकिन माइनस्वीपर की कमी उसकी एक प्रमुख कमजोरी रही है। अब इसे दूर करने के लिए यह परियोजना मील का पत्थर साबित हो सकता है।माइनस्वीपर जहाज राष्ट्रीय सुरक्षा के चार प्रमुख क्षेत्रों में सहायक होते हैं। सैन्य सुरक्षा- युद्धकाल में नौसेना के जहाजों के लिए सुरक्षित मार्ग, व्यापारिक सुरक्षा- व्यापारिक जहाजों और तेल टैंकरों को सुरक्षित रखना, कूटनीतिक बढ़त- समुद्री सहयोग के जरिए पड़ोसी देशों में भारत की भूमिका मजबूत करना और आर्थिक सुरक्षा- बंदरगाहों और समुद्री इन्फ्रास्ट्रक्चर को सुरक्षात्मक कवच।चीन द्वारा ह्लर३१ल्ले ङ्म ढीं१'२ह्व रणनीति और पाकिस्तान की नौसेना की बढ़ती क्षमताओं के बीच, भारत को समुद्र में सुरक्षा का मजबूत घेरा खड़ा करना ही होगा।

पितृसत्ता की विरासत में बेटियों की अनदेखी

समाज को चाहिए कि वह बेटियों को केवल एक विकल्प के रूप में न देखे, बल्कि उन्हें एक पूर्ण, सक्षम उत्तराधिकारी माने। बेटियों की शिक्षा, सुरक्षा और सम्मान सिर्फ़ नारे नहीं, एक गहरी सामाजिक क्रांति की शुरूआत है। स्कूलों में समानता की शिक्षा हो, पंचायतों में बेटियों की भागीदारी हो, और घरों में उनके फैसलों को सम्मान मिले-तभी यह बदलाव स्थायी होगा। बेटियों की परवरिश करते समय यह न सोचें कि ह्नकल तो पराई हो जाएगी,ह्न बल्कि सोचें कि ह्नयह मेरी आज की ताकत है।ह्न आज के दौर में जब परिवार, रिश्ते और मूल्यों की परिभाषाएं बदल रही हैं, तब बेटियों की भूमिका को एक बार फिर नए दृष्टिकोण से समझना जरूरी है। वे केवल सहारा नहीं, शक्ति हैं।

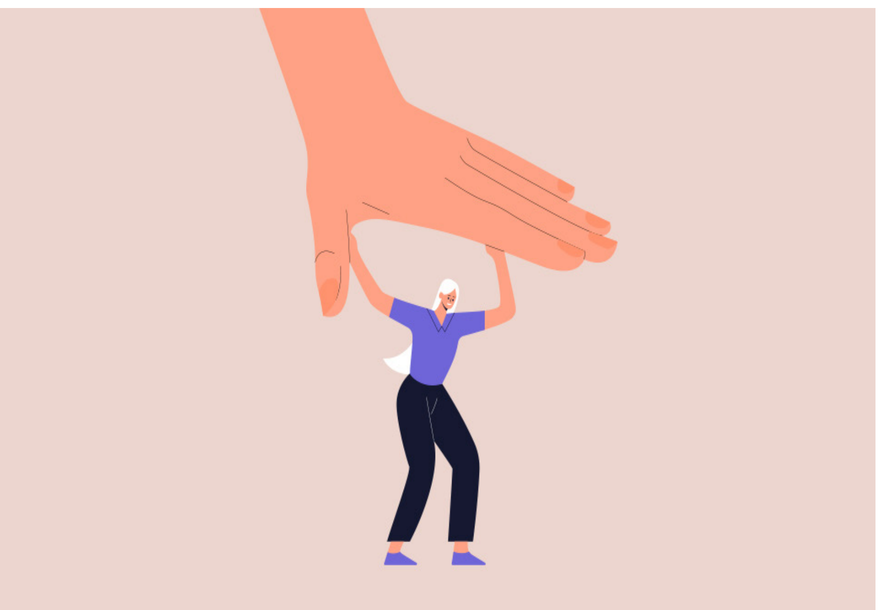

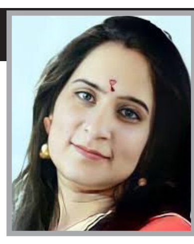

प्रियंका सौरभ
लेखिका

भारतीय समाज में सदियों से यह धारणा रही है कि बेटा ही वंश चलाता है, बेटा ही अर्थी को कंधा देगा, बेटा ही संपत्ति का उत्तराधिकारी होगा। यह सोच न सिर्फ बेटियों को दोयम दर्जे में धकेलती है, बल्कि मानवीय संवेदनाओं को भी ठेस पहुंचाती है। पर समय ने बार-बार यह सिद्ध किया है कि वंश केवल नाम का नहीं होता, वंश वह संवेदना है जिसे कोई भी आगे बढ़ा सकता है। कितनी ही बेटियाँ हैं जो अपने बूढ़े माँ-बाप की सेवा करती हैं, उन्हें सहारा देती हैं और उनकी अंतिम इच्छा तक निभाती हैं। आज जब संयुक्त परिवार बिखर रहे हैं, जब बेटे महानगरों में अपने करियर में व्यस्त हैं, तब वहीं बेटियाँ अपने माँ-बाप के पास रहकर उन्हें मानसिक, भावनात्मक और कभी-कभी आर्थिक संबल भी दे रही हैं। आँसुओं की तासीर एक-सी क्यों होती है? जब किसी घर में दुख आता है, तो आँसू किसी रिश्ते, लिंग या वर्ग को नहीं देखते। माँ की ममता और बेटी का दुलार-दोनों में दर्द की वही भाषा होती है। मौत एक ऐसी सच्चाई है जो सबको एक छतरी के नीचे खड़ा कर देती है। उस क्षण न कोई बेटा बड़ा होता है न बेटी छोटी। उस क्षण सिर्फ.इंसान होता है-समर्पित, भावुक, टूटता हुआ। हमारे समाज में मृत्यु के बाद का अनुष्ठान बेटे के जिम्मे होता है। लेकिन क्या भावनात्मक जिम्मेदारी केवल एक लिंग पर थोपना उचित है? जब बेटी भी उसी दुख को झेलती है, वही आँसू बहाती है, तो वह अधिकारों में कमतर क्यों? बदलते सामाजिक समीकरण आज का भारत एक संक्रमण काल से गुजर रहा है, जहाँ बेटियों को पढ़ाया जा रहा है, आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है, पर मानसिकता का बदला जाना अभी अधूरा है। ह्यबेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओह्न का नारा तो है, पर क्या हम बेटियों को जीवन के हर अधिकार में समान दर्जा दे पा रहे हैं? क्या उन्हें संपत्ति, परंपरा और निर्णयों में बराबरी का स्थान मिल रहा है? सिर्फ शिक्षा ही नहीं, बेटियों को संपत्ति के अधिकार, पारिवारिक निर्णयों में भागीदारी और सामाजिक सम्मान की भी जरूरत है। यह बदलाव सिर्फ कानून से नहीं, बल्कि विचारों से आएगा। अनुभवों की कहानियाँः बेटियाँ जिन्होंने समाज को बदला राजस्थान के छोटे गाँवों से लेकर महानगरों तक, हजारों बेटियाँ अपने माता-पिता के लिए वह संबल बनीं हैं जिसकी कल्पना समाज बेटों से करता था। एक उदाहरण महाराष्ट्र की प्रियंका का है, जिसने अपने पिता की मृत्यु पर विधिवत अंतिम संस्कार किया, गाँव ने विरोध किया, पर वह डटी रही। आज गाँव की अन्य लड़कियाँ उसे अपना आदर्श मानती हैं। एक अन्य कहानी उत्तर प्रदेश की सीमा की है, जिसने अपने पिता के बीमार होने पर नौकरी छोड़ दी और तीन वर्षों तक दिन-रात सेवा की। अंत में जब पिता का देहांत हुआ, तो सीमा ने अकेले सारे कर्मकांड निभाए। क्या यह प्रेम, यह समर्पण विरासत का हिस्सा नहीं है? कानून क्या कहता है? भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम, 2005 के संशोधन के बाद बेटियों को संपत्ति में बराबरी का अधिकार मिला है। पर सामाजिक स्तर पर यह अधिकार कितनी बार स्वीकारा गया है? अदालतें भले ही बेटियों को बराबरी दें, पर समाज अब भी मानसिक तौर पर इस बदलाव को पूरी तरह आत्मसात नहीं कर पाया है। कई बार बेटियों को स्वेच्छा से ह्यहक छोड़नेह्न के लिए मजबूर किया जाता है ताकि बेटों का हिस्सा बना रहे। यह ह्यत्यागह्न नहीं, एक सुनियोजित सामाजिक दबाव है। बेटियों को कमजोर क्यों समझा जाता है? संवेदनशील होना कमजोरी नहीं होती। सहनशीलता को ही हमने दुर्बलता मान लिया है। बेटियाँ घर की शांति होती हैं, स्नेह का प्रवाह होती हैं और दुख की सबसे पहली साथी होती हैं। अगर यही गुण बेटे में हों, तो उन्हें ह्यसमझदारह्न कहा जाता है, फिर बेटियों को ह्यकमजोरह्न क्यों? बेटियाँ अक्सर परिवार की भावनात्मक रीढ़ होती हैं। वे संघर्षों को चुपचाप सहती हैं और फिर भी मुस्कुराती हैं। क्या यह शक्ति नहीं? पीढ़ियों की सोच में बदलाव की जरूरत बेटा जरूरी है-यह सोच एक सामाजिक भ्रम है। वंश वही चलता है जहाँ संस्कार होते हैं, और संस्कार बेटा या बेटी में नहीं, पालन-पोषण और संबंध में होते हैं। जो बेटी पिता की चिता को अग्नि दे, क्या वह उससे कम है जो पिता की तस्वीर पर माला चढ़ाता है? नयी पीढ़ी को यह समझना होगा कि परिवार की जिम्मेदारियाँ केवल बेटों की नहीं होतीं। बेटियाँ भी माँ-बाप की बुढ़ापे की लाठी हो सकती हैं, अगर समाज उन्हें वह अवसर और अधिकार दे। विरासत सिर्फ.जमीन या नाम नहीं होती विरासत वह भी होती है जो आँसुओं में झलकती है, जो संवेदनाओं में बहती है, जो संस्कारों में जीती है। बेटियाँ वह विरासत हैं जो सिर्फ.खून का नहीं, प्रेम और सेवा का रिश्ता आगे बढ़ाती हैं। आजकल परिवारों में यह देखा गया है कि बेटियाँ अपने माँ-बाप के खर्च का बोझ भी उठाती हैं, उनकी बीमारी में दवा से लेकर देखभाल तक सब कुछ करती हैं। एक बेटी जब अपने पिता को खाट पर देखती है, तो वह सिर्फ.एक मरीज को नहीं, अपने जीवन के स्तंभ को गिरते हुए देखती है। उसका दर्द, उसकी सेवा किसी भी बेटे से कम नहीं होती। मीडिया और लोकप्रिय संस्कृति में बदलाव की जरूरत हमारे टेलीविजन धारावाहिकों और फिल्मों में बेटियों को या तो बोझ के रूप में या फिर त्याग की देवी के रूप में दिखाया जाता है। यह चरम सीमाएँ हैं। हमें जरूरत है ऐसी कहानियों की जो बेटियों को वास्तविक, सशक्त और स्वाभाविक रूप में प्रस्तुत करें। जब समाज का सांस्कृतिक प्रतिबिंब बदलता है, तब मानसिकता भी बदलती है।

रामसेतु राष्ट्रीय धरोहर स्मारक घोषित हो

कोरल की उपस्थिति के आधार पर, एएसआई ने तर्क दिया कि संरचना मानव निर्मित नहीं थी और इसलिए, इसे ऐतिहासिक या पुरातात्विक स्मारक के रूप में वर्गीकृत नहीं किया जा सकता है। नतीजतन, इस प्राचीन संरचना को चटर्जी-एडम ब्रिज विनियमों के तहत एक स्मारक के रूप में संरक्षण के लिए अयोग्य माना गया हालांकि, सितंबर में सरकार ने न्यायालय से हलफनामा वापस ले लिया। संस्कृति मंत्रालय ने हलफनामे में कम से कम तीन खंडों को हटाने का सुझाव दिया था, जिन्हें पवित्र हिंदू मान्यताओं के विपरीत माना जा सकता था

संजय गोस्वामी
लेखक

इसरो के जोधपुर और हैदराबाद राष्ट्रीय अनुसंधान संस्थानों के वैज्ञानिकों ने रामेश्वरम द्वीप और रामसेतु के निर्माण का श्रेय प्राकृतिक भूवैज्ञानिक प्रक्रियाओं को दिया है, जिसमें टेक्टोनिक गतिविधि, वायु क्षरण और समुद्री क्रियाएं शामिल हैं। पैलियोग्राफिक साक्ष्य संकेत देते हैं कि लगभग 6,000 से 7,000 साल पहले, पंबन के पास समुद्र का स्तर अपने वर्तमान स्तर से लगभग 17 मीटर नीचे था; लगभग 10,000 साल पहले, यह लगभग 60 मीटर कम था; और लगभग 20,000 साल पहले अंतिम हिमनद के दौरान, समुद्र का स्तर वर्तमान स्तरों से लगभग 120 मीटर नीचे था। इस सिद्धांत के अनुसार कि रामसेतु प्राकृतिक रूप से बलुआ पत्थर, चूना पत्थर और मिट्टी के अवसादन से उत्पन्न हुआ था, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) का मानना था कि धनुषकोडी और थलाइमन्नार 2003 में, इसरो के समुद्री और जल संसाधन समूह ने भारतीय रिमोट सेंसिंग उपग्रहों के डेटा का विश्लेषण किया - विशेष रूप से, आईआरएस-पी4 (अप्रैल 2002) से महासागर रंग मॉनिटर डेटा और आईआरएस-1डी (मार्च-मई 2000) से लिस-कककक डेटा - यह जांचने के लिए कि क्या राम सेतु मानव निर्मित था या प्राकृतिक कोरलीन संरचना थी। यह परिकल्पना की गई थी कि 103 छोटे, रैखिक पैच रीफ से बना यह पुल कार्बनिक कोरलीन जमा को ओवरले करता है। इसका रैखिक आकार बताता है कि भारतीय प्रायद्वीप कभी श्रीलंका से जुड़ा था। हालांकि, नासा की छवियों की वैकल्पिक व्याख्याओं ने राजनीतिक और धार्मिक दृष्टिकोण पेश किए, कुछ लोगों ने अनुमान लगाया कि राम सेतु कृत्रिम रूप से बनाया गया था नासा के अधिकारी मार्क हेस ने कहा कि द्वीपों की श्रृंखला की उत्पत्ति या आयु के बारे में कोई प्रत्यक्ष जानकारी नहीं है, न ही यह कि उनके निर्माण में मनुष्यों की कोई भूमिका थी। नल और नील दोनों रामायण काल के बड़े इंजीनियर थे. उन्होंने जांच मुआयना और सर्वे के बाद समुद्र पर पत्थर बिछाकर ये पुल बांधा था राम सेतु निर्माण में हनुमान ने नल और नील को हर पत्थर पर राम का नाम लिखने में मदद की, ताकि पत्थर आपस में चिपक जाएं और पुल मजबूत रहे. रावण की हार और राम की वानर सेना से जुड़े युद्ध के समापन के बाद, उन्होंने क्या किया? अगर पूछा जाए कि समुद्र पर देश का पहला बड़ा पुल किसने बनाया, तो सबूतों के आधार पर जवाब होगा राम सेतु। अगर वानर सेना के दो इंजीनियर वानरों नल और नील ने रामसेतु नहीं बनाया होता है तो श्रीराम के लिए अपनी सेना को लंका तक पहुंचाना मुश्किल हो जाता. भारतीय न्यायालयों में दायर याचिकाओं के हिस्से के रूप में प्रस्तुत की गई छवियों ने यह सुझाव देते हुए सबूत प्रदान किए कि राम सेतु न केवल एक मानव निर्मित संरचना से बनाया गया है, बल्कि यह लगभग 1.75 मिलियन वर्ष पुराना है, जो कि त्रेता युग में भगवान राम के काल (भारतीय पौराणिक कथाओं के अनुसार) के दौरान हुआ था।यह कोई छोटी संरचना नहीं थी; यह कई किलोमीटर तक फैली हुई थी। हालाँकि उस समय औपचारिक रूप से इंजीनियरिंग नहीं पढ़ाई जाती थी, लेकिन नल और नील ने यह कारनामा कर दिखाया। सैटेलाइट इमेज, वैज्ञानिक अध्ययन और चल रही जांच सभी रामेश्वरम से श्रीलंका तक फैले एक पुल के अस्तित्व का समर्थन करते हैं, जिसमें समुद्र के नीचे पत्थरों की एक स्पष्ट रेखा दिखाई देती है। यह समय-सीमा होमो सेपियंस की उत्पत्ति के साथ मेल नहीं खाती है, जो लगभग 200,000 साल पहले विकसित हुई थी, न ही लगभग 100,000 साल पहले भारतीय उपमहाद्वीप पर पहली बस्तियों के साथ। कई द्वीप श्रृंखलाएँ और समुद्री पहाड़ियाँ - जैसे कि फिलीपींस और जापान में सबडक्शन-जोन ज्वालामुखी के परिणामस्वरूप, हवाई द्वीप लिथोस्फेरिक आंदोलन के कारण, आइसलैंडिक मध्य-महासागर लकीरें, सेंट हेलेना के पास परिवर्तन दोष, और कैरिबियन और लैटिन अमेरिका में समुद्री अवसादन - भूवैज्ञानिक इतिहास में सामान्य विशेषताएं हैं। इनमें से कई समुद्री संरचनाएँ बेसाल्टिक हैं, जो आग्नेय गतिविधि के ठंडा होने से बनी हैं। इसके विपरीत, राम सेतु में किसी भी ज्ञात आग्नेय या ज्वालामुखीय आधार का अभाव प्रतीत होता है। मद्रास विश्वविद्यालय में प्राकृतिक खतरों और आपदा अध्ययन केंद्र के वी. राम मोहन के अनुसार, पुल के लिए भूवैज्ञानिक स्पष्टीकरण परिस्थितिजन्य साक्ष्य पर आधारित हैं, प्रचलित सिद्धांत यह है कि बढ़ी हुई तलछट या समुद्र तल सहसंबंध सबसे प्रशंसनीय स्पष्टीकरण प्रदान करता है। मद्रास विश्वविद्यालय के कुलपति एस. रामचंद्रन ने उल्लेख किया कि राम सेतु में देखी गई गतिशील तलछट प्रक्रियाएँ अटलांटिक तट के साथ आम हैं। इसके अलावा, प्रसिद्ध भूविज्ञानी एन. रामानुजम ने बताया कि पुल का निर्माण भारतीय प्लेट के अपने दक्षिणी क्षेत्रों से अलग होने, यूरेशियन भूभाग से टकराने और उसके बाद टेक्टोनिक गतिविधि और तलछट के कारण हुआ - जिसका एक परिणाम कावेरी बेसिन है। इस प्रक्रिया के कारण रिज संरचनाओं का विकास हुआ, जिसके बाद कोरल और एटोल संरचनाएँ बनीं, जिसने धनुषकोडी और थलाइमन्नार स्पिट्स से जमा को आकर्षित किया, जिससे राम सेतु के लघु द्वीपों जैसे पनडुब्बी शोल का निर्माण हुआ। यह जटिल विद्वत्तापूर्ण व्याख्या भारतीय जनता के लिए काफी पेचीदा थी। 2007 की शुरूआत में, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के समर्थन से, भारत सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय में एक हलफनामा प्रस्तुत किया जिसमें कहा गया कि रामसेतु अंततः ज्वार की क्रिया और अवसादन के परिणामस्वरूप एक प्राकृतिक संरचना थी।

घातक साबित हो सकती है सैन्य पराक्रम को लेकर की जाने वाली राजनीति

तनवीर जाफरी

पहलगाम में हुये पाक प्रायोजित हमले के बाद भारतीय सेना की ओर से किये गये ऑप्रेशन सिन्दूर के बाद सत्ताधारी दल भारतीय सेना के शौर्य को भुनाने में लग गया है। निश्चित रूप से हमारे सैनिकों खासकर भारतीय वायु सेना ने जिस बहादुरी के साथ पाक अधिकृत कश्मीर सहित पाकिस्तान के कई आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया उससे भारतीय जनता का मनोबल भी ऊँचा हुआ है साथ ही पाकिस्तान भी अपनी औकात को समझ चुका है। परन्तु जिस तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इस सैन्य शौर्य का राजनीतिकरण करने की कोशिश की जा रही है इस पर सवाल जरूर उठाये जा रहे हैं। खासकर प्रधानमंत्री के उस चित्र को लेकर जिसमें वे सैन्य वर्दी में एक लड़ाके की भूमिका में, पृष्ठभूमि में वायुसेना के लड़ाकू विमान के साथ प्रचारित किये जा रहे हैं।उधर भारत की तरफ से कई रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह व कई अन्य जिम्मेदार नेताओं द्वारा पाक अधिकृत कश्मीर को भारत में पुनः शामिल करने को लेकर सार्वजनिक रूप से बातें की जा रही हैं। और इसी बीच भारतीय वायुसेना प्रमुख ने सरकार की आँखें खोलने वाले कुछ बयान भी दिये हैं। साथ ही सरकार द्वारा शुरू की गयी अग्निवीर योजना पर भी सवाल उठाये जा रहे हैं। पिछले दिनों सीआईआई वार्षिक बिजनेस समिट में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की उपस्थिति में भारतीय वायुसेना के प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमरप्रीत सिंह ने खास तौर पर स्वदेशी सैन्य परियोजनाओं की ओर इशारा करते हुए रक्षा सौदों में देरी के मामलों की ओर ध्यान दिलाया। उन्होंने कहा कि तेजस ट'1अ फाइटर जेट की डिलीवरी रुकी हुई है। जो फरवरी 2021 में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के साथ 48,000 करोड़ रुपये में हुई थी। उन्होंने कहा कि ऑर्डर किए गए 83 विमानों में से अब तक एक भी विमान हमें नहीं दिया गया है, जबकि इसकी डिलिवरी मार्च 2024 में ही शुरू होने वाली थी। तेजस ट'2 का प्रोटोटाइप अभी तक रोल आउट नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि तेजस सहित कई बड़ी डील हुई, पर अभी तक डिलीवरी का पता नहीं। प्रमुख एयर चीफ मार्शल ने रक्षा खरीद परियोजनाओं में देरी पर गंभीर चिंता जताते हुये स्वदेशी प्रोजेक्ट्स का जिक्र किया और साफ तौर से यह कहा कि हमें जो चीज आज चाहिए, वो आज ही चाहिए। युद्ध, सेनाओं को सशक्त बनाकर जीते जाते हैं। इसी तरह स्टील्थ अटउअ फाइटर का भी अभी तक कोई प्रोटोटाइप नहीं है। उन्होंने कहा कि कई बार डील के कॉन्ट्रैक्ट पर दस्तखत करते वक़्त ही हमें पता होता है कि ये सिस्टम कभी भी समय पर नहीं मिलेंगे। उन्होंने कहा कि - मैं कोई एक भी ऐसी योजना नहीं बता सकता हूं जो समय पर पूरी हुई हो। प्रमुख एयर चीफ मार्शल की यह टिप्पणी ऐसे समय में आयी है जब वायुसेना मोदी सरकार की ह्यआत्मनिर्भर भारतह्न पहल के तहत तेजी से स्वदेशीकरण और घरेलू क्षमता पर जोर दे रही है। दूसरी तरफ सरकार द्वारा चलायी गयी अग्निवीर योजना को लेकर भी तरह तरह के सवाल उठने लगे हैं। विपक्ष तो इस योजना को लेकर शुरू से ही आक्रामक था जबकि सरकार तरह तरह के तर्क देकर इस योजना के फायदे गिनाने में लगी है। परन्तु अग्निवीर को लेकर अब जो सच्चाइयां सामने आ रही हैं वह भी भारतीय सेना के लिये चिंता बढ़ाने वाली हैं। इस समय सेना में अधिकारी रैंक के 16.71% पद रिक्त हैं। क्योंकि हर साल 60 हजार सैन्यकर्मी सेवानवृत्त भी हो रहे हैं। जबकि भर्ती का अनुपात इसके विपरीत है। कोरोना काल के दौरान ही 2 वर्ष तक सेना में भर्ती पूरी तरह बंद थी। रक्षा मंत्रालय द्वारा हाल ही में संसद की स्थायी समिति को दी गयी जानकारी के अनुसार इस समय भारतीय सेना में एक लाख से ज्यादा सैनिकों की कमी है। इस समय सेना की कुल संख्या 12.48 लाख है, जबकि एक लाख से अधिक पद खाली हैं। इसकी एक वजह अग्निवीर योजना से घटा युवाओं का रुझान माना जा रहा है। दरअसल अग्निवीर सैन्य भर्ती योजना अथवा अग्निपथ योजना 2022 में लागू की गयी थी। इसके अंतर्गत भारतीय सेना, नौसेना और वायुसेना में युवाओं को चार साल की अवधि के लिए ह्लअग्निवीरह्व के रूप में भर्ती किया जाना है। इन्हीं चार वर्षों के सेवाकाल में ही 6 महीने की प्रशिक्षण अवधि भी शामिल है। 4 वर्ष की सैन्य सेवा के बाद 25% अग्नि वीरों को तो नियमित सैन्य सेवा में स्थायी रूप से शामिल किया जा सकता है परन्तु शेष अग्निवीरों को ह्लसेवा निधि पैकेजह्व के रूप में लगभग 11-12 लाख रुपये और अनुभव प्रमाणपत्र के साथ विदा किये जाने का प्रावधान है। इस सेवा निधि पैकेज में अग्निवीर और सरकार दोनों का ही योगदान है। इसके बावजूद अग्निवीर योजना के प्रति युवाओं के घटते रुझान का मुख्य कारण यह है कि यह योजना छोटी अवधि, लागत-प्रभावी और युवा-केंद्रित सैन्य सेवा पर जोर देती है, जबकि सामान्य सैनिकों की भर्ती लंबी अवधि की स्थायी सेवा और दीर्घकालिक लाभों पर आधारित है। अग्निवीर योजना को आधुनिक सैन्य जरूरतों और बजट प्रबंधन के लिए डिजाइन किया गया है, लेकिन यह स्थायी नौकरी की चाह रखने वाले युवाओं के बीच विवादास्पद रही है। इस योजना के अनुसार 4 साल का छोटा कार्यकाल और सीमित प्रशिक्षण सैनिकों को पूर्ण रूप से युद्ध के लिए तैयार नहीं करता, जिससे युवा इसे जोखिम भरा मानते हैं।

माझी में अवैध शराब तस्करी का भंडाफोड़ दो गिरफ्तार, 9.63 लाख नकद बरामद

प्रात: किरण संवाददाता

मांझी (सारण)। अवैध शराब तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत मांझी पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। थाना क्षेत्र में चेकिंग के दौरान पुलिस ने दो तस्करों को गिरफ्तार कर उनके वाहन से भारी मात्रा में विदेशी शराब व 9,63,890 रुपए नकद बरामद किए हैं। थानाध्यक्ष सह अपर थानाध्यक्ष प्रवीण कुमार ने बताया कि 31 मई को सुबह करीब 10:10 बजे सूचना मिली थी कि ग्राम फुलवरिया से एक उजले रंग की मारुति ग्रैंड विटारा में शराब लेकर दो व्यक्ति बलिया मोड़ की ओर जा रहे हैं। सूचना के आधार पर मांझी थाना के सामने वाहनों की चेकिंग शुरू की गई। इसी दौरान मांझी बाजार की ओर से आ रही उक्त गाड़ी को रोकने का प्रयास किया गया।लेकिन चालक वाहन लेकर भाग निकला। तत्पश्चात सरकारी वाहन से पीछा करते हुए मद्य निषेध चेकपोस्ट के पास उसे रोका गया। वाहन रुकते ही उसमें सवार दोनों व्यक्ति भागने लगे, लेकिन पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए उन्हें गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान कृष्णा यादव (32 वर्ष, ग्राम श्रीनगर, थाना रेवती, जिला बलिया) और मारकंडेय सिंह यादव (35 वर्ष, ग्राम नवका गांव मांझा, थाना रेवती, जिला बलिया) के रूप में की गई है। वाहन की तलाशी के दौरान डिक्की से दिल्ली निर्मित एक पीले झोले में 8 पीएम ब्रांड की 180 एमएल की कुल 44 बोतलें विदेशी शराब बरामद की गईं, जिनका कुल परिमाण 7.92 लीटर है। इन बोतलों पर ह्वफॉर सेल इन उत्तर प्रदेश ऑनलीह अंकित था। साथ ही, गाड़ी से एक सफेद झोले में लिपटे 9,63,890 रुपए नकद भी बरामद किए गए। पूछताछ के दौरान दोनों तस्करों ने स्वीकार किया कि वे उत्तर प्रदेश के शराब कारोबारी हैं और यह शराब बिहार में बिक्री हेतु लाई गई थी। उन्होंने यह भी बताया कि उक्त शराब उधार में डुमाईगढ़ निवासी गोलू यादव, विकास उर्फ चोखा तथा फुलवरिया निवासी रंजन सहनी उर्फ कबाड़ी को दी गई थी, जिनसे वसूली कर यह राशि लेकर लौट रहे थे। सूचना मिलने पर नगर पंचायत मांझी के कार्यपालक पदाधिकारी मौके पर पहुंचे और उनके समक्ष नकदी की गिनती की गई। जब्त शराब, नकदी और वाहन की विधिवत जब्ती सूची तैयार कर एक प्रति आरोपियों को सौंपी गई। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है तथा तीन अन्य के विरुद्ध भी प्राथमिकी दर्ज की जा रही है। सभी बरामद सामग्रियों को थाना लाकर विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है।

रिविलगंज में मॉर्निंग वॉक पर निकली दो महिलाओं को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, एक की मौत, दूसरी गंभीर

प्रात: किरण संवाददाता

रिविलगंज स्थानीय थाना क्षेत्र में रविवार की सुबह मॉर्निंग वॉक पर निकली दो महिलाओं को तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरी गंभीर रूप से घायल हो गई है, जिनका इलाज छपरा सदर अस्पताल में जारी है। घटना रिविलगंज थाना क्षेत्र के सेंगर टोला गांव के पास छपरा-मांझी मुख्य मार्ग की है। स्थानीय लोगों के अनुसार, दोनों महिलाएं रोजाना की तरह सुबह सैर के लिए ईनई पुल की ओर जा रही थीं। इसी दौरान मांझी की ओर से आ रहे एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने तत्काल रिविलगंज पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही थाना अध्यक्ष सुभाष कुमार पासवान पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से छपरा सदर अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने एक महिला को मृत घोषित कर दिया, जबकि दूसरी महिला का इलाज जारी है और उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। मृतका की पहचान सेंगर टोला निवासी शत्रुघ्न राय की 61 वर्षीय पत्नी रीमा देवी के रूप में हुई है। घायल महिला उसी गांव के चंदेश्वर राय की 60 वर्षीय पत्नी लक्ष्मीना देवी हैं। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। थाना अध्यक्ष ने बताया कि अज्ञात वाहन की पहचान के लिए आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। हादसे के बाद गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना की जानकारी मिलते ही वार्ड पार्षद अरुण राय, अमरजीत राय समेत कई जनप्रतिनिधि पीड़ित परिवार से मिले और उन्हें ढाढ़स बंधाया।

महिला संवाद कार्यक्रम के दौरान अब तक 44013 आकांक्षाएं दर्ज, 1606 स्थानों पर हुआ आयोजन

छपरा कार्यालय। सारण जिले में महिलाओं को सरकार की योजनाओं से जोड़ने और उनकी भागीदारी को बढ़ाने के उद्देश्य से 18 अप्रैल 2025 से शुरू किया गया ह्रमहिला संवाद कार्यक्रमह्र लगातार सफलतापूर्वक आगे बढ़ रहा है। जिले के 2115 प्रस्तावित पंचायतों में से अब तक 1606 स्थानों पर महिला संवाद सत्र आयोजित हो चुके हैं, जिनके माध्यम से कुल 44,013 महिलाओं की आकांक्षाएं, समस्याएं और सुझाव सीधे संवाद के जरिए दर्ज किए गए हैं। यह सभी सुझाव एक विशेष मोबाइल ऐप के माध्यम से संग्रहित कर जिलाधिकारी की निगरानी में संबंधित विभागों को भेजे जा रहे हैं ताकि त्वरित और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रखंडों की महिलाओं ने अपने क्षेत्रों की जरूरतों को खुलकर साझा किया है, जैसे अमनौर प्रखंड की मनोरपुर झखरी पंचायत की रिंकू देवी ने महिला स्वयं सहायता समूहों को मिलने वाले बैंक ऋण पर अधिकतम 7% ब्याज दर तय करने की मांग रखी जिससे महिलाएं सस्ती दर पर व्यापार शुरू कर सकें और ऋण चुकाने की क्षमता बढ़े; लहलादपुर प्रखंड के ददासपुर पंचायत की महिलाओं ने अपने क्षेत्र में आईटीआई कॉलेज की स्थापना की आवश्यकता बताई जिससे स्थानीय युवाओं को तकनीकी शिक्षा के लिए दूर न जाना पड़े; मांझी प्रखंड की महिलाओं ने बिजली दर घटाकर 1 प्रति यूनिट करने की मांग की ताकि ग्रामीण क्षेत्रों को सस्ती दर पर बिजली मिल सके; वहीं सोनपुर प्रखंड के सबलपुर मध्यवर्ती पंचायत की महिलाओं ने एक सामुदायिक सिलाई केंद्र खोलने की इच्छा जताई जिसमें करीब 30 महिलाएं मिलकर काम करेंगी और अन्य इच्छुक महिलाओं को प्रशिक्षण भी दिया जाएगा, जिससे वे परिधान निर्माण कर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकें। यह कार्यक्रम केवल संवाद तक सीमित नहीं है बल्कि इसका उद्देश्य हर महिला की आवाज को प्राथमिकता देते हुए सार्थक और स्थायी बदलाव लाना है, जिससे यह पहल जिले में महिला सशक्तिकरण और समावेशी विकास की दिशा में एक मजबूत कदम बनकर उभर रहा है।

संक्षिप्त खबरें

पंचायत सचिव के पुत्र के साथ मारपीट करने का आरोप

मकेर । स्थानीय थाना क्षेत्र के कैतुका नंदन ग्राम निवासी पंचायत सचिव के पुत्र के साथ मारपीट कर जख्मी करने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है । पंचायत सचिव की पत्नी चंदा देवी ने मकेर थाना में एक आवेदन पत्र लिखकर दिया है जिसमे उन्होंने उसी गांव के तीन चार युवकों ने मिलकर मेरे पुत्र के साथ गाली गलौज किया फिर मना करने पर मारपीट कर बुरी तरह जख्मी कर दिया गया जिसके बाद उसे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चकिया में इलाज कराया गया है । घायल युवक रौशन कुमार है जबकि पिटाई करने वाले युवकों में अंकित कुमार शर्मा ,विकी कुमार शर्मा ,सूरज कुमार शर्मा ,रामबाबू शर्मा और रौशन कुमार को आरोपी बनाया गया है । घटना के सम्बंध में बताया गया है कि बजरंगबली के मंदिर के पास नाच देख कर घर लौटने की दरम्यान की है । वही कुछ लोगो का कहना है कि पूर्व विवाद को लेकर केस दर्ज कराई गई है ।इस सम्बन्ध में थाना अध्यक्ष प्रमोद कुमार ने कहा कि महिला के आवेदन पर प्राथमिकी दर्ज कर जांच की जा रही हैं ।

रसीदपुर में बकरीद को लेकर हुई शांति समिति की बैठक संपन्न

तरैया। बकरीद पर्व को लेकर प्रखंड के रसीदपुर गांव में रविवार को शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता थानाध्यक्ष आशुतोष कुमार सिंह ने किया जबकि मंच संचालन पूर्व जिला परिषद सदस्य डॉ. अब्दुल्लाह खान ने किया।बैठक में उपस्थित समाजसेवियों, जनप्रतिनिधियों और गणमान्य लोगों ने आपसी सहयोग और भाईचारे के साथ त्योहार मनाने का संकल्प लिया। थानाध्यक्ष आशुतोष कुमार सिंह ने कहा कि बकरीद पर्व खुशी और आपसी सौहार्द का त्योहार है, जिसे मिलजुल कर शांतिपूर्ण मनाया जाना चाहिए।
उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की अफवाह या भड़काऊ गतिविधियों पर प्रशासन की सख्त नजर रहेगी।मौके पर पूर्व प्रमुख अनिल सिंह, सुरेंद्र सिंह, वीरेंद्र मांझी, कैंसर अली, पृथ्वी सिंह, हाफिज मियां, नंदलाल सिंह, लालाबाबू महतो, रामकुमार राम, सलाउद्दीन अंसारी, मो. इकबाल, शिवकुमार साह,हरीकिशोर प्रसाद, रियाजुद्दीन अंसारी सहित अन्य उपस्थित थे।

पूर्व के विवाद को लेकर हुई मारपीट में दो महिलाएं सहित पांच घायल

तरैया थाना क्षेत्र के फरीदपुरा गांव में पूर्व के विवाद को लेकर हुई मारपीट में दो महिलाएं सहित पांच लोग घायल हो गए है ।घायल गोविंदा कुमार,राजकुमारी देवी,चंद्रिका राय,अजित कुमार व माला देवी का प्राथमिक उपचार रेफरल अस्पताल तरैया में किया गया है ।
जिसको लेकर दोनों पक्षों द्वारा स्थानीय थाने में अलग-अलग शिकायत प्रतिवेदन दिया गया है ।पुलिस मामले की जांच कर रही है ।

बगहा अनुमंडल कार्यालय के सामने किसान मजदूर यूनियन ने विशाल धरना प्रदर्शन किया

प्रात: किरण संवाददाता

बगहा। प्रदर्शनकारीयों नें गंडक नदी पर गाइड बांध का निर्माण कर नदी की धारा मोड़ने की वर्षों पुरानी मांग दुहराई। दरअसल चम्पारण में गंडक और मसान नदी के कटाव से किसानों को राहत मिले इसको लेकर पक्का बांध निर्माण के साथ-साथ बाढ़ कटाव पीड़ित किसानों को चिन्हित कर उन्हें मुआवजा नहीं मिल सका है लिहाजा पुनः बरसात और बाढ़ कटाव का मानसून सत्र शुरू होनें वाला है यहीं वजह है किसान मजदूर एकजुट होनें लगें हैं और नदी किनारे पक्के बांध निर्माण की मांग एक बार फिर तेजी से उठने लगी है। जबकि बगहा को राजस्व जिला का दर्जा देने समेत कुल सात सूत्री मांगों को लेकर किसानों ने शनिवार को बगहा अनुमंडल कार्यालय के समक्ष विशाल धरना देकर प्रदर्शन किया।इस दौरान किसान मजदूर यूनियन के अध्यक्ष सह वरिय अधिवक्ता महफूज आलम और वरिय माले नेता दयानंद द्विवेदी धरना प्रदर्शन को संबोधित करते हुए कहा कि बाढ़ कटाव पीड़ितों को चिन्हित कर सरकार अविलम्ब क्षतिपूर्ति व मुआवजा दे साथ ही साथ किसानों के कर्ज माफ किये जाएँ,जबकि अनुमंडल व आसपास के क्षेत्र से उजड़े किसानों को पुनर्वासित किया जाए ।बतादें की हर साल बाढ़ व बरसात के मौसम में बाढ़ और कटाव से चम्पारण की लाखों आबादी प्रभावित होती है और हजारों लोग बेघर होते हैं क्योंकि गंडक नदी और मसान नदी अपने साथ तबाही लेकर आती है लिहाजा इस आपदा से बचाव कों लेकर किसान मजदूर यूनियन के साथ भाकपा माले भी मांगों के समर्थन में हुंकार भर रहीं है।

पांच दिन के दरमियान मगरमच्छ का दूसरा हमला, घायल अस्पताल में इलाज

बगहा। बगहा में गंडक नदी से निकली कई सहायक नदियों और नहर नालों में डेरा जमाये मगरमच्छों का आतंक जारी है। आलम यह है कि मगरमच्छ गंडक नदी से भटककर रिहायशी इलाकों में प्रवेश कर रहें हैं। ये किसानों के लिए आफत और मुसीबत बन गए हैं। ताजा मामला बगहा के सेमरा का है। जहां मगरमच्छ के हमले से एक किसान गंभीर रूप से घायल हो गया है। घटना सेमरा रेता की बताई जा रही है ।जबकि कुछ दिन पहले चौतरवा के चंद्रपुर भिड़ारी में भी एक किसान पर मगरमच्छ नें हमला कर उसे बुरी तरह जख्मी कर दिया था.बतादें कि हरेंद्र यादव नामक पीड़ित किसान अभी इलाजरत है। इसी बीच आज जवाहर सहनी नामक किसान पर भी मगरमच्छ ने हमला कर उसे बुरी तरह जख्मी कर दिया है। बताया जा रहा है कि नाव के सहारे सेमरा रेता में खेती करने के लिए कई किसान जा रहें थे। जैसे ही गंडक नदी पार किए तभी अचानक मगरमच्छ ने हमला कर दिया और किसान का बाया हाथ अपने जबड़े में जकड़ लिया ।जिससे वह जोर-जोर से चिल्लाने और चीखने लगा। वहां आस-पास चारवाहा मौजूद थे। जो लाठी डंडा लेकर पहुंचे और मगरमच्छ को मार कर नदी में भगाया ।बतादें कि हरेंद्र यादव नामक पीड़ित किसान अभी इलाजरत है ।बतादें कि महज पांच दिनों के भीतर विशालकाय मगरमच्छ ने ये दूसरा हमला किया है ।ऐसे में ग्रामीणों और किसानों नें इस अति जल संरक्षित प्राणी मगरमच्छ के रिहायशी इलाकों में प्रवेश की घटना पर रोक लगाने की मांग की है, क्योंकि अक्सर मगरमच्छ लोगों पर हमला कर उनके हाथ और पैर चबा जा रहे हैं।

इमाम हुसैन पुनः बने नगरा प्रखंड राजद अध्यक्ष

निवार्ची पदाधिकारी श्याम जी प्रसाद की अध्यक्षता में हुआ चुनाव संपन्न

छपरा। रविवार को राष्ट्रीय जनता दल के संगठनात्मक चुनाव को लेकर नगरा प्रखंड में प्रखंड परिषद की एक बैठक खैरा प्रखंड कार्यालय में आयोजन किया गया। प्रखंड निवार्ची पदाधिकारी श्याम जी प्रसाद एवं सहायक निवार्ची पदाधिकारी सुनील कुमार यादव की उपस्थिति में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से नगरा प्रखंड अध्यक्ष राजद के निः वर्तमान अध्यक्ष इमाम हुसैन को पुनः प्रखंड अध्यक्ष पद पर निर्वाचित घोषित किया गया। इसके अलावा 25 सदस्यीय प्रखंड कार्यकारिणी सदस्यों एवं पदाधिकारिओं को भी निर्वाचित किया गया। बैठक में राजद के वरीय नेता राधे कृष्णा प्रसाद, शंकर प्रसाद गुप्ता, परमानंद यादव, दरोगा महतो,डॉक्टर गुलाबुद्दीन, रामाशंकर राय, आफताब आलम, चुन्नू खान, शिवनाथ शर्मा सहित बड़ी संख्या में राजद कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बगहा-वाल्मीकिनगर मुख्य सड़क मार्ग पर दो दिनों में दो हादसे एक की गई जान एक घायल

प्रात: किरण संवाददाता

बगहा।। पिछले दो दिनों में बगहा वाल्मीकिनगर मुख्य सड़क मार्ग पर दो सड़क हादसे हुए जिसमे एक ट्रैक्टर पर सवार व्यक्ति की घटनास्थल पर ही मौत हो गई और रविवार की सुबह भजनीकुटी के समीप अनियंत्रित कार वीटीआर जंगल में जा घुसा ।गनीमत रही कि इस हादसे में किसी की जान नहीं गई ।बतादें की बगहा-बाल्मीकिनगर मुख्य सड़क पर भीषण सड़क दुर्घटना में एक शख़्स की दर्दनाक मौत हो गईं है जबकि अन्य कई लोग जख़्मी हो गए हैं ।थानाध्यक्ष अजय कुमार ने बताया कि तेज रफ्तार ट्रैक्टर ट्रॉली अचानक सड़क किनारे वाल्मीकि टाइगर रिजर्व जंगल के पेड़ से टकरा गई, ट्रैक्टर के प्रखंच्चे उड़ गए। यह घटना नौरंगिया थाना क्षेत्र के मदनपुर में हुआ जहाँ ट्रैक्टर पर सवार व्यक्ति की मौके पर हीं दर्दनाक मौत हो गई जबकि चालक गंभीर रूप से जख़्मी हो गया है जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं भजनीकुटी के पास एक यूपी नम्बर कार अनियंत्रित होकर जंगल मे जा घुसी है गनीमत रही कि इसमें कोई हताहत की सूचना नहीं है।

इस्लामुद्दीन बने नई बाजार मदरसा के प्रभारी प्रिंसिपल, लोगों ने दी मुबारकबाद

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा। मदरसा वारिसूल-उ- लूम नया बाजार छपरा के प्रभारी प्राचार्य के पद पर मदरसा के सीनियर टीचर मोहम्मद इस्लामुद्दीन को नियुक्त किया गया है। इनकी नियुक्ति 1 जून 2025 से प्रभावी माना जाएगा। इस आशय का निर्णय मदरसा प्रबंध समिति मदरसा वारिसूल-उ-लूम नया बाजार छपरा में की गई बैठक में सर्वसम्मति से लिया गया। इनकी नियुक्ति का अनुमोदन मदरसा बोर्ड से प्राप्त कर लिया जाएगा। प्रभारी प्राचार्य के पद पर मोहम्मद इस्लामुद्दीन की नियुक्ति पर मदरसा के शिक्षकों एवं अन्य लोगों ने खुशी का इजहार किया है। खुशी का इजहार करने वालों में आफताब आलम शिक्षक, मदरसा फैयाजू -उ -उलूम के हेड मास्टर अख्तर हसन जमाल, मदरसा प्रबंध समिति के पूर्व सचिव अली अख्तर, मदरसा प्रबंध समिति के पूर्व बोर्ड प्रतिनिधि मोहम्मद अयूब, संस्कृत स्कूल के अध्यापक निलेश कुमार त्रिपाठी, अल्पसंख्यक हॉस्पिटल के अधीक्षक मोहम्मद शरीफ सहित वारिसूल-उ-लूम मदरसा के सभी शिक्षक व अन्य स्थानीय शिक्षा जगत से जुड़े लोगों का नाम शामिल है।

संगठनात्मक कार्यों की समीक्षा को ले कांग्रेस प्रभारी पहुंचे छपरा, कार्यकताओं ने किया जमकर स्वागत

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा। रविवार को बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पर्यवेक्षक सुनील कुमार सिंह, प्रोफेसर सुनील कुमार एवं राजीव विहंगम ने छपरा कांग्रेस कार्यालय सह कांग्रेस भवन में जिले के संगठनात्मक कार्यों की समीक्षा को लेकर छपरा पहुंचे ।जिला पर्यवेक्षण में जिले के सभी वर्तमान एवं पूर्व अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महासचिव, सचिव, सभी प्रखण्ड अध्यक्ष, सभी विधानसभा के प्रभारी, कार्यकारिणी के सदस्य तथा वरिष्ठ नेतागण समीक्षात्मक बैठक में मौजूद रहें। पर्यवेक्षण करने आए पर्यवेक्षकों ने माई बहिन मान योजना, हर घर झंडा, बीएलओ नियुक्त करने, सामुदायिक मीटिंग कराने, विधानसभा चुनाव की तैयारीयों को तेज करने, संगठन को मजबूत करने आदि मुद्दों को लेकर गंभीर चर्चा के बाद इन सभी कार्यक्रमों को तेजी से अमल करने का निर्देश दिया। बैठक में मुख्य रूप से सारण जिला अध्यक्ष बच्चू प्रसाद वीरू, डॉ शंकर चौधरी, फिरोज इकबाल , हैदर अली, मानिक यादव, रफीउल्लाह कुरैशी, संदीप रौशन, अब्दुल कादिर खान, फैसल अनवर, यासीन आजाद, अनिल सिंह, अरुण सिंह, शिव बालक सिंह, तारकेश्वर राम, राजकुमार पांडे, इम्तियाज अहमद, अब्दुल्ला खान, मुस्तकीम खान, फिरोज आलम, दीपक शर्मा, रामबाबू शर्मा, किशन सिंह, के न सिंह, प्रमोद सिंह, विमल तिवारी, डॉक्टर बृजेंद्र कुमार सिंह, मनोज कुमार मिश्रा, परमेश्वर शर्मा, अनिल कुमार सिंह (पूर्व जिला अध्यक्ष), तरुण तिवारी, कमलेश कुमार पाठक, मैकेनिक प्रसाद, कन्हैया गिरी, ललन प्रसाद सिंह, कमलेश कुमार सिंह, राहुल यादव, कन्हैया मिश्रा, अनिल कुमार सिंह, शौकत अली, अमित नयन ह्लमीडिया प्रभारीह्व एवं सुरेश राम आदि उपस्थित थे।

नीतीश की सरकार में कानून व्यवस्था पूरी तरह हो गई है चौपट: पूर्व विधायक

दोहरे हत्याकांड के परिजनों से जनसुरज का प्रतिनिधिमंडल ने की मुलाकात, न्याय दिलाने का दिया आश्वासन

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा। राज्य में कानून व्यवस्था समाप्त हो चुका है, अपराधी बेलगाम हो चुके हैं, बिहार जंगल राज की ओर लौट रहा है, आए दिन अपराधिक घटनाओं में बढ़ोतरी हो रही है। उक्त बातें पूर्व विधायक व पार्टी के महासचिव किशोर कुमार ने दोहरे हत्याकांड के परिजनों से मिलने के बाद नेहरू चौक स्थित कन्हैया सिंह के आवास पर पत्रकारों से बात करते हुए कही। प्रेस मीडिया को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक किशोर कुमार ने कहा कि प्रशांत किशोर के निर्देश पर जनसुराज का प्रतिनिधिमंडल मृत व्यवसायी अमरिंदर सिंह एवं शंभू सिंह के परिजनों से मुलाकात करने के लिए आया था। पार्टी के जनरल सेक्रेटरी किशोर कुमार ने कहा कि इस दुख की घड़ी में प्रशांत किशोर और उनकी पार्टी मृतक के परिजनों के साथ खड़ा है, न्याय दिलाने के लिए पार्टी कोई कोर कसर नहीं छोड़ेगी। प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक किशोर को ने कहा कि नीतीश कुमार बेहतर कानून व्यवस्था के लिए जाने जाते थे। लेकिन अब नीतीश कुमार का प्रशासन पर पकड़ ढीली होती जा रही है, और कानून का राज भी खत्म हो गया है, बिहार पुनः जंगल राज की ओर लौट रहा है। पूर्व विधायक ने परिजनों से बात करने के बाद पुलिस के उच्च अधिकारियों से भी बात की, अधिकारियों ने उन्हें बताया कि पुलिस अपना काम कर रही है, जल्द ही अपराधी गिरफ्तारी होंगे। उन्होंने कहा कि अपराध का तरीका बदल गया है, शराबबंदी के बाद क्राइम का ग्राफ बढ़ा है, छोटे-छोटे अपराधी मुखर हो गए हैं, नशा के लिए इस प्रवृत्ति के लोग कुछ भी करने को विवश है, अमरिंदर सिंह एवं शंभू सिंह की हत्या इसी का एक हिस्सा हो भी सकता है। पुलिस मामले की तहकीकात में जुटी हुई है, जल्द हीं दोहरे हत्याकांड का खुलासा होने की उम्मीद है। उन्होंने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि पुलिस अपराध को रोकने में विफल साबित हो रही है, कानून व्यवस्था के नाम पर नीतीश कुमार की सरकार पूरी तरफ फेल हो चुकी है। दोहरे हत्याकांड को लेकर उनके परिजनों से मिलने , जन सुराज पार्टी के प्रतिनिधिमंडल के साथ आए पूर्व आइएएस व जन सुराज पार्टी के प्रदेश कोषाध्यक्ष अरविंद कुमार सिंह ने कहा कि घटना स्थल पर हम लोग गए थे, हृदय विदारक यह घटना एकदम अमरिंदर सिंह के घर के करीब है, स्थानीय लोग भयभीत है, पुलिस प्रशासन से अब लोगों का विश्वास उठता जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रशांत किशोर व्यवस्था परिवर्तन की बात करते हैं, बिहार की स्थिति बद से भी बदतर होते जा रही है, ऐसी स्थिति में व्यवस्था परिवर्तन ही एकमात्र विकल्प है। पूर्व आईएएस अरविंद कुमार सिंह ने यह भी कहा कि सरकार के आला अधिकारियों से बात की है, अधिकारी पीड़ित परिवारों को न्याय की बात कर रहे हैं, इस हत्याकांड का निष्कर्ष जल्द निकलेगा। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाने के लिए जनसुरज पूरी तरह एकजुट है। प्रतिनिधि मंडल के साथ जन सुराज के प्रदेश नेता कन्हैया सिंह, जिला अध्यक्ष बच्चा राय, कमलेश सिंह एवं संतोष कुमार सहित पार्टी के अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

मौना बानगंज में शॉर्ट सर्किट से लगी आग में लाखों की संपत्ति जली

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा। नगर थाना क्षेत्र के मौना बानगंज शिव महल के पास बीती रात शॉर्ट सर्किट से लगी भीषण आगलगी में करीब 20 लाख से अधिक की संपत्ति जलकर राख हो गई। मिली जानकारी के अनुसार बासकीत नाथ साह उर्फ मंटु के दुकान महामाया इंटरप्राइजेज में देर रात्रि शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग गई। और देखते -देखते पूरे घर को चपेट में ले लिया, दुकान के ऊपर घर में सो रहे घरवाले धुआं देखा तो शोर मचाना शुरू किया और जान बचाकर भागे, फिर बिजली विभाग एवं फायर ब्रिगेड की सूचना दी गई। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की गाड़ी को आग बुझाने में 4 से 5 घंटे का समय लगा तब तक सभी सामान जलकर राख हो गए। महामाया इंटरप्राइजेज में प्लास्टिक बोरो का कारोबार होता है, और प्लास्टिक में तेजी से आग फैलने से विकराल रूप धारण कर लिया। इस आगलगी में प्लास्टिक के सामानों की भारी क्षति हुई है,इसके साथ एयर कंडीशन कूलर पंखा पलंग अलमारी कई कागजात जलकर राख हो गए। अभी तक प्रशासन की ओर से कुछ सहायता नहीं प्रदान की गई है।

विकसित कृषि संकल्प के तहत प्रशिक्षण में सैकड़ों किसान हुए शामिल

मशरक प्रखंड कृषि कार्यालय के सभागार में विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत रविवार को एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन हुआ. कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन वरीय कृषि वैज्ञानिक डॉ एस के राय,पौधा संरक्षक पदाधिकारी डॉ जीर विनायक, प्रखंड कृषि पदाधिकारी सुनील कुमार तिवारी, प्रखंड प्रमुख रवि प्रकाश सिंह मंटू एवम मशरक 20 सुत्री अध्यक्ष दुर्गेश गुप्ता ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया. कार्यशाला सह प्रशिक्षण शिविर में सुदृढ़ खेती हेतु सैकड़ों किसानों को प्रशिक्षण देते हुए जलवायु अनुकूल कृषि , जैविक खेती, प्राकृतिक खेती, पशुपालन एवं मत्स्य पालन, खरीफ फसल धान, मक्का,मरूआ की उच्च किस्म बीज की जानकारी दी गयी. और खेती के तौर तरीके बताए गए. कृषि वैज्ञानिको ने अच्छी पैदावार के लिए सही समय पर सब्जी की खेती करने और कीटो की पहचान कर कीटनाशक देने की तरकीब बतायी गयी. वही जीविका दीदी सहित अन्य गणमान्य लोगो को फलदार पौधे देकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया. मौके पर कृषि समन्वयक मनोज तिवारी,राम कुमार सिंह, मुकेश ओझा, ओमप्रकाश सिंह, कृषि सलाहकार अजित कुमार,विनय कुमार के अलावे किसान विपिन बिहारी सिंह, धीरज कुमार सिंह,कामेश्वर सिंह, महेश सिंह और जीविका दीदी मधुमाला देवी,बविता देवी, इन्दु देवी,लालती देवी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

कट्टा के साथ युवक गिरफ्तार, गया जेल

प्रात: किरण संवाददाता

दरियापुर ।स्थानीय थाना क्षेत्र के धर्मांगत गांव स्थित एक घर में पुलिस ने शनिवार की देर रात दलबल के साथ छापेमारी कर छुपा कर रखा हुआ देसी कट्टा बरामद किया ।वहीं पुलिस ने मौके से कट्टा रखने के आरोप में 17 वर्षीय युवक नीतीश कुमार को गिरफ्तार कर लिया ।इंस्पेक्टर सह थानाध्यक्ष कामेश्वर प्रसाद ने बताया कि सअनि इंद्रजीत कुमार पुलिस बल के साथ शनिवार की देर रात गश्त में निकले थे ।इसी बीच उनको सूचना मिली कि धर्मांगत गांव के सुचिंद्र राय का पुत्र नीतीश कुमार अपने घर में देसी कट्टा छुपा कर रखा है।

इसके बाद सअनि इंद्रजीत कुमार पुलिस बल के साथ सुचिंद्र राय के घर पर पहुंच गए ।फिर घर की तलाशी शुरू की ।तलाशी के दौरान एक कमरे में रखे टीवी के पीछे छुपा कर रखा देसी कट्टा बरामद हुआ ।पुलिस को देखते ही नीतीश कुमार भागने की कोशिश करने लगा ।जिसे पुलिस बल ने खदेड़ कर पकड़ लिया ।पुलिस गिरफ्तार नीतीश कुमार का अपराधिक इतिहास खंगाल रही है।

वारदात : अपराधियों ने बालू कारोबारी की हत्या कर शव को नहर में फेंका, लोगों में दहशत

- घटना के बाद अपराधियों के विरुद्ध तत्वरित कार्रवाई में जुटी पुलिस
- परिजनों ने कहा हर दिन शाम को निकला था घर से, लेकिन शनिवार को नहीं लौटा
- धारूपुर गांव का करियवा बाल बना अपराधियों के लिए सुरक्षित जोन

प्रातः किरण संवाददाता

बिक्रमगंज (रोहतास) थाना क्षेत्र के बिक्रमगंज नगर परिषद क्षेत्र के धारुपुर सूर्यमंदिर समीप बथानी गांव के नहर से एक युवक के शव मिलने से लोगों में अफरा तफरी मच गई। जो दिल दहला देने वाली इस वारदात अब लोगों में भय कायम है। बताया जाता हैं कि मृतक धारुपुर गांव निवासी रामेश्वर यादव उर्फ रोहन यादव का छोटा 25 वर्षीय बेटा सुशील यादव उर्फ भूअर यादव है। जो घटित घटना शनिवार की देर रात की होने की अनुमान लगाई जा रही है।

मृतक सुशील अपना एक ट्रैक्टर रख बालू का कारोबार करता था। वह प्रतिदिन शाम को गांव के बाहर नहर पुल पर जाता था और देर शाम घर लौटता था। लेकिन हर दिन की तरह शनिवार को भी वह वहां गया था। इसके बाद देर रात तक घर नहीं लौटा।

मृतक और उनके बड़े भाई जो अलग अलग रहते हैं। मृतक के घर उसकी पत्नी और दो मासूम बच्चें जिनकी उम्र महज 5 से 3 वर्ष ही हैं।

मृतक सुशील गांव के पुल पर हमेशा बैठता था देर रात तक :

बताया जाता है कि मृतक हमेशा गांव के स्थित उस पुल के पास जाता था और देर रात तक बैठता था। लेकिन शनिवार को गया तो वापस नहीं लौटा। जिसकी रविवार को मिलने की सूचना उसके मौत की खबर के साथ मिली। बताया जाता हैं कि रविवार की सुबह गांव के लोग जब शौच के लिए निकले थे तभी उनकी नजर नहर में फेंकी हुई शव पड गई। जिसकी पहचान होते ही उन्होंने इसकी सूचना उनके परिजनों को दी। जिसकी बाद परिजनों सहित गांव के लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। जहां शव के पास परिजन दहाड़ मार रोने लगे। दूसरी तरफ मृतक के शरीर पर कई जख्म मिले जिससे प्रतीत हुआ कि युवक की हत्या रड या कठोर लाठी या किसी अन्य सामान से हमला कर की गई है। वही घटना स्थल से मृतक सुशील का मोबाइल और बाइक घटनास्थल से ही बरामद हुई है। घटना की सूचना मिलते ही बिक्रमगंज एसडीपीओ कुमार संजय और थानाध्यक्ष ललन कुमार ने घटनास्थल पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेते हुए कानूनी कार्रवाई के लिए जांच में जुट गए है।

वही पुलिस ने शव का पंचनामा कर उसे पोस्टमार्टम के लिए जिला सदर अस्पताल सासाराम भेज दिया। इस संबंध में एसडीपीओ कुमार संजय ने बताया कि पुलिस घटना की गहन जांच कर रही है और शीघ्र ही इस वारदात में संलिप्त अज्ञात अपराधियों की उद्भेदन की संभावना है। युवक की हत्या के पीछे किसका साजिश हैं पुलिस इसका पता लगाने में जुटी गई है।दूसरी तरफ देखा जाए तो इस क्षेत्र में अपराधियों ने अन्य कई हत्या जैसे घटना को वारदात दे चुके है। जो स्थानीय पुलिस के लिए भी एक बड़ी चुनौती बन गई हैं।

विधानसभा चुनाव को लेकर ईवीएम की जांच

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। भोजपुर जिले में आगामी बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 के लिए ईवीएम वीवीपैट की प्रथम स्तरीय जाँच का कार्य आरा स्थित वेयरहाउस में शुरू हो गया है। यह प्रक्रिया भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार की जा रही है। इस प्रक्रिया में ईसीआईएल कंपनी, हैदराबाद के 14 अभियंताओं की टीम भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में कार्य कर रही है। एफएलसी हॉल में मोबाइल ले जाना पूर्णतः वर्जित है, और प्रवेश से पूर्व फ्रिस्किंग की जा रही है। केवल अधिकृत पहचान पत्र वाले प्रतिनिधियों, पदाधिकारियों, कर्मियों और श्रमिकों को प्रवेश की अनुमति है। पहले दिन, भारत निर्वाचन आयोग द्वारा प्रतिनियुक्त प्रेक्षक संजय श्रीवास्तव उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, मध्यप्रदेश सह ईवीएम स्टेट नोडल अधिकारी एवं जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिला पदाधिकारी तनय सुल्तानिया द्वारा स्थल पर पहुँचकर निरीक्षण किया गया। प्रत्येक दिन यह कार्य प्रातः 9:00 बजे से अपराह्न 7:00 बजे तक किया जा रहा है। यह प्रक्रिया अवकाश के दिनों में भी बिना किसी अवरोध के जारी रहेगी। हॉल में नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है, जहाँ से एफएलसी की पूरी प्रक्रिया की लाइव वेबकास्टिंग की जा रही है। इस वेबकास्टिंग के माध्यम से भारत निर्वाचन आयोग, निर्वाचन विभाग, बिहार पटना एवं जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा कार्य की सतत निगरानी की जा रही है। सुविधा हेतु एफएलसी हॉल में मेडिकल टीम एवं सहायता केंद्र की भी व्यवस्था की गई है। सम्पूर्ण कार्य जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी सह अपर समाहर्ता के पर्यवेक्षण में संपन्न हो रहा है, जबकि जिला पंचायत राज पदाधिकारी को नोडल पदाधिकारी नामित किया गया है। निरीक्षण के दौरान अपर समाहर्ता सह जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी, उप निर्वाचन पदाधिकारी, नोडल पदाधिकारी, अवर निर्वाचन पदाधिकारी आदि थे।

कैट बिहार को प्रधानमंत्री का स्वागत करने का मौका मिला : अशोक

प्रातः किरण संवाददाता

विक्रमगंज (सासाराम) की धरती पर 30 मई को भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का स्वागत करने का सौभाग्य कन्फेडरेशन ऑफ आल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) बिहार को मिला।

बिहार में बहुत सारी व्यवसायिक संगठनों के रहते हुए देश के छोटे एवं मझोले संगठन कैट बिहार को यह मौका माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी को आगमन पर स्वागत करने का सौभाग्य मिला इससे बिहार समेत देश भर के व्यापारियों ने माननीय प्रधानमंत्री जी का आभार व्यक्त किया।माननीय प्रधानमंत्री जी का आपरेशन सिंदूर के बाद पहली यात्रा बिहार की थी और बिहार में ही उन्होंने पाकिस्तान को चेतावनी भी दिया था और जिन बहनों का सिन्दूर आतंकवादियों ने उजाड़ा था हमारे वीर जवानों ने आतंकवादियों को उजाड़ दिया।कैट सासाराम महिला अध्यक्ष डा प्रीति पांडेय व सासाराम उपाध्यक्ष सचिन कुमार सिंह को भी स्वागत करने का मौका मिला ।

भोजपुर महिला कला केंद्र 32वां स्थापना दिवस समारोह एवं भोजपुरी पेंटिंग एवं नेतृत्व क्षमता विकास प्रशिक्षण का उद्घाटन समारोह का आयोजन

प्रातः किरण संवाददाता

भोजपुर। महिला कला केंद्र ने अपने 32वें स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर एक भव्य समारोह का आयोजन किया। इस समारोह का आयोजन अबर पुल कार्यालय आरा में किया गया, जिसमें स्थानीय महिलाओं, किशोरियों, समाजसेवियों एवं कला प्रेमियों की उपस्थिति रही।

स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में भोजपुरी पेंटिंग एवम् नेतृत्व क्षमता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का भी शुभारंभ किया गया, जिसका उद्घाटन भोजपुर महिला कला केंद्र के सचिव सह माननीय राष्ट्रपति महोदय द्वारा नारी शक्ति सम्मान से सम्मानित श्रीमती अनिता गुप्ता,गीता देवी कोषाध्यक्ष,रूपा देवी,कुसुम देवी,रीता देवी,शहनाज खातुन,निकहत प्रवीण के संयुक्त द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया।सचिव श्रीमती अनिता गुप्ता जी ने संस्थान की 32 वर्षों की यात्रा को प्रेरणादायक बताया और उपस्थित सभी अतिथियों, प्रशिक्षकों व प्रतिभागियों का स्वागत किया।श्रीमती अनिता गुप्ता ने अपने वक्तव्य में कहाःह्लभोजपुर महिला कला केंद्र का यह 32 वर्षों का सफर समाज की हर वर्ग की महिलाओं को मुख्यधारा में लाने का प्रयास रहा है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम न केवल कला सिखाएगा बल्कि आत्मबल, निर्णय क्षमता और नेतृत्व के गुण भी विकसित करेगा प्रशिक्षण की अवधिः 1 जून 2025 से 30 जून 2025समयः प्रतिदिन प्रातः 10:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तकस्थानः भोजपुर महिला कला केंद्र, आरा कार्यालयप्रशिक्षकः कुशल लोक कलाकार एवं नेतृत्व विशेषज्ञप्रतिभागीः किशोरियाँ, युवा महिलाएँ, गृहिणियाँ (60 प्रतिभागी 30 किशोरी 30 महिलाओं)प्रतिभागियों ने इस अवसर पर अपनी उत्सुकता और आभार व्यक्त किया। कई महिलाओं ने कहा कि यह प्रशिक्षण उन्हें न केवल एक नई कला सिखाएगा बल्कि आत्मनिर्भर बनने में मदद करेगा।

भविष्य की योजनाएँ

प्रशिक्षण के उपरांत प्रतिभागियों की एक प्रदर्शनी और प्रस्तुति का आयोजन किया जाएगा।चयनित प्रतिभागियों को आगे प्रशिक्षण देने और सरकारी योजनाओं से जोड़े जाने की योजना है।

भोजपुरी लोक कला को राष्ट्रीय मंच पर लाने के लिए प्रयास जारी रहेगा।

समापन और धन्यवाद ज्ञापन

अंत में सचिव महोदया ने सभी प्रशिक्षकों, स्वयंसेवकों, उपस्थित अतिथियों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया और संस्थान के सतत विकास की कामना की। कार्यक्रम का समापन सामूहिक गीत के साथ हुआ।

प्रदेश अध्यक्ष जयसवाल के नई टीम के साथ विधानसभा चुनाव का होगा शंखनाद

- अटूट धागे में भाजपा टीम को जोड़ने के लिए प्रदेश अध्यक्ष को डॉ. मनीष ने दी बधाई

प्रात : किरण संवाददाता

बिक्रमगंज (रोहतास) विधानसभा चुनाव से पहले ही भाजपा ने बनाई विशेष रणनीति।जिसको लेकर भाजपा बिहार प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जयसवाल ने शनिवार को पार्टी की प्रदेश इकाई की नई टीम का ऐलान करते हुए पार्टी संगठन में विशेष फेरबदल कर नए टीम का ऐलान किया। को नई सूची में 35 नेताओं को विभिन्न अहम पदों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। पार्टी की आगामी चुनावी रणनीति और संगठन विस्तार की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। जो गठित नई टीम के अंतर्गत रणनीतिक पदों पर प्रभावशाली एवं अनुभवी के साथ पुराने चेहरों को प्राथमिकता मिली है। पार्टी में 13 प्रदेश उपाध्यक्ष,14 प्रदेश मंत्री, 5 प्रदेश महामंत्री, एक कोषाध्यक्ष एवं दो सह कोषाध्यक्ष के नामों की घोषणा की गई है। वही महिला मोर्चा के दो पूर्व प्रदेश अध्यक्षों को पार्टी ने पदोन्नति दी है। इस पर काराकाट विधानसभा के भाजपा नेता डॉ. मनीष रंजन ने हर्ष व्यक्त करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जयसवाल को भाजपा की नई टीम की गठन पर उन्हें हार्दिक बधाई दी। साथ ही नए टीम में शामिल सदस्यों में शिवेश कुमार प्रदेश महामंत्री, राजेंद्र वर्मा प्रदेश महामंत्री, सिद्धार्थ शंभू प्रदेश उपाध्यक्ष, राजेंद्र सिंह प्रदेश उपाध्यक्ष, त्रिविक्रम नारायण सिंह प्रदेश मंत्री, अजय यादव प्रदेश मंत्री, अशोक वट क्षेत्रीय सह शाहाबाद प्रभारी के प्रति भी डॉ. मनीष ने आभार जताते हुए कहा कि भाजपा की यह नई टीम आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर संगठन को नई ऊर्जा देने और जमीनी स्तर पर पार्टी को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम हैं।

रोहतास और नौहट्टा में अखिल भारतीय सुढ़ी वैश्य संगठन की हुई बैठक

अभय आर्या

रोहतास। अखिल भारतीय सुढ़ी (वैश्य) संगठन बिहार के बैनर तले रोहतास और नौहट्टा सभागार में बैठक की गई। जिसकी अध्यक्षता जिला महामंत्री सोमनाथ गुप्ता और संचालन कमलेश गुप्ता ने किया। बैठक में आगामी आठ जून को सुढ़ी (वैश्य) समाजिक एकता, राजनैतिक भागीदारी, शैक्षणिक और बिहार के अति पिछड़ा वर्ग में समाजिक शामिल करने और महारैली में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने और तैयारियों को लेकर संगठन के सदस्यों के साथ चर्चा हुई। साथ ही डोर टू डोर जाकर आमंत्रण पत्र सौंपा गया।

मौके पर कृष्णा प्रसाद, सोमनाथ गुप्ता, भगतमाल प्रसाद, राजेंद्र प्रसाद, बैजनाथ प्रसाद, प्रवीण कुमार, देव प्रसाद साह, बसंत प्रसाद, प्रमोद प्रसाद, अजय गुप्ता, शिवनाथ साह, राम पुकार साह, योगेंद्र प्रसाद, रजनीश गुप्ता, सत्यम गुप्ता, मितेश गुप्ता, गोपाल प्रसाद, संजीव गुप्ता, महेंद्र प्रसाद, विशाल देव, महेंद्र प्रसाद, मिथिलेश गुप्ता, विजय गुप्ता, घनश्याम प्रसाद, छोटू गुप्ता, अंकित गुप्ता, अजीत कुमार, गोपाल प्रसाद आदि थे।

स्वदेशी जागरण मंच दक्षिण निहार द्वारा आयोजित हो रहा प्रान्तीय आयोजन

आरा। स्वदेशी जागरण मंच आरा ने दो दिवसीय प्रांतीय विचार वर्ग 21-22 जून 2025 की तैयारी के लिये संघ कार्यालय आरा में बैठक किया । जिसमें देश के वर्तमान चुनौती पूर्ण समय में स्वदेशी जागरण मंच के क्षेत्रीय संगठन मंत्री श्री अजय कुमार ने विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार का घोषणा कियाऔर यह भी कहा कि भारत के बाजार में चीन का 67% कब्जा हो गया है जिसे मुक्त कराने के लिये चायना मुक्त भारत का संकल्प लेना होगा और मल्टीनेशनल अमेरीका, तुर्की कंपनियों का वहिष्कार आवश्यक हो गया। इसी परिपेक्ष्य में दक्षिण विहार के 17जिलों से सैकड़ो स्वदेशी कार्यकर्ता अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के दिन आ रहे है जो दो दिनों में 8 सत्रों के द्वारा चलने वाले प्रांतीय विचार वर्ग में पूर्ण स्वदेशी का संकल्प लिया जाएगा।संगठन मंत्री ने कहा कि अब स्वदेशी कार्यकताओं के द्वारा स्वदेशी विदेशी का पत्रक दुकान दुकान , गांव गांव , घर पर पहुंचाने की तैयारी शुरू हो गया है ।इस बैठक में रामेश्वर मिश्र ,रामनाथ ठाकुर , यशवंत सिंह,राज बहादुर सिंह ,राजीव रंजन राय ,नीरज मिश्र ,भीम शाह पीयूष पांडे उपस्थित रहे ।

सुढ़ी अधिकार महासम्मेलन को सफल बनाने को लेकर कार्यक्रम का हुआ आयोजन

इस बार सुढ़ी जाति का महाकुंभ इतिहास रचेगा: समीर कुमार महासेठ

अभय आर्या

पटना/मधुबनी। शहर के एक निजी होटल के सभागार में वैश्य सुढ़ी समाज के द्वारा अपने पूर्वजों की पुण्य स्मृति,संगठन की मजबूती एवं 8 जून को पटना के बापू सभागार में होने वाले सुढ़ी अधिकार महासम्मेलन को सफल बनाने हेतु एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संगठन के जिलाध्यक्ष विष्णु कुमार राउत द्वारा की गई। वही कार्यक्रम का संचालन संयोजक सह कार्यकारी अध्यक्ष नागेन्द्र राउत ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक एवं पूर्व मंत्री समीर महासेठ के अलावा विधायक अरुण शंकर प्रसाद, पूर्व विधान पार्षद बैद्यनाथ प्रसाद, पूर्व विधायक केदार प्रसाद, नेपाल सरकार के विधायक सुरीता कुमारी साह एवं अन्य कई के साथ सुड़ी समाज के सैकड़ों गणमान्य लोगो की मौजूदगी रही। कार्यक्रम की शुरूआत में सुड़ी समाज के लोगों ने अपने पूर्वजों स्वर्गीय रामकृष्ण पूर्वे, गोकुल मथुरा, रामजी कारक, धर्मप्रिय लाल, राजकुमार महासेठ, बलदेव पूर्वे एवं अन्य के पुण्यस्नृति में उन्हें याद किया। इसके साथ ही आगत अतिथियों के द्वारा उनके तैल चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। वही आगत अतिथियों का स्वागत मिथिला के परम्परा के अनुसार सुढ़ी वैश्य समाज के पदाधिकारियों द्वारा किया गया। इसके उपरांत कार्यक्रम का उद्घाटन आगत अतिथियों के द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम में स्वागत भाषण संगठन के संरक्षक हनुमान राउत एवं जिलाध्यक्ष बिष्णु कुमार प्रसाद राउत द्वारा किया गया।संगठन के संरक्षक हनुमान प्रसाद राउत ने बताया कि संगठन द्वारा आगामी कार्यक्रम का कई प्रस्ताव पूर्व विधानसभा प्रत्याशी अरविंद पूर्वे, संगठन के प्रमंडलीय मीडिया प्रभारी संतोष सम्राट एवं महिला प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष दीप्ति राउत दिया गया। वही प्रस्ताव का समर्थन रूपेश राउत एवं कमलेश कारक के द्वारा किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि अपने अधिकार एवं हक के लिए पटना के बापू सभागार में 08 जून को होने वाले सुढ़ी अधिकार महासम्मेलन में भारी संख्या में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करे एवं अति पिछड़ा जाति में सुढ़ी जाति को शामिल करने की मांग हेतु अपनी आवाज बुलंद करे। कार्यक्रम में मधुबनी जिला के अलावा बिहार के कई जिलों के सुढ़ी समाज के गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही।

पटना के बापू सभागार में आयोजित सुढ़ी अधिकार महासम्मेलन में अधिक से अधिक होगी दिघवारा की भागीदारी

- 8 जून को आयोजित महासम्मेलन की सफलता के लिए बैठक आयोजित कर लोगों से की जा रही है अपील
- सूढी समाज को अतिपिछड़ा वर्ग में शामिल करना ही है महासम्मेलन की मुख्य मांग

अभय आर्या

छपरा/ दिघवारा। पटना के गांधी मैदान के समीप स्थित बापू सभागार में आगामी 8 जून को आयोजित होने वाले सूढ़ी अधिकार महासम्मेलन में भाग लेने के लिए दिघवारा में इस समाज के लोगों के बीच संपर्क अभियान चलाया जा रहा है एवं अधिक से अधिक संख्या में महासम्मेलन में भाग लेने के लिए लोगों से अपील की जा रही है.इसको लेकर पूर्व में कई बार बैठकों का आयोजन हो चुका है जिसमें समाज के लोग महासम्मेलन में भाग लेने के लिए अपनी अपनी सहमति दे चुके हैं. अखिल भारतीय सूढ़ी संगठन बिहार के प्रमंडलीय सह संयोजक सीताराम प्रसाद के आवासीय परिसर में इसको लेकर कई बार बैठकों का आयोजन हो चुका है जिसमें समाज से जुड़े कई प्रबुद्ध लोग शामिल हुए है.बैठक में शामिल लोगों से महासम्मेलन को सफल बनाने में अपेक्षित सहयोग देने की अपील की गई है.संगठन के जिला संयोजक मोहन शंकर प्रसाद ने बताया कि अधिकार महासम्मेलन के आयोजन का उद्देश्य सामाजिक, राजनीतिक, शैक्षणिक और आर्थिक मजबूती प्राप्त करने के साथ-साथ सूढ़ी समाज को अतिपिछड़ा वर्ग में शामिल करने एवं समाज की राजनीतिक भागीदारी सुनिश्चित करना है.

प्रखंड अध्यक्ष रमेश वैश्य ने कहा कि सूढ़ी समाज को अति पिछड़ा वर्ग में शामिल करने की मांग लंबे समय से चली आ रही है और समाज के लोगों द्वारा एकजुटता दिखाए जाने पर ही सरकार इस दिशा में कोई निर्णय लेगी. उन्होंने समाज के लोगों से अधिक से अधिक संख्या में सूढ़ी अधिकार महासम्मेलन में भाग लेने की अपील की. बैठक में महाराज शरण,संजीव शरण, सूर्यनारायण प्रसाद, राममूर्ति, रत्नेश प्रसाद,अवधेश भक्त, ब्रजकिशोर प्रसाद आदि कई लोग शामिल हुए.

लोक जनशक्ति पार्टी के नव संकल्प महासभा का रमना मैदान में होगा भव्य आयोजन : सोनू

डेहरी ऑन सोन (रोहतास) लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास द्वारा आयोजित नव संकल्प महासभा में 8 जून को पूरे रोहतास जिला सहित डेहरी विधानसभा क्षेत्र से हजारों की संख्या में महिला पुरुष भोजपुर जिला के आरा मुख्यालय स्थित रमना मैदान में शामिल होंगे। जिसके लिए लोजपा रामविलास के प्रदेश महासचिव सह प्रवक्ता व डेहरी विधानसभा के जाने माने समाजसेवी राजीव रंजन सिंह उर्फ सोनू सिंह पूरी तैयारी में लग गए हैं। उन्होंने बताया कि पूरे रोहतास जिले से 8 जून रविवार को सुबह में छोटे बड़े कई वाहनों से हजारों लोग आरा के रमना मैदान में शामिल होने जाएंगे। सोनू सिंह ने पूरे रोहतास जिला वासियों अभिभावकों युवा साथियों नौजवानों माताओं बहनों से अधिक से अधिक संख्या में नव संकल्प महासभा में शामिल होने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि नव संकल्प महासभा में लोजपा रामविलास के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान भव्य महासभा को कार्यकताओं के बीच संबोधित करेंगे।

जनता की समस्या को जानने के लिए करेंगे जन संवाद कार्यक्रम : गुड्डू बबुआन

आरा। भाजपा नेता गुड्डू सिंह बबुआन ने स्थानीय होटल में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए कहा कि आरा विधानसभा क्षेत्र के शहरी एवं ग्रामीण इलाकों में जनता की समस्या को जानने एवं उस समस्या के समाधान हेतु जन संवाद कार्यक्रम करेंगे। इन्होंने बताया कि पहले चरण में 3 जून से 15 जून तक आरा शहरी क्षेत्र के हर वार्ड में बैठक कर लोगो से मिलकर उनकी समस्या को जानेंगे और उस समस्या का समाधान कैसे हो इस पर चर्चा करेंगे। इन्होंने बताया कि प्रथम चरण में जितनी भी समस्या लोगो द्वारा दी जाएगी उसके समाधान हेतु हर सम्भव प्रयास करेंगे, अगर जरूरत पड़ी तो सरकार के हमारे जो भी जनप्रतिनिधि है उन तक बात पंहुचा कर उस समस्या का समाधान करवाने का हरसम्भव प्रयास करेंगे। शहरी क्षेत्र के बाद आरा विधानसभा के ग्रामीण क्षेत्र में भी हर गाँव मे जाकर लोगो से समस्या पर चर्चा करेंगे और उनकी भी समस्या को निराकरण कराने का काम करेंगे। इन्होंने कहा कि राजनीति हमारे लिए ब्यवसाय नही बल्कि सेवा का माध्यम है और लोगो की सेवा करना ही हमारा मुख्य धर्म है।प्रेस वार्ता में मुख्य रूप से सौदागर बिंद, लाला यादव,चंदन पासवान, राधे पासवान,प्रियांशु श्रीवास्तव, लाली कुशवाहा समेत कई थे।

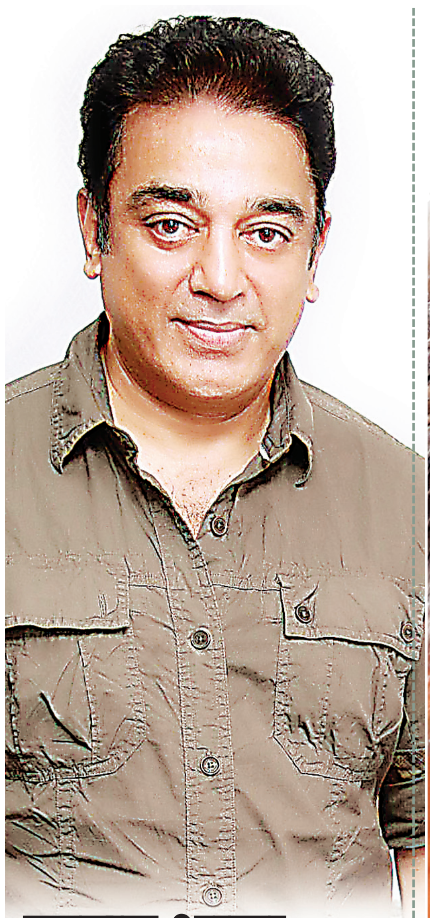

कन्नड़ भाषा विवाद पर बोले कमल हासन

'मुझे पहले भी बहुत धमकियां मिली हैं। अगर मैं गलत हूं तो मैं माफी मांग लूंगा और अगर मैं गलत नहीं हूं तो नहीं मांगूंगा।' ये कहना है तमिल एक्टर और मक्कल निधि मय्यम पार्टी के अध्यक्ष कमल हासन का। कमल एक बार फिर से अपने कन्नड़ भाषा को लेकर दिए गए बयान को लेकर विवादों में हैं। तमिल अभिनेता कमल हासन ने कन्नड़ भाषा को लेकर दिए गए अपने कथित बयान पर अब चुप्पी तोड़ दी है। हाल ही में उनके एक बयान को लेकर विवाद हो गया, जिसके चलते कुछ कन्नड़ समर्थक संगठनों ने उनकी आने वाली फिल्म के बहिष्कार की धमकी दी है। कन्नड़ भाषा को लेकर दिए गए एक कथित बयान पर नाराजगी जाहिर करते हुए इन समूहों ने हासन से माफी की मांग की थी। हालांकि, इस पूरे मामले में कमल हासन ने अपनी चुप्पी तोड़ते हुए साफ किया कि उन्होंने कुछ भी गलत नहीं कहा है और अगर ऐसा कोई बयान साबित होता है जिससे किसी की भावनाएं आहत हुई हों, तो वह माफी मांगने में नहीं हिचकिचाएंगे। लेकिन अगर उन्होंने कुछ गलत नहीं कहा है, तो वो अपने बयान पर अडिग रहेंगे।

चेन्नई में मीडिया से बातचीत करते हुए हासन ने कहा, 'यह एक लोकतंत्र है। मैं कानून और न्याय में विश्वास रखता हूं। मेरा कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और केरल से गहरा जुड़ाव रहा है, जिसे कोई झुठला नहीं सकता। सिर्फ वो लोग ही मेरे इरादों पर शक कर सकते हैं जिनका कोई निजी एजेंडा है।' उन्होंने यह भी बताया कि उन्हें पहले भी कई बार धमकियां मिल चुकी हैं, लेकिन उन्होंने कभी डर के आगे झुकने का रास्ता नहीं चुना। इस बार भी वो सच के साथ खड़े हैं और तथ्यों के आधार पर ही कोई फैसला लेंगे।

ठग लाइफ का हो रहा विरोध

ये पूरा मामला तब शुरू हुआ जब अपनी अपकमिंग फिल्म ठग लाइफ के प्रमोशन में बिजी कमल हासन ने कुछ ऐसा कह दिया जिसके बाद उनकी फिल्म का विरोध हो गया। दरअसल, फिल्म के प्रमोशन के दौरान कमल हासन ने ऐसा बयान दिया, जिसे लेकर काफी विवाद खड़ा हो गया है। उन्होंने कहा था कि कन्नड़ भाषा की उत्पत्ति तमिल से हुई है। इस टिप्पणी को लेकर कन्नड़ भाषी समुदाय में नाराजगी है और इसी के चलते अभिनेता के खिलाफ आधिकारिक शिकायत दर्ज की गई।

राधिका आप्टे ने की सिस्टर मिडनाइट की तारीफ

अभिनेत्री राधिका आप्टे जल्द ही करण कंधारी की फिल्म सिस्टर मिडनाइट में नजर आएंगी। अभिनेत्री ने अपकमिंग फिल्म की तारीफ करते हुए बताया कि जब उन्होंने पहली बार स्क्रिप्ट पढ़ी, तो उन्हें लगा कि यह एक ऐसी फिल्म है जिसमें प्रयोग करने का मौका मिलेगा। यह ऐसी फिल्म है जो कुछ नया सिखाती है। उन्होंने कहा, मेरे हाथ में जब कहानी आई तो मुझे यह बहुत रोमांचक लगा। करण ने बिना किसी अन्य चीज के बारे में सोचे, बिल्कुल वही लिखा जो वह बनाना चाहते थे। इसमें बहुत कम संवाद हैं। मुझे लगा कि यह एक ऐसी फिल्म है जिसमें आपको प्रयोग करने का मौका मिलता है, इसमें कुछ नया करने का मौका मिलेगा, और सीखने का भी मौका मिलेगा।

राधिका के साथ काम करने के अपने अनुभव को साझा करते हुए, करण कंधारी ने बताया, यह किसी कलाकार के साथ मेरा अब तक का सबसे बेहतरीन रिश्ता और सहयोग था। यह सेट पर सबसे अच्छे दोस्त होने जैसा था। उन्होंने कहा, मैं जिस तरह के प्रदर्शन की तलाश में रहता हूं, वह काफी विशिष्ट है। यह सब व्यवहारिक है। राधिका के साथ, मेरा काम लगातार खुद को नए अवसर के साथ तराशने जैसा है। करण कंधारी द्वारा निर्देशित और लिखित सिस्टर मिडनाइट में राधिका के साथ अशोक पाठक, छाया कदम, स्मिता तांबे और नव्या सावंत मुख्य भूमिकाओं में हैं। सिस्टर मिडनाइट को बाफ्टा अवार्ड्स 2025 में आउटस्टैंडिंग ब्रिटिश डेब्यू के लिए नामांकन मिला। इसके अलावा, इस प्रोजेक्ट को कान्स 2025 के दौरान डायरेक्टर्स फोर्टनाइट में गोल्डन कैमरा अवार्ड के लिए भी नामांकित किया गया। मुंबई के शहरी जीवन की पृष्ठभूमि पर आधारित सिस्टर मिडनाइट 30 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। राधिका आप्टे हिंदी के साथ ही तमिल, मराठी, मलयालम, तेलुगू, बंगाली और अंग्रेजी भाषा की फिल्मों में भी काम कर चुकी हैं।

लोग मुझे टीवी एक्ट्रेस कहें तो फर्क नहीं पड़ता

एक्ट्रेस रिद्धि डोगरा अब तक कई स्ट्रॉन्ग और असरदार किरदार कर चुकी हैं - जैसे टीवी शो 'मर्यादा' या फिर ओटीटी पर 'द मैरिड वुमन' और 'असुर'। लेकिन उनका एक सपना है, जो आज भी अधूरा है, एक वॉरियर रानी का रोल करना। वो चाहती हैं कि उन्हें ऐसा किरदार मिले जो भले ही इतिहास में कहीं खो गया हो, लेकिन जिसकी कहानी बहुत ही दमदार हो।

'ऐसी रानी बनना चाहती हूं, जिसकी कहानी अब तक सामने नहीं आई'

बातचीत में रिद्धि ने कहा, मैं ऐसी योद्धा रानी का रोल करना चाहती हूं जिसने कुछ बड़ा किया हो, लेकिन उसकी कहानी लोगों को पता ही नहीं है। सिर्फ तलवारबाजी या एक्शन ही नहीं, मैं उस किरदार की सोच, उसके इमोशंस और उसकी ताकत को भी दिखाना चाहती हूं।

मैंने किरदारों की लिस्ट भी बनाई है

रिद्धि इस सपने को लेकर गंभीर हैं। उन्होंने बताया, मैंने अब तक करीब 7 ऐसे किरदारों पर रिसर्च किया है जिनका जिक्र इतिहास में है, लेकिन शायद किसी फिल्म या शो में उन्हें जगह नहीं मिली। मुझे बस एक मौका चाहिए। कोई कहे कि हां, ये रोल तेरे लिए है। मैं ऐसा रोल करना चाहती हूं जो दिल और दिमाग दोनों पर असर डाले।

रानी लक्ष्मीबाई से बहुत जुड़ाव है

इतिहास की कई रानियों की कहानियां रिद्धि ने पढ़ी हैं, लेकिन रानी लक्ष्मीबाई उन्हें सबसे ज्यादा इंस्पायर करती हैं। वो सिर्फ एक योद्धा नहीं थीं, वो एक मां थीं, पत्नी थीं और लीडर भी। उनकी बहादुरी और समझदारी आज भी इंस्पायर करती है। अगर कभी उनका रोल करने का मौका मिला, तो मैं उसे पूरी शिद्दत से निभाऊंगी।

लोग मुझे टीवी एक्ट्रेस कहते हैं, कोई बात नहीं

रिद्धि ने करियर की शुरुआत टीवी से की थी, लेकिन अब वो ओटीटी और फिल्मों में लगातार काम कर रही हैं। अभी भी कई लोग मुझे सिर्फ टीवी एक्ट्रेस कहते हैं, जबकि मैं अब ओटीटी और फिल्मों में भी एक्टिव हूं। लेकिन मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। मेरे लिए काम अच्छा और दमदार होना चाहिए, बस।

हर रोल में अपना दिल लगाया है

रिद्धि ने आगे कहा, मैंने जो भी काम किया, उसमें पूरी मेहनत और ईमानदारी लगाई। कभी-कभी रिजल्ट वैसा नहीं आता जैसा हम सोचते हैं, लेकिन मैंने हमेशा अपना 100त्न दिया है।

कॉमिक बुक में भी नजर आऊंगी

हाल ही में रिद्धि एक कॉमिक बुक 'लकड़बग्घा – द प्रोलॉग' के लॉन्च इवेंट में पहुंचीं। ये बुक 2023 में आई फिल्म लकड़बग्घा पर बेस्ड है। मुझे बताया गया कि मैं इस कॉमिक बुक की पहली फीमेल एक्टर हूं। ये बात सुनकर मुझे बहुत अच्छा लगा। मेरे लिए ये बहुत गर्व की बात है।

'केजीएफ' मेकर्स संग फिल्म करेंगे ऋतिक रोशन

'केजीएफ 1', 'केजीएफ 2', 'सलार पार्ट 1' और 'कंतारा' जैसी फिल्में बना चुके होम्बले फिल्म्स अब ऋतिक रोशन के साथ फिल्म बनाने वाली है। यह एक पैन इंडिया फिल्म होगी, जो कई भाषाओं में रिलीज होगी। इस फिल्म को लेकर ऋतिक रोशन भी एक्साइटेड हैं।

मेकर्स और ऋतिक साथ आकर हैं खुश

होम्बले फिल्म्स के फाउंडर विजय किरगंदूर ने कहा, 'हम इस साझेदारी से बहुत खुश हैं। होम्बले फिल्म्स में हमारा मकसद ऐसी कहानियां पेश करना है जो इंस्पायर करें। ऋतिक रोशन के साथ जुड़ना हमारे उसी विजन की ओर एक अहम कदम है। हमारा मकसद एक ऐसी फिल्म बनाना जहां इंटेंसिटी, इमेजिनेशन ग्रैंड स्केल पर मिलें। हम दर्शकों को एक ऐसा अनुभव देने के लिए कमिटेड हैं जो दमदार भी हो और यादगार भी। ऋतिक रोराश का भी कहना है, 'होम्बेल पिछले कुछ सालों में कुछ बहुत ही अलग तरह की कहानियों पर फिल्म बना रहा है। मैं उनके साथ जुड़कर काफी एक्साइटेड हूं। हम बड़े सपने देख रहे हैं और इस विजन को सामने लाने की पूरी कोशिश करेंगे।' यह जानकारी होम्बले फिल्म्स ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा की है। अब तक होम्बले फिल्म्स की बनाई मूवीज पर नजर डालें तो ये एक्शन से भरपूर रही हैं। उम्मीद है कि ऋतिक के साथ भी ऐसी ही फिल्में वह बनाएं। वैसे भी ऋतिक अब तक कई एक्शन फिल्में बॉलीवुड में कर चुके हैं, उनके एक्शन के दर्शक दीवाने हैं।

इन फिल्मों में भी नजर आएंगे ऋतिक

इस साल ऋतिक और साउथ सुपरस्टार जूनियर एनटीआर की फिल्म 'वॉर 2' रिलीज होगी। इसके अलावा 'कृष 4' को लेकर भी चर्चा जारी है, इसके जरिए ऋतिक डायरेक्शन में उतर रहे हैं। कृष सीरीज की फिल्मों को पहले ऋतिक के पिता राकेश रोशन निर्देशित कर चुके हैं।

शालिनी पांडे ने कसोल में शुरू की राहु केतू की शूटिंग

अभिनेत्री शालिनी पांडे ने मुंबई के बाद अब हिमाचल प्रदेश के खूबसूरत शहर कसोल में अपनी अपकमिंग फिल्म 'राहु केतू' की शूटिंग शुरू कर दी है। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर पर्दे के पीछे की तस्वीरें शेयर करके फैंस को सेट से झलक दिखाई। इंस्टाग्राम पर तस्वीरों को शेयर करते हुए शालिनी ने कैप्शन में लिखा, मेरी आने वाली फिल्म के सेट से मीनू से मिलिए। आपसे जल्द मीनू की मुलाकात करवाने की इच्छा है, मिलने का इंतजार नहीं कर सकती! अभिनेता पुलकित सम्राट 'राहु केतू' की शूटिंग शुरू कर चुके हैं। सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर उन्होंने प्रशंसकों को मजेदार अंदाज में जानकारी दी थी।

उन्होंने बताया कि राहु-केतू सही जगह हैं, क्योंकि तारे भी लाइन पे लग चुके हैं। शेयर की गई तस्वीरों में से एक में वह हाथ में क्लैप बोर्ड पकड़े हुए हैं, तो दूसरी में टीम के साथ फोटो खिंचवाते नजर आए। पोस्ट के साथ अभिनेता ने कैप्शन में लिखा, तारे भी लाइन पे लग गए क्योंकि हमारे राहु-केतू बिल्कुल सही जगह हैं! तैयार हो जाओ, हम तुम्हारी कुंडली में प्रवेश करने वाले हैं! 'राहु केतू' की शूटिंग शुरू, सिनेमाघरों में जल्द मिलते हैं। पुलकित ने इंस्टाग्राम पर अपने प्रोजेक्ट राहु केतू की शूटिंग शुरू होने से पहले कई तस्वीरें और वीडियोज भी शेयर किए थे। क्लिप में सम्राट टीम के साथ शूटिंग से पहले मुहूर्त पूजा करते नजर आए। उनके साथ वरुण शर्मा और शालिनी पांडे भी दिखीं। जी स्टूडियोज ने सोशल मीडिया पर राहु केतू के सेट से कुछ तस्वीरें भी साझा कीं और पोस्ट को कैप्शन दिया, कुछ लोग इसे भाग्य कहते हैं, हम इसे राहु-केतू का खेल कहते हैं और ये आपके जीवन में भी जल्द ही प्रवेश करेंगे, शूटिंग अब शुरू होती है।

विपुल विग के निर्देशन में बन रही राहु केतू में शालिनी पांडे, पुलकित सम्राट के साथ वरुण शर्मा भी अहम भूमिका में हैं। सम्राट और वरुण की जोड़ी हिट कॉमेडी 'फुकरे' में साथ काम कर चुकी है, जिसे दर्शकों ने काफी पसंद किया। वर्कफ्रंट की बात करें तो राहु केतू के अलावा, शालिनी पांडे के पास धनुष के साथ 'इडली कढ़ाई' भी है।

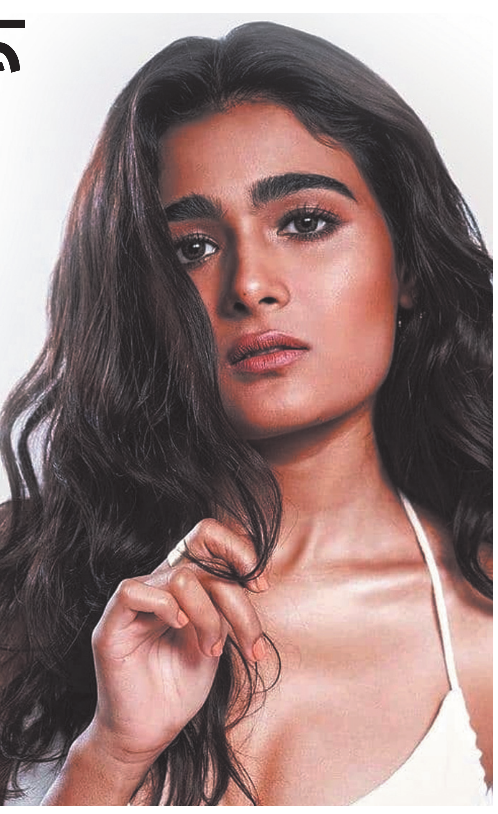

राणा दग्गुबाती फिर करेंगे सीरीज में मार-धाड़ ये स्टार्स भी ओटीटी पर कर चुके हैं जमकर एक्शन

सीरीज 'राणा नायडू 2' में एक बार फिर राणा दग्गुबाती, वेंकटेश जैसे चर्चित दक्षिण भारतीय फिल्मों के कलाकार एक्शन अंदाज में नजर आएंगे। इस सीरीज में भी राणा दग्गुबाती मार-धाड़ करते दिखेंगे। राणा से पहले भी कई बॉलीवुड एक्टर एक्शन वेब सीरीज का हिस्सा बने हैं। जानिए, ऐसी ही कुछ चर्चित एक्शन वेब सीरीज के बारे में।

मिर्जापुर

वेब सीरीज 'मिर्जापुर (2018)' में कालीन भैया के रोल में पंकज त्रिपाठी नजर आए, अली फजल ने गुड्डू भैया का रोल किया। इन एक्टर्स ने जब-तब सीरीज में एक्शन सीन्स किए, कभी हाथ में बंदूक लिए नजर आए तो कभी गैंगवार के बीच घिरे नजर आए। इस सीरीज के अब तक तीन पार्ट आ चुके हैं। अधिकतर सीरीज को दूसरे डायरेक्टर के साथ मिलकर आदित्य मोहंती ने निर्देशित किया।

द फैमिली मैन

राज एंड डीके की पॉपुलर वेब सीरीज 'फैमिली मैन' में मनोज वाजपेयी ने लीड रोल किया है। इस सीरीज का पहला सीजन 2019 में आया था। मनोज इसमें एक रॉ एजेंट यानी जासूस बने हैं लेकिन दुनिया की नजर में वह एक आम आदमी हैं। मनोज का किरदार आतंकवादियों से लड़ता है, देश की रक्षा करता है। इस सीरीज के अब तक कई पार्ट आ चुके हैं, लगभग सभी में मनोज वाजपेयी और उनके को-एक्टर्स ने एक्शन सीन्स भी दिए हैं।

आर्या

सुष्मिता सेन की वेब सीरीज 'आर्या' के भी दो सीजन आए। इस सीरीज में सुष्मिता ने भी एक्शन सीन्स दिए हैं। सीरीज में उनका किरदार काफी सशक्त दिखाया गया है। सीरीज में एक्ट्रेस का एक्शन देखकर हॉलीवुड फिल्म के एक्शन का फील मिलता है। इस सीरीज को राम माधवानी ने क्रिएट किया था। इस सीरीज का पहला पार्ट 2020 में दर्शकों को देखने को मिला था।

इंडियन पुलिस फोर्स

पिछले साल सीरीज 'इंडियन पुलिस फोर्स' में सिद्धार्थ मल्होत्रा, विवेक ओबेरॉय और शिल्पा शेट्टी जैसे एक्टर्स पुलिस वालों के किरदार को निभाते दिखे। सीरीज को रोहित शेट्टी ने निर्देशित किया था। यह सीरीज क्राइम को जड़ से खत्म करने की कहानी कहती है, इसमें भी लगभग सभी एक्टर्स एक्शन मोड में नजर आए।

स्पेशल ऑप्स

नीरज पांडे और शिवम नायर निर्देशित 'स्पेशल ऑप्स (2020)' वेब सीरीज एक रॉ एजेंट और उसकी टीम की कहानी कहती है। जल्द ही इसका दूसरा सीजन भी आने वाला है। इस सीरीज में केके मेनन ने लीड रोल किया है। केके मेनन के किरदार की टीम जब किसी मिशन पर जाती है तो दर्शकों को सीरीज में कमाल का एक्शन देखने को मिलता है।

इंस्पेक्टर अविनाश

साल 2023 में रणदीप हुड्डा एक वेब सीरीज 'इंस्पेक्टर अविनाश' में नजर आए। यह सीरीज उत्तरप्रदेश के एक जाबांज पुलिस ऑफिसर अविनाश मिश्रा की कहानी कहती है। इंस्पेक्टर अविनाश ने कैसे माफिया, अपराधियों से मुकाबला किया, उनकी अपराध की दुनिया को खत्म किया, यही सब सीरीज की कहानी में है। इस सीरीज में रणदीप हुड्डा एक्शन के रंग में रंगे दिखे। सीरीज को नीरज पाठक ने निर्देशित किया था।

सर चढ़कर बोल रहा देसी का नशा...!

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में सिंगल माल्ट व्हिस्की का क्रेज बढ़ रहा है। अब ज्यादा भारतीय लोग देसी सिंगल माल्ट व्हिस्की पीना पसंद कर रहे हैं। इसकी वजह से लोकल ब्रांड्स की बिक्री बढ़ रही है।

खाने का तेल होगा सस्ता! सरकार ने किया बड़ा ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। बढ़ती महंगाई के बीच केंद्र सरकार ने आम जनता को बड़ी राहत दी है। सरकार ने कच्चे पाम तेल, कच्चे सोयाबीन तेल और कच्चे सूरजमुखी तेल पर मूल सीमा शुल्क को पहले के 20 प्रतिशत से घटाकर 10 प्रतिशत कर दिया।

अडानी ग्रुप की यह कंपनी 4300 करोड़ जुटाने की तैयारी में

अभी महाराष्ट्र से मिला है 1600 करोड़ का काम

नई दिल्ली, एजेंसी। अडानी ग्रुप की कंपनी अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस 4300 करोड़ रुपये जुटाने की तैयारी में है। कंपनी यह पैसा क्वालीफाइड इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट या फिर अन्य किसी तरीके से जुटाने का प्रयास करेगी। अडानी एनर्जी सॉल्यूशन्स ने शनिवार को एक्सचेंज को दी जानकारी में कहा है कि फंड जुटाने की प्रक्रिया को एक या उससे अधिक बार में पूरा किया जाएगा। फिलहाल अभी कंपनी को शेयरहोल्डर्स के अलावा अन्य अप्रूवल लेने होंगे।

इस वित्त वर्ष में है कंपनी का बड़ा प्लान– इकनॉमिक्स टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस इस वित्त वर्ष 16000 करोड़ रुपये से 18000 रुपये खर्च करने की तैयारी में है। बीते वित्त वर्ष कंपनी का कैपिटल एक्सपेंडिचर 11444 करोड़ रुपये था। कंपनी 12 हजार करोड़ रुपये 13 हजार करोड़ रुपये ट्रांसमिशन, 4000 करोड़ रुपये स्मार्ट मीटर्स और 1600 करोड़ रुपये डिस्ट्रीब्यूशन पर खर्च करने की योजना बनाई है।

कंपनी का ऑर्डर बुक 61600 करोड़ रुपये– बीते हफ्ते अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस को 1600 करोड़ रुपये का महाराष्ट्र से मिला था। कंपनी यह काम अंतरराज्यीय ट्रांसमिशन प्रोजेक्ट के तहत मिला है। इस नए ऑर्डर के हाथ लगने के बाद अडानी ग्रुप के पास 61,600 करोड़ रुपये का ऑर्डर बुक हो चुका है। शुक्रवार को अडानी एनर्जी के शेयरों में गिरावट दर्ज की गई थी। कंपनी का शेयर 1 प्रतिशत से अधिक टूटने के बाद 867.65 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था। पिछले 3 महीने में अडानी ग्रुप की यह कंपनी 33 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न देने में सफल रही है। हालांकि, इस तेजी के बाद भी एक साल में यह स्टॉक 20 प्रतिशत का निगेटिव रिटर्न ही दे पाया है। बता दें, कंपनी का 52 वीक हाई 1347.90 रुपये और 52 वीक लो लेवल 588.25 रुपये है।

1 दिन में 86 प्रतिशत भरा आईपीओ, ग्रे मार्केट से मिला पॉजिटिव रिस्पॉन्स, अब भी दांव लगाने के लिए 2 दिन

नई दिल्ली, एजेंसी। 3बी फिल्म्स आईपीओ (3बी फिल्म्स आईपीओ 95) बीते हफ्ते खुल चुका है। कंपनी के आईपीओ पर निवेशक 30 मई से 3 जून तक दांव लगा पाएंगे।3बी फिल्म्स आईपीओ 95 का इश्यू प्राइस 33.75 करोड़ रुपये का है। कंपनी आईपीओ के जरिए 35.52 लाख फ्रेश शेयर जारी करेगी। वहीं, ऑफर फार सेल के तहत 31.98 लाख शेयर जारी किए जाएंगे।

1 दिन में 86 प्रतिशत भरा आईपीओ– पहले दिन ही आईपीओ 86 प्रतिशत भर गया था। रिटेल कैटगरी में3बी फिल्म्स आईपीओ 95 प्रतिशत

सब्सक्रिप्शन प्राप्त करने में सफल रहा था। क्वालीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स कैटगरी में अभी कंपनी के आईपीओ को कोई सब्सक्रिप्शन नहीं मिला है। जबकि एनआईआई कैटगरी में आईपीओ को 77 प्रतिशत का सब्सक्रिप्शन पहले दिन मिला था।

क्या है प्राइस बैंड– इस इश्यू का प्राइस बैंड 50 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी ने 3000 शेयरों का एक लॉट बनाया है। जिस वजह से निवेशकों को 1,50,000 रुपये का दांव लगाना होगा। बता दें, कंपनी की तरफ से आईपीओ की लिस्टिंग बीएसई एसएमई में की जाएगी।

क्या है जीएमपी– 3बी फिल्म्स एसएमई आईपीओ का ग्रे मार्केट में 3 रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहा था। इंवेस्टर्सगेन की रिपोर्ट के अनुसार ग्रे मार्केट में यह अबतक का सबसे अधिक जीएमपी है।

भारत 1, चीन 2, वियतनाम 3... ,

ड्रैगन की बढ़ी टेंशन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत मैन्युफैक्चरिंग लागत के मामले में अब दुनिया का सबसे सस्ता देश है। यह चीन और वियतनाम को पीछे छोड़ चुका है। वर्ल्ड ऑफ स्टेटिस्टिक्स ने यूएस न्यूज एंड वर्ल्ड रिपोर्ट के हवाले से एक सूची सोशल मीडिया पर शेयर की है। इसमें भारत पहले नंबर पर है। उसके बाद चीन और वियतनाम हैं। सूची में थाईलैंड, फिलीपींस, बांग्लादेश, इंडोनेशिया, कंबोडिया, मलेशिया और श्रीलंका भी शामिल हैं। यह मूल्यांकन यूएस न्यूज एंड वर्ल्ड रिपोर्ट की ओर से 89 देशों के बीच किया गया है।

चीन लंबे समय से दुनिया का फैक्ट्री फ्लोर रहा है। इसकी वजह उसकी विशाल और अपेक्षाकृत सस्ती श्रम शक्ति रही है। वियतनाम भी हाल के वर्षों में महत्वपूर्ण कम लागत वाला मैन्यूफैक्चरिंग हब के रूप में उभरा है। भारत का मैन्युफैक्चरिंग कॉस्ट में सबसे सस्ता देश होना चीन की टेंशन बढ़ाने वाला है। यह भारत को वैश्विक स्तर पर एक आकर्षक मैन्युफैक्चरिंग डेस्टिनेशन बना देगा। कंपनियां अपनी उत्पादन इकाइयां भारत में स्थापित करने या यहां से सोर्सिंग करने के लिए आकर्षित होंगी। इससे देश में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश बढ़ेगा।

भारत का मैन्युफैक्चरिंग लागत के मामले में दुनिया का सबसे सस्ता देश होना महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इसके दूरगामी सकारात्मक आर्थिक परिणाम हो सकते हैं। हालांकि, इस रफ्तार को बनाए रखने और भारत को वास्तव में एक वैश्विक मैन्युफैक्चरिंग महाशक्ति बनाने के लिए बुनियादी ढांचे, कौशल विकास और व्यापार करने में आसानी जैसे क्षेत्रों पर लगातार ध्यान देना महत्वपूर्ण होगा।

भारत दुनिया में नंबर वन– यूएस न्यूज एंड वर्ल्ड रिपोर्ट के अनुसार, भारत में मैन्युफैक्चरिंग की लागत दुनियाभर में सबसे कम है। वर्ल्ड ऑफ स्टेटिस्टिक्स ने यूएस न्यूज एंड वर्ल्ड रिपोर्ट के हवाले से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर पर दुनिया में सबसे कम मैन्युफैक्चरिंग कॉस्ट वाले 89 देशों की सूची जारी की है। चीन और वियतनाम भारत से पीछे दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। सबसे कम मैन्युफैक्चरिंग कॉस्ट वाले देशों की लिस्ट में भारत दुनिया में नंबर वन है। टॉप-10 लिस्ट में भारत, चीन, वियतनाम, थाईलैंड, फिलीपींस, बांग्लादेश, इंडोनेशिया, कंबोडिया, मलेशिया, श्रीलंका जैसे देश शामिल हैं। यूएस न्यूज एंड वर्ल्ड रिपोर्ट ने 89 देशों का मूल्यांकन किया है। सबसे सस्ती मैन्युफैक्चरिंग कॉस्ट वाले टॉप-10 देशों की लिस्ट में थाईलैंड चौथे और फिलीपींस पांचवें स्थान पर है। इस लिस्ट में बांग्लादेश (छठा), इंडोनेशिया (सातवां), कंबोडिया (आठवां), मलेशिया (नौवां) और श्रीलंका (दसवां) स्थान पर है। लिस्ट में इसके बाद घाना, केन्या, मेक्सिको, साउथ अफ्रीका, कोलंबिया, एल साल्वाडोर, चिली, कजाखस्तान, उज्बेकिस्तान, ट्यूनीशिया और अल्जीरिया का स्थान है।

उपभोक्ताओं पर अपनी तरह की पहली रिपोर्ट में सामने आया तथ्य

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में तेजी से बढ़ते अवैध सट्टेबाजी एवं गैंबलिंग मार्केट से किशोरों एवं युवाओं जैसे संवेदनशील वर्ग पर उल्लेखनीय खतरा मंडरा रहा है। ग्राहकों की संप्रभुता पर केंद्रित पब्लिक पॉलिसी थिंक टैंक कट्स इंटरनेशनल की रिपोर्ट में यह बात सामने आई है। इस रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि इन अवैध प्लेटफॉर्म पर सालाना करीब 100 अरब डॉलर का डिपोजिट होता है। रिपोर्ट में इस समस्या के विभिन्न पहलुओं का विश्लेषण किया गया है। इससे यह सामने आया है कि अवैध ऑनलाइन गैंबलिंग से उपभोक्ताओं की सुरक्षा, वित्तीय अखंडता एवं राष्ट्रीय सुरक्षा को गंभीर खतरा है।

समस्या की गंभीरता को रिपोर्ट के इस तथ्य से समझा जा सकता है कि अप्रैल, 2024 से मार्च, 2025 के बीच 40 मिरर साइट्स के माध्यम से टॉप 15 अवैध गैंबलिंग प्लेटफॉर्म्स पर 5.4 अरब से ज्यादा विजिट्स देखने को मिलीं। 1एक्सबेट, पेरीमैच, स्टेक, फेयरप्ले और बैटरीबेट जैसे टॉप प्लेटफॉर्म पर लगातार बड़ा ट्रैफिक एवं यूजर्स की पहुंच देखने को मिल रही है। मार्च, 2025 में पेरीमैच के ट्रैफिक शेयर ने अमेजन डॉट इन, विकीपीडिया डॉट ओआरजी, गूगल डॉट को डॉट इन, एक्स डॉट कॉम, हॉटस्टार डॉट कॉम, फ्लिपकार्ट डॉट कॉम, लिंक्डइन डॉट कॉम, कोरा डॉट कॉम और रेडिट डॉट कॉम जैसे लोकप्रिय प्लेटफॉर्म्स को भी पीछे छोड़ दिया था।

आपको कोई नहीं बताएगा...वेदांता के चेयरमैन ने किया युवा स्टार्टअप संस्थापकों को आगाह

नई दिल्ली, एजेंसी। माइनिंग क्षेत्र की दिग्गज कंपनी वेदांता के संस्थापक और एक्जीक्यूटिव चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने सोशल मीडिया पर युवा स्टार्टअप संस्थापकों के लिए कुछ महत्वपूर्ण बातें शेयर की हैं। उन्होंने आगाह किया कि कारोबार को सफल बनाने का रास्ता कठिन होता है। अनिल अग्रवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स एक पोस्ट में इस बात पर जोर दिया कि शुरुआती वर्षों में स्टार्टअप संस्थापकों के लिए जीवन अकेला हो सकता है। दबाव जैसा महसूस हो सकता है। उन्होंने यह भी बताया कि संस्थापक की ओर से लिया गया हर निर्णय कंपनी के विकास के लिए एक कदम आगे या पीछे ले जाने वाला हो सकता है। अग्रवाल ने युवा संस्थापकों को अपने काम में आगे बढ़ते रहने का सुझाव दिया। अपने जीवन के संघर्ष के दौर से अकेलेपन को याद करते हुए कहा कि उनके पास एक भावनात्मक सहारा था। उनकी मां की शॉल। यह हमेशा उन्हें उनके ठंडे लंदन फ्लैट से भी घर की याद दिलाती थी।

अनिल अग्रवाल ने एक्स पर अपनी पोस्ट में कहा, प्रिय युवा संस्थापकों, यहां कुछ ऐसा है जिसके बारे में आपको कोई आगाह नहीं करता... आपकी ओर से चुना गया सफर यह अकेला कर देता है। शुरुआती साल प्रेशर कुकर में रहने जैसा महसूस होता है। खनन क्षेत्र की दिग्गज कंपनी के अध्यक्ष ने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि एक संस्थापक का लिया गया हर निर्णय कंपनी के विकास के लिए एक कदम आगे या पीछे करने वाला हो सकता है।

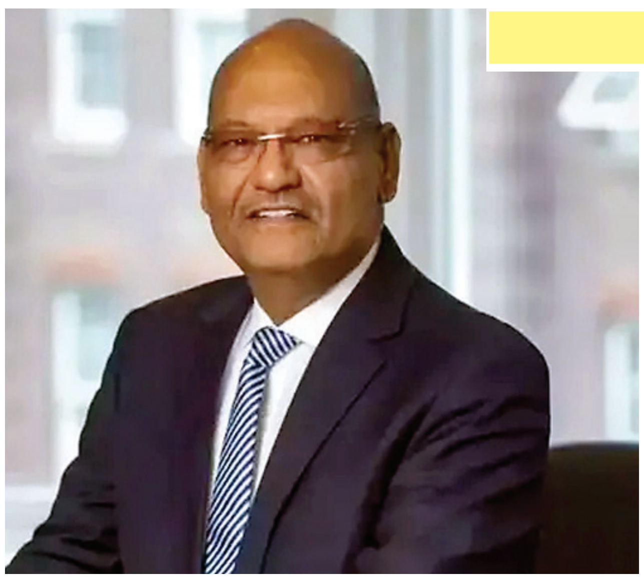

शून्य में चिल्लाने जैसा लगता है

अनिल अग्रवाल ने अपनी पोस्ट में कहा, हर दिन, आप ऐसे निर्णय लेते हैं जो आपके सपने को आगे बढ़ा सकते हैं या उसे एक कदम पीछे ले जा सकते हैं। यह शून्य में चिल्लाने जैसा लगता है – जैसे अंधेरे में निर्माण करना... अग्रवाल ने यह भी कहा कि लोग संस्थापकों को नहीं समझ पाएंगे। इसलिए नहीं कि वे परवाह नहीं करते, बल्कि इसलिए कि उन्होंने कभी किसी अदृश्य चीज पर विश्वास नहीं किया। अग्रवाल ने कहा, कहने को साथ अपने एक दुनिया चलती है, लेकिन सच यह है कि आपके आसपास के ज्यादा लोग उसे समझ नहीं पाएंगे।

माउंट एवरेस्ट की चढ़ाई का दिया उदाहरण

अनिल अग्रवाल ने एक उदाहरण भी साझा किया, जिसमें उन्होंने कहा कि माउंट एवरेस्ट की चढ़ाई पर भीड़ नहीं होती। पर्वतारोही जितना ऊंचे चढ़ता जाता है, अंत में उतने ही कम लोग बचते हैं। इसका मतलब यह नहीं है कि पर्वतारोही खो गया है, इसका सिर्फ इतना मतलब है कि वे एक दुर्लभ रास्ते पर हैं। अग्रवाल ने अपने जीवन के संघर्ष के दौर से अकेलेपन को याद करते हुए यह भी कहा कि उनके पास एक भावनात्मक सहारा था जैसे कि उनकी मां की शॉल) जो हमेशा उन्हें उनके ठंडे लंदन फ्लैट से भी घर की याद दिलाती थी।

बकवास बंद करो और चुप रहो... इन्फोसिस के पूर्व सीएफओ ने हॉटमेल के संस्थापक की पब्लिक में धुल दी

नई दिल्ली, एजेंसी। इन्फोसिस के पूर्व सीएफओ मोहनदास पई और हॉटमेल के संस्थापक सबीर भाटिया के बीच भारत की आर्थिक तरक्की को लेकर सोशल मीडिया पर तीखी बहस हुई है। भाटिया ने सवाल उठाया कि क्या भारत की जापान को पछाड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की उपलब्धि का फायदा आम नागरिकों तक पहुंचा है। इसके जवाब में पई ने भाटिया की आलोचना की। उन पर भारत की तरक्की में योगदान न देने का आरोप लगाया। वहीं, भाटिया ने अपनी टिप्पणी का बचाव करते हुए कहा कि वह भारत के सभी नागरिकों के जीवन में सुधार देखना चाहते हैं, खासकर निचले स्तर पर। यह विवाद भारत की इकनॉमिक ग्रोथ और इसके डिस्ट्रीब्यूशन को लेकर व्यापक बहस के बीच सामने आया है। जहां कुछ लोग भारत की प्रगति का जश्न मना रहे हैं। वहीं, अन्य असमानता और अन्य चुनौतियों की ओर ध्यान दिला रहे हैं। बीर भाटिया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो पोस्ट किया था। इसमें उन्होंने भारतीय झुग्गियों और प्रदूषित नदियों की निराशाजनक तस्वीरें दिखाईं। सवाल पूछा- हमने जीडीपी में जापान को पीछे छोड़ दिया... लेकिन क्या आप इसे अपनी जेब में महसूस कर सकते हैं बिना डिस्ट्रीब्यूशन के विकास सिर्फ महंगाई का छलावा है।

बुरी तरह से लगाई लताड़

पई ने तुरंत जवाब दिया और भाटिया पर तीखा हमला किया। उन्होंने भाटिया के मूल वीडियो को सीधे कोट और रीपोस्ट करते हुए लिखा, यार सबीर तुम आर्थिक शरणार्थी हो, बहुत पहले ही भारत छोड़ चुके हो। भारत की तरक्की में तुम्हारी कोई भूमिका नहीं थी। इसलिए बकवास करना बंद करो और चुप रहो। हम भारत को आगे बढ़ाएंगे और अपना भविष्य बनाएंगे। हमें तुम्हारी जरूरत नहीं है। तुम जहरीले और नफरत फैलाने वाले हो। भाटिया 1990 के दशक में हॉटमेल की स्थापना के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने एक वीडियो शेयर करते हुए अपनी टिप्पणियों का बचाव किया।

अब विदेशी निवेशक भी मान रहे भारत का लोहा

डर खत्म हुआ तो शेयर मार्केट में लगा दिया ढेर सारा पैसा

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेशी निवेशकों (को फिर से भारतीय बाजार से उम्मीदें दिखाई देने लगी हैं। वे एक बार फिर भारतीय शेयर बाजार में पैसा लगा रहे हैं। मई के महीने में उन्होंने खूब खरीदारी की है। एनएसडीएल के आंकड़ों के अनुसार, मई के महीने में विदेशी निवेशकों ने 18,082 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। यह लगातार दूसरा महीना है जब एफएलएलएस ने भारतीय बाजार में खरीदारी की है। अप्रैल में भी विदेशी निवेशकों ने 4,243 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे थे। इससे पहले, साल की शुरुआत में उन्होंने भारतीय बाजार से खूब पैसा निकाला था। लेकिन अब उनका रुख बदल गया है। यह बदलाव इस तिमाही में भारतीय बाजार के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

तीन महीने लगातार बेचे शेयर– जनवरी से मार्च 2025 तक विदेशी निवेशक लगातार भारतीय बाजार में शेयर बेच रहे थे। जनवरी में तो उन्होंने 78,027 करोड़ रुपये के शेयर बेच डाले थे। उस समय डॉलर बहुत मजबूत हो गया था और ब्याज दरें भी बढ़ रही थीं। इस वजह से एफएलएलएस चिंतित थे और उन्होंने

भारतीय बाजार से पैसा निकाल लिया। लेकिन अब हालात बदल गए हैं। दुनिया भर में महंगाई कम हो रही है और अमेरिका में ब्याज दरें भी स्थिर हो गई हैं। इसलिए विदेशी निवेशकों का डर कम हो गया है और वे फिर से भारतीय बाजार में पैसा लगा रहे हैं।

यों माना भारत का लोहा– जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के चीफ इन्वेस्टमेंट स्ट्रैटेजिस्ट डॉ. वीके विजयकुमार का कहना है कि कुछ ग्लोबल कारण हैं जिनकी वजह से विदेशी निवेशक भारत में पैसा लगा रहे हैं। उनके अनुसार डॉलर कमजोर हो रहा है, अमेरिका और चीन की अर्थव्यवस्थाएं धीमी हो रही हैं। वहीं भारत में जीडीपी बढ़ रही है, महंगाई कम हो रही है और ब्याज दरें भी घट रही हैं।

इन सब कारणों से विदेशी निवेशक मार्केट में पैसा लगा रहे हैं। विदेशी निवेशकों का भारतीय बाजार में फिर से पैसा लगाना एक अच्छा संकेत है। इससे पता चलता है कि उन्हें भारतीय अर्थव्यवस्था पर भरोसा है और वे भारत का लोहा मान रहे हैं।

‘यह इंडिया का मूवमेंट है, ट्रंप की धमकी के बाद आया रघुराम राजन का बयान

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर भारत एक अच्छा माहौल तैयार करने में सफल रहता है तो विदेशी निवेश में इजाफा देखने को मिल सकता है। यह बात रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने कही है। रविवार को आरबीआई के पूर्व गवर्नर ने कहा कि कोविड और चीन के अधिपत्य के बाद के दौर से ग्लोबल सप्लाई चेन जांच और सुधार के दौर में है। ऐसे में यह इंडिया का मूवमेंट हो सकता है। लेकिन इसके लिए सरकार को विदेशी निवेशकों के लिए एक बेहतर माहौल तैयार करना होगा। इससे पहले डोनाल्ड ट्रंप ने एप्पल को भारत में प्रोडक्शन करने पर धमकाया था। बता

दें, आरबीआई के पूर्व गवर्नर ने यह बयान सीएनबीसी टीवी18 के एक कार्यक्रम में दिया है।

क्या कुछ कहा है रघुराम राजन ने– रघुराम राजन ने कहा, यह भारत का मूवमेंट हो सकता है। सभी सप्लाई चेन इस समय जांच के दौर से गुजर रहे हैं। अगर भारत रेड कार्पेट बिछाता है और टैक्स के साथ पॉलिसी को लेकर निरंतरता दिखाता है तो इसका असर अच्छा देखने को मिलेगा। पूर्व आरबीआई गवर्नर ने कहा है कि इंडस्ट्रीयल देश बिलकुल नहीं चाहते हैं कि सप्लाई चेन चीन से भारत की तरफ चला जाए। लेकिन अगर भारत अपने पत्ते ठीक से खोलता है तो देश के अंदर एक अच्छा वातावरण प्रोडक्शन के लिए तैयार किया जा सकता है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि हमें बहुत काम करने की आवश्यकता है। वो आगे कहते हैं कि हमें अपने प्रयासों के विषय में सिर्फ प्रक्रित्यामक नहीं होना है। हमें ठोस कदम निरंतरता के साथ उठाना होगा। जोकि हमने बीते कुछ वर्षों के दौरान ठीक से नहीं किया है।

ट्रंप ने एप्पल को धमकाया– पिछले दिनों डोनाल्ड ट्रंप ने एप्पल को भारत में प्रोडक्शन करने पर चेताया था। ट्रंप ने कहा था कि अगर भारत में बने आईफोन को अमेरिका में बेचा जाता है तो उसपर वो टैरिफ लगाएंगे। उन्होंने 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की बात कही थी। इस मसले पर राजन ने कहा, मौजूदा समय में शायद ही कोई सीईओ होगा जो ट्रंप प्रशासन के विरुद्ध जाएगा।

भोपाल के छात्रों ने 2024-25 ओलंपियाड में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया

भोपाल। विश्व के सबसे बड़े ओलंपियाड साइंस ओलंपियाड फाउंडेशन द्वारा आयोजित इंटरनेशनल ओलंपियाड परीक्षा 2024 – 25 में भोपाल के सागर पब्लिक स्कूल की पांचवीं कक्षा की छात्रा अयाना सिंह ने इंटरनेशनल सोशल स्टडीज ओलंपियाड में दूसरी रैंक हासिल कर, इंटरनेशनल सिल्वर मैडल और प्रमाण पत्र अर्जित किया है। इस वर्ष के एसओएफ ओलंपियाड में 72 देशों के लगभग लाखों छात्रों ने भाग लिया, जिसमें भोपाल के 32400 से अधिक छात्र शामिल थे। जिसमे सागर पब्लिक स्कूल, ओरिएंटल स्कूल सहित भोपाल के प्रसिद्ध स्कूल भी शामिल थे।साइंस ओलंपियाड फाउंडेशन (एसओएफ) ने दिल्ली के डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में 2024–25 ओलंपियाड परीक्षाओं के टॉपर छात्रों को सम्मानित किया।

देसी खेल में हुई झमाझम पैसों की बरसात

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के सीजन 12 की नीलामी में एक नया रिकॉर्ड बना है। 31 मई 2025 को हुई नीलामी के पहले ही दिन 10 खिलाड़ियों को 1 करोड़ रुपये से ज्यादा में खरीदा गया। सीजन 10 की तुलना में इस बार दोगुने खिलाड़ियों को इतनी बड़ी रकम मिली है। मोहम्मदरेजा शादलू को गुजरात जाइंट्स ने सबसे ज्यादा 2.23 करोड़ रुपये में खरीदा।

● प्रो कबड्डी लीग के ऑक्शन में ये 10 खिलाड़ी करोड़पति

देवांक दलाल को बंगाल वॉरियर्स ने 2.205 करोड़ रुपये में अपनी टीम में शामिल किया। फाइनल बिड मैच (एफबीएम) नियम के चलते दबंग दिल्ली केसी ने आशु मलिक और पटना पाइरेट्स ने अंकित जागलान को वापस अपनी टीम में ले लिया। लीग कमिश्नर अनुपम गोस्वामी ने कहा कि यह पीकेएल की बढ़ती लोकप्रियता का नतीजा है।

पीकेएल सीजन 12 की नीलामी का पहला दिन कबड्डी के इतिहास में सुनहरे अक्षरों में दर्ज हो गया। इस नीलामी में खिलाड़ियों पर जमकर पैसा बरसा। कुल 10 खिलाड़ी ऐसे रहे, जिन्हें 1 करोड़ रुपये से ज्यादा की बोली मिली। यह आंकड़ा पिछले सीजन के मुकाबले दोगुना है। इससे पता चलता है कि प्रो कबड्डी लीग की लोकप्रियता कितनी तेजी से बढ़ रही है और खिलाड़ियों की वैल्यू भी बढ़ रही है। बता दें कि प्रदीप नरवर अनसोल्ड रहे।

नीलामी की शुरुआत ही धमाकेदार रही। सीजन 11 के सबसे बेहतरीन खिलाड़ी मोहम्मदरेजा शादलू को गुजरात जाइंट्स ने 2.23 करोड़ रुपये में खरीदा। शादलू अब पीकेएल के इतिहास में पहले ऐसे खिलाड़ी बन गए हैं, जिन्हें लगातार तीन सीजन में 2 करोड़ रुपये से ज्यादा की बोली मिली है। यह उनके शानदार प्रदर्शन का नतीजा है। देवांक दलाल, जो पीकेएल 11 के सबसे अच्छे रेडर थे, उन्हें भी करोड़पति बनने का मौका मिला। बंगाल वॉरियर्स ने उन्हें 2।205 करोड़ रुपये में खरीदा। इस बोली के साथ ही वे प्रो कबड्डी के इतिहास में पांचवें सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए।

इस नीलामी में एक नया नियम इस्तेमाल किया गया, जिसका नाम है फाइनल बिड मैच (एफबीएम)। इस नियम के तहत टीमें अपने पुराने खिलाड़ियों को नीलामी में लगी आखिरी बोली की रकम देकर वापस अपनी टीम में शामिल कर सकती हैं। दबंग दिल्ली केसी ने इसी नियम का फायदा उठाते हुए अपने स्टार रेडर आशु मलिक को 1.90 करोड़ रुपये में दो सीजन के लिए फिर से साइन कर लिया। पटना पाइरेट्स ने भी अंकित जागलान को 1.573 करोड़ रुपये में एफबीएम कार्ड के जरिए एक सीजन के लिए वापस अपनी टीम में शामिल किया।

प्रो कबड्डी लीग 2025 ऑक्शन के पहले दिन करोड़पति बने 10 खिलाड़ी

- मोहम्मदरेजा शादलोई (ईरान)- 2.23 करोड़ रुपये, गुजरात जायंट्स
- योगेश दहिया (भारत)- 1.125 करोड़ रुपये, बेंगलुरु बुल्स
- आशु मलिक (भारत)- 1.90 करोड़ रुपये, दबंग दिल्ली के.सी.
- अर्जुन देशवाल (भारत)- 1.405 करोड़ रुपये, तमिल थलाइवाज
- देवांक दलाल (भारत)- 2.205 करोड़ रुपये, बंगाल वॉरियर्स
- अंकित जगलान (भारत)- 1.573 करोड़ रुपये, पटना पाइरेट्स
- गुमान सिंह (भारत)- 1.073 करोड़ रुपये, यूपी योद्धाज
- नितिन कुमार (भारत)- 1.002 करोड़ रुपये, जयपुर पिंक पैंथर्स
- सचिन तंवर (भारत)- 1.058 करोड़ रुपये, पुणेरी पल्टन
- नवीन कुमार (भारत)- 1.20 करोड़ रुपये, हरियाणा स्टीलर्स

शुभमन गिल के लिए इंग्लैंड का दौरा कड़ी परीक्षा: सबा करीम

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय चयनकर्ता सबा करीम का मानना है कि आगामी इंग्लैंड दौरा नये टेस्ट कप्तान शुभमन गिल के लिए कड़ी परीक्षा जैसा होगा और कप्तान के रूप में उनकी सफलता उनके बल्लेबाजी प्रदर्शन पर निर्भर करेगी।

रोहित शर्मा, विराट कोहली और रविचंद्रन अश्विन जैसे दिग्गजों के संन्यास लेने के बाद गिल को कप्तान नियुक्त करके भारत ने टेस्ट क्रिकेट में एक नए युग की शुरुआत की। करीम ने कहा, 'यह उनके लिए एक परीक्षा है। मुझे यकीन है कि वह इसके लिए तैयार हैं। उन्हें बल्लेबाजी में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। अगर वह ऐसा करने में सफल रहते हैं तो इससे उनकी कप्तानी पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। इस पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज़ को पूरा विश्वास है कि भारत की युवा टीम इंग्लैंड में अच्छा प्रदर्शन करके अनुकूल परिणाम हासिल करेगी। उन्होंने कहा, 'मुझे इस युवा भारतीय टीम से अच्छे नतीजों की उम्मीद है। मैच वास्तव में प्रतिस्पर्धी होंगे और मुझे लगता है कि भारतीय खिलाड़ी इसके लिए तैयार हैं।

ताइक्वांडो खिलाड़ी को नशीला लड्डू खिलाकर किया सामूहिक दुष्कर्म, घटना में मंदिर के पुजारी भी शामिल

कानपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के कानपुर में 19 वर्ष की राष्ट्रीय ताइक्वांडो खिलाड़ी से आश्रम में सामूहिक दुष्कर्म की जानकारी सामने आई है। घटना जनवरी की है और रिपोर्ट के मुताबिक लड़की को नशीला लड्डू खिलाकर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया गया। चार महीने बाद शिकायत दर्ज करवाई गई है। हालांकि कुछ रिपोर्ट्स में ऐसा भी कहना है कि पुलिस ने मामला

देर से दर्ज किया। कानपुर के गोविंद नगर की रहने वाली पीड़िता का दावा है कि वह पुराने कपड़े बेचने के लिए जगह तलाशते समय गोविंद महतो से मिली थी। महतो कथित तौर पर उसे आश्रम ले गया और उसे प्रभावशाली लोगों से मिलवाने का वादा किया, जो उसे जगह खोजने में मदद कर सकते थे। आश्रम में लड्डू दिए जाने के बाद वह बेहोश हो गई और उसके बाद आश्रम के महंत गोविंद महतो और कई अन्य लोगों ने उसके साथ सामूहिक बलात्कार किया, जिसमें चार नामजद व्यक्ति भी शामिल हैं जो मंदिर के पुजारी हैं।

केएल राहुल ने बीसीसीआई से भारत ए टीम में चयन का किया आग्रह, जल्द इंग्लैंड के लिए होंगे रवाना

नईदिल्ली (एजेंसी)। खेल के सबसे बहुमुखी क्रिकेटरों में से एक केएल राहुल अपनी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) फ्रेंचाइजी दिल्ली कैपिटल्स को प्रतियोगिता के प्लेऑफ में नहीं पहुंचा पाए। दिल्ली अंततः 5वें स्थान पर रही। हालांकि शीर्ष 4 में जगह बनाने में विफल रहने पर राहुल ने कथित तौर पर खुद को भारत ए के इंग्लैंड दौरे के लिए उपलब्ध कराकर अंतरराष्ट्रीय ड्यूटी में शामिल होने का फैसला किया है। राहुल ने कथित तौर पर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) से कहा है कि वह दूसरे अनौपचारिक टेस्ट में इंग्लैंड लायंस के खिलाफ भारत ए के लिए खेलना चाहते हैं।

श्रृंखला की शुरुआत 30 मई को कैंटरबरी में पहले मैच से हो गई है। हालांकि राहुल उस मैच के लिए समय पर टीम में शामिल नहीं हो सके, लेकिन कहा जा रहा है कि वह दूसरे मैच के लिए टीम में जगह बनाने के लिए उत्सुक हैं।

आईपीएल फाइनल का बुखार

अहमदाबाद में होटल फुल, किराए में 45 प्रतिशत की वृद्धि

अहमदाबाद (एजेंसी)। आईपीएल क्वालिफायर 2 के लिए अब सभी रास्ते अहमदाबाद की ओर जा रहे हैं। इस उत्साह ने होटल और उड़ान दरों में 7 से 10 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। इजी माय ट्रिप के अनुसार, आईपीएल के 18वें सीजन के लिए कुल यात्रा बुकिंग में 30 से 35 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो पिछले सीजन की 20 से 25 प्रतिशत की वृद्धि को पीछे छोड़ चुकी है। शनिवार को अहमदाबाद में क्वालीफायर 2 होगा जिससे 3 जून को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होने वाले फाइनल में पहुंचने वाली टीमों का फैसला होगा। इन दो शहरों में प्रीमियम होटल के कमरे की कीमतें वर्तमान में 6,000 से 8,200 रुपए के बीच हैं, जबकि बजट विकल्प 2,200 से 5,200 रुपए के बीच हैं। वहीं, अहमदाबाद के लिए घरेलू हवाई किराए में लगभग 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी जा रही है। मैच के दिनों में बुकिंग में 1.5 गुना वृद्धि के कारण कीमतें और अधिक बढ़ी हैं।

फाइनल का स्थान कोलकाता से अहमदाबाद में बदलने के कारण भी फ्लाइट और नरेंद्र मोदी स्टेडियम के आसपास के होटलों की री-बुकिंग में वृद्धि हुई है। ईज़ माई ट्रिप के सीईओ और सह-संस्थापक रिकांत पिट्टी ने कहा कि फाइनल क्रिकेट पर्यटन के लिए एक चुंबक बन गया है और अहमदाबाद में इस सीजन में सबसे अधिक भीड़ देखी जा रही है। कॉक्स एंड किंग्स के निदेशक करण अग्रवाल ने कहा कि इस साल के आईपीएल फाइनल के लिए यात्रा की मांग पिछले सीजन की तुलना में निश्चित रूप से बढ़ी है। होटल और यात्रा अधिकारियों ने बताया कि स्टेडियम के आसपास बुकिंग में उछाल आया है, और कई होटल मैच के

दिनों में पूरी तरह से बुक हो चुके हैं।

क्लियरट्रिप की मुख्य विपणन और राजस्व अधिकारी तवलीन भाटिया ने बताया कि अहमदाबाद के हवाई किराए में 1,000 रुपए की वृद्धि हुई है। बूकिंग डॉट कॉम के कंट्री मैनेजर संतोष कुमार ने कहा कि आईपीएल फाइनल के उत्साह के साथ, 29 मई से 3 जून के बीच अहमदाबाद के लिए खोज में साल-दर-साल 40 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इक्सिगो के सह-सीईओ रजनीश कुमार ने कहा कि मई के आखिरी सप्ताह और जून की शुरुआत में अहमदाबाद के लिए फ्लाइट बुकिंग में उछाल देखा जा रहा है। अहमदाबाद में 148 प्रतिशत और चंडीगढ़ में 111 प्रतिशत की साल-दर-साल वृद्धि दर्ज की गई। यह स्पष्ट है कि प्रशंसक स्टेडियम के लाइव अनुभव का हिस्सा बनने के लिए उत्साहित हैं।

रैडिसन होटल ग्रुप के प्रबंध निदेशक निखिल शर्मा ने बताया कि 2 और 3 जून के लिए अहमदाबाद में मांग 35 प्रतिशत बढ़ी है और होटल की दरें महीने के बाकी दिनों की तुलना में 45 प्रतिशत अधिक हैं। रैडिसन ब्लू अहमदाबाद में सामान्य ऑक्यूपेंसी से 30 प्रतिशत अधिक बुकिंग देखी जा रही है। चंडीगढ़ में रैडिसन रेड मोहाली क्वालीफायर 1 और एलिमिनेटर के दौरान पूरी तरह से बुक रहा। कमरों की दरों में 65 से 75 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई।

आईटीसी नर्मदा के क्लस्टर जनरल मैनेजर कीनन मैकेंजी ने कहा कि अहमदाबाद में लगभग सभी होटल उच्च ऑक्यूपेंसी देख रहे हैं और शहर खेल पर्यटन के एक प्रमुख केंद्र के रूप में उभर रहा है। सरोवर होटल्स के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अक्षय थूसू ने बताया कि चंडीगढ़ में ऑक्यूपेंसी 70 से 75 प्रतिशत रही और अहमदाबाद में मैच के दिनों में 5 से 6 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। रॉयल ऑर्चिड होटल्स के अध्यक्ष अर्जुन बलजी ने कहा कि अहमदाबाद में रेजेंटा होटल में व्यापार में वृद्धि देखी गई है।

अर्शदीप सिंह ने बताया अपना पसंदीदा आईपीएल मैच

मुंबई के खिलाफ मुकाबले को बताया फेवरेट

अहमदाबाद (गुजरात) (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस के खिलाफ क्वालीफायर दो मुकाबले से पहले पंजाब किंग्स के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने इंडियन प्रीमियर लीग के अपने पसंदीदा मैच के बारे में बताया जिसमें उन्होंने 2023 सीजन में मुंबई इंडियंस के खिलाफ हाई-स्कोरिंग मैच में 5 बार की चैंपियन के खिलाफ चार विकेट लिए थे।

श्रेयस अय्यर के लिए अब या कभी नहीं होगा क्योंकि उनकी फॉर्म में चल रही पीबीकेएस ने 13 मैचों में 9 जीत के साथ लीग चरण में शीर्ष स्थान हासिल किया था, वह क्वालीफायर एक में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से 8 विकेट से मिली करारी हार से उबरकर अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में आरसीबी के खिलाफ खिताबी मुकाबले में अपनी जगह पक्की करने का लक्ष्य रखेगी।

अर्शदीप ने 2023 में मुंबई इंडियंस के खिलाफ होने वाले मैच को अपना

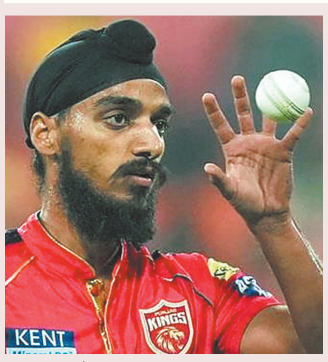

पसंदीदा मैच बताया जिसमें 215 रनों का बचाव करते हुए उन्होंने 4/29 के स्पेल से मुंबई इंडियंस की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। स्पेल के सबसे खास पल में तिलक वर्मा और नेहल वढेरा के मिडिल स्टंप को लगातार दो गेंदों पर आधा तोड़ना शामिल था। उन्होंने कहा, जब मैंने पहली बार डेब्यू किया था। लेकिन मुझे लगता है कि सबसे अच्छा मैच वानखेड़े में मुंबई इंडियंस के खिलाफ था। मुंबई इंडियंस 220 रनों के लक्ष्य का पीछा कर रही थी और मैंने चार विकेट लिए और हमने मैच जीत लिया। इसलिए यह मेरे दिल के बहुत करीब है।

अर्शदीप ने दबाव से निपटने के बारे में बात करते हुए कहा कि दबाव की स्थिति में अपनी टीम द्वारा भरोसा किए जाने से उन्हें अच्छा लगता है और जिम्मेदारी का आनंद मिलता है। उन्होंने कहा, उस समय, मैं दबाव महसूस न करने और उस पल का आनंद लेने और टीम के लिए अच्छे परिणाम लाने की कोशिश करता हूं। ऐसा कुछ मौकों पर नहीं होता है, लेकिन मैं कोशिश करता हूं कि इसका मुझ पर असर न पड़े और जब मुझे अगले मैच में मौका मिलता है, तो मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करता हूं और टीम के लिए मैच जीतता हूं।

अदानी से अंबानी तक, विदेशी लीग्स में भारतीय स्वामित्व वाली टीमों में खेल रहे पाकिस्तानी खिलाड़ी

नईदिल्ली (एजेंसी)। पहलगांव में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने आतंकियों और उन्हें पनाह देने के लिए पाकिस्तान के खिलाफ कड़ा रूप अपनाया है जिसमें ट्रेड से लेकर खेल तक का बहिष्कार शामिल हैं। मुंबई आतंकी हमले के बाद से इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में पाक खिलाड़ी प्रतिबंधित है और कोई द्विपक्षीय श्रृंखला भी नहीं हो रही। लेकिन विदेशी लीग्स में यहां भारतीयों की हिस्सेदारी है, उसमें पाकिस्तानी खिलाड़ी खरीदे जा रहे हैं और टीम में खेल रहे हैं। विश्व भर में टी20 लीग्स में मुंबई इंडियंस, कोलकाता नाइट राइडर्स, दिल्ली कैपिटल्स आदि की हिस्सेदारी है और इसमें पाकिस्तानी खिलाड़ी टीम का हिस्सा हैं।

मालिक -रिलायंस ग्रुप

- पाक मूल के खिलाड़ी - मुहम्मद वसीम, मोहम्मद रोहिद खान और जहूर खान

शारजाह वारियॅर्स

- **मालिक** - कैपरी ग्लोबल होल्डिंग्स (राजेश शर्मा)
- **पाक मूल के खिलाड़ी** - जुनैद सिद्दीकी, मोहम्मद जवादुल्लाह और रोहन मुस्तफा

गल्फ जायंट्स

- **मालिक** - अवाणी ग्रुप
- पाक मूल के खिलाड़ी सगहीर खान

दुबई कैपिटल्स

- मालिक - जी. मल्लिकार्जुन राव, सज्जन जिंदल
- पाक मूल के खिलाड़ी- शाहरुख अहमद, आकिफ रजा, फरहान खान और हैदर अली
- इंटरनेशल लीग टी-20 - यूएई

अबुधाबी नाइट राइडर्स

- मालिक केकेआर - शाहरुख खान, जूही चावला, जय मेहता
- अली खान (पाक मूल)
- इबरार अहमव (पाकिस्तान)

सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न

- मालिक - आनंद राजरमन, वैंकी हरिनारायण
- पाक मूल के खिलाड़ी - हैरिस रऊफ, मोहम्मद आजम, हसन खान

वाशिंगटन फ्रीडम

- मालिक - संजय गोविल
- पाक मूल का खिलाड़ी - मुख्तार अहमद

लॉस एंजेल्स नाइट राइडर्स

- मालिक - केकेआर (शाहरुख खान, जूही चावला, जय मेहता)
- पाक मूल के खिलाड़ी सैफ बदर, अली खान

मुंबई इंडियंस न्यूयॉर्क

- मालिक - रिलायंस ग्रुप
- पाक मूल के खिलाड़ीः एहसान आदिल

टेक्सास सुपर किंग्स

- मालिकः चेन्नई सुपरकिंग्स (एन. श्रीनिवासन
- (पाक मूल) जिया उल हक, मोहम्मद मोहसिन

सियेटल ऑरकॉस

- मालिक - सत्य नाडेला, माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ
- सोम सोमसेगर, मैडरोना वेंचर
- शायन जहांगीर, पाक मूल के खिलाड़ी

लॉस एंजेल्स नाइट राइडर्स

- मालिक - कोलकाता नाइट राइडर्स
- पकिस्तान की अंडर-19 टीम का हिस्सा रहे चुके - सैफ बदर

सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न टीम

- मालिक - चेन्नई में जन्मे वेंकटेश व आनंद राजारमन
- पाक खिलाड़ी - हैरिस रऊफ व अबरार अहमद

एमआइ न्यूयॉर्क

- मालिक - रिलायंस ग्रुप की टीम मुंबई इंडियंस
- पाक के लिए खेल चुके - एहसान आदिल

वॉशिंगटन फ्रीडम

- मालिक - संजीव गोविल
- पाकिस्तान के लिए खेल चुके - मुख्तार अहमद

बुमराह ने ठुकराई 'जोकर' वाली शैली, कोहली पर साधा निशाना

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान माइकल क्लार्क के पॉडकास्ट पर विराट कोहली पर अप्रत्यक्ष रूप से कटाक्ष किया। क्लार्क ने सवाल किया कि कोई 150 किमी/घंटा की गति से गेंदबाजी कैसे कर सकता है और फिर भी मैदान पर 'सबसे अच्छा आदमी' कैसे हो सकता है। इसके जवाब में बुमराह ने कहा, मेरे अंदर प्रतिस्पर्धी भावना है और मैं जीतने के लिए खेलता हूं, लेकिन मैं अपनी सीमा को पार नहीं करना चाहता। आपको प्रतिस्पर्धी होना चाहिए, लेकिन जोकर बनने की जरूरत नहीं है। बुमराह का यह बयान कोहली की मैदान पर उग्र और

आक्रामक शैली की ओर इशारा करता प्रतीत होता है, जिसने प्रशंसकों को हैरान कर दिया। यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, और क्लार्क की हंसी ने इसे और रोचक बना दिया। विराट कोहली की मैदान पर आक्रामकता उनकी पहचान है। उनकी तीव्र ऊर्जा, साहसिक उत्सव, और निडर टकराव उन्हें क्रिकेट के सबसे भयंकर प्रतियोगियों में से एक बनाते हैं। वह अपनी आक्रामकता से टीम का मनोबल बढ़ाते हैं और विरोधियों पर दबाव बनाते हैं। दूसरी ओर, बुमराह ने अपनी शांत और पेशेवर शैली से मैदान पर अलग पहचान बनाई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह तीव्रता के साथ खेलते हैं, लेकिन अनावश्यक नाटक या आक्रामकता से बचते हैं। हाल ही में, बुमराह ने अपनी गेंदबाजी से एक बार फिर साबित किया कि वह भारत के सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाज क्यों हैं।

संक्षिप्त समाचार

अतिथि शिक्षक की हत्या करने वाले 3 नक्सली गिरफ्तार, घोषित था 21 लाख का इनाम

सुकमा, एजेंसी। छत्तीसगढ़ में नक्सल समस्या के खात्मे की दिशा में लगातार आगे बढ़ रहे सुरक्षाबलों को शनिवार को कुछ और सफलता मिली। इस दौरान पुलिस ने सुकमा से तीन नक्सलियों को गिरफ्तार कर लिया, जिन पर कुल 21 लाख रुपए का इनाम घोषित था। इस बारे में शनिवार को जानकारी देते हुए एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार तीनों नक्सलियों पर पिछले साल जिले में हुई एक शिक्षादूत (अस्थायी अतिथि शिक्षक) की हत्या की वारदात में शामिल होने का आरोप है। पुलिस अधिकारी ने आगे कहा कि गिरफ्तार कैडरों की पहचान डोडी पोडिया (36), डोडी पांडु (18) और डोडी नंदू (28) के रूप में हुई है, जिन्हें केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की 165वीं बटालियन और स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीम ने उनके पैतृक स्थान जगरगुंडा थाना क्षेत्र के गोंडपल्ली से गिरफ्तार किया। अधिकारी ने कहा कि माओवादियों के प्लाटून पार्टी कमेटी के सदस्य पोडिया और पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी कंपनी नंबर 10 के पार्टी सदस्य पांडु दोनों पर 8-8 लाख रुपए का इनाम घोषित था, जबकि नंदू पर 5 लाख रुपए का इनाम था। पुलिस अधिकारी ने आगे बताया कि इन तीनों ने मिलकर पिछले साल 13 सितंबर को शिक्षा दूत डोडी अर्जुन (25) की पिटाई के बाद गला घोंटकर हत्या कर दी थी। आरोपियों ने अर्जुन के पैतृक गांव गोंडपल्ली में इस वारदात को अंजाम दिया था। नक्सलियों ने उन पर पुलिस मुखबिर होने का आरोप लगाया था। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए तीनों नक्सली उस हत्या की वारदात में शामिल थे। पिछले साल बस्तर क्षेत्र में 925 नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया था। बस्तर क्षेत्र में सुकमा समेत सात जिले शामिल हैं।

गुरुग्राम के साढ़े 3 लाख से अधिक घरों में सीवर के अवैध कनेक्शन, सर्वे में खुलासा

गुरुग्राम, एजेंसी। गुरुग्राम नगर निगम क्षेत्र में साढ़े तीन लाख से अधिक घरों में सीवर के अवैध कनेक्शन चल रहे हैं। नगर निगम की तरफ से किए गए सर्वे में इसका खुलासा हुआ है। अवैध सीवर कनेक्शनों के कारण निगम को हर माह लाखों रुपयों के राजस्व का नुकसान हो रहा है। 28 मई को चंडीगढ़ में सीएम नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हुई बैठक में सीएम ने इन सभी सीवर कनेक्शनों को नियमित करने के निर्देश दिए हैं। बता दें कि शहर में अवैध सीवर कनेक्शनों के कारण सीवर लाइन जाम होने और ओवरफ्लो की समस्या बनी हुई है। सीवर ओवरफ्लो और जाम की समस्या को लेकर रोजाना 200 से अधिक शिकायतें दर्ज हो रही हैं। शिकायतें ज्यादा दर्ज होने के कारण 50 फीसदी शिकायतों का समाधान तक नहीं हो पाता है। गुरुग्राम नगर निगम के सर्वे में पता चला है निगम क्षेत्र में कुल 5 लाख 52 हजार 190 घरों में सीवर के कनेक्शन चल रहे हैं। इनमें से 1 लाख 84 हजार 260 घरों में निगम के नियमित सीवर के कनेक्शन हैं। सर्वे के अनुसार, 3 लाख 67 हजार 930 घरों में अवैध रूप से सीवर के कनेक्शन चल रहे हैं। बीते दो दशक से यह सीवर के कनेक्शन चल रहे हैं। नियमों के अनुसार, सीवर कनेक्शन लगाने से पहले निगम में इसके लिए आवेदन करना होता है। इसके बाद निर्धारित फीस जमा करवाकर ही निगम से सीवर का कनेक्शन लेना होता है, लेकिन नगर निगम क्षेत्र में रहने वाले लोग निगम की बिना अनुमति ही अवैध रूप से सीवर कनेक्शन लिए हुए हैं। मुख्यमंत्री की समीक्षा बैठक में इस बात का भी खुलासा हुआ है कि नगर निगम के क्षेत्र में कुल 165 जगहों पर अवैध रूप से सीवर के कनेक्शन लेग-1, 2 और तीन में 269.84 एमएलडी सीवर का पानी बिना निस्तारण के ही बहाया जा रहा है। इसमें से निगम ने 149 जगहों से 208.09 एमएलडी सीवर के पानी को इन नालों से हटाकर निस्तारित करने की योजना पर काम शुरू कर दिया है।

होमगार्ड के 700 पद भरे जाएंगे, 203 पंचायत सचिव होंगे नियमितः मुख्यमंत्री सुक्खू

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की अध्यक्षता में शनिवार को आयोजित कैबिनेट बैठक में जनहित से जुड़े कई अहम निर्णय लिए गए। बैठक में जहां गृह रक्षा एवं नागरिक सुरक्षा विभाग में 700 स्वयंसेवकों (होमगार्ड) की भर्ती को हरी झंडी दी गई, वहीं पंचायत सचिवों की सेवाएं नियमित करने, डिपॉजिट रिफंड योजना लागू करने और रेजिडेंट डॉक्टर नीति में संशोधन जैसे फैसले भी लिए गए।

एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि बैठक में वर्ष 31 मार्च 2025 तक दो साल की अनुबंध सेवा पूरी कर चुके जिला परिषद कैडर के 203 पंचायत सचिवों की सेवाएं नियमित करने का निर्णय लिया गया। इसके साथ ही पंचायती राज संस्थाओं के अध्यक्षों और सदस्यों के लिए वर्ष 2010 की तर्ज पर डि-नोवो आरक्षण रोस्टर शुरू करने को भी सैद्धांतिक मंजूरी दी गई।

स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़ा बड़ा निर्णय लेते हुए कैबिनेट ने इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज, शिमला और डॉ. राजेंद्र प्रसाद राजकीय मेडिकल कॉलेज, टांडा में सीनियर रेजीडेंस के लिए पात्रता से पहले एक वर्ष की फील्ड पोस्टिंग की

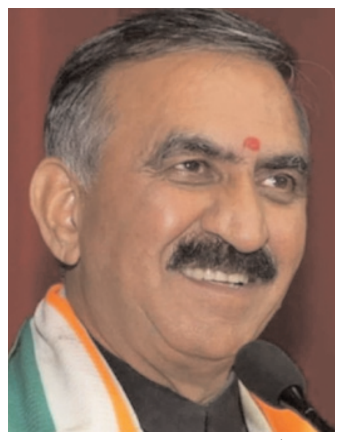

अनिवार्यता को समाप्त कर दिया है। यह संशोधन अटल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल सुपर स्पेशलिटीज, चमियाणा में अपनाई गई नीति के अनुरूप होगा। इसका उद्देश्य चयन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और सुगठित बनाना है।

कैबिनेट में हिमाचल प्रदेश रियल एस्टेट विनियामक प्राधिकरण (रेरा) के कार्यालय को शिमला से धर्मशाला स्थानांतरित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। साथ ही राज्य में गैर-बायोडिग्रेडेबल कचरे को कम करने और पर्यावरणीय संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए डिपॉजिट रिफंड स्कीम-2025 शुरू करने का निर्णय लिया गया। इस योजना के तहत उपभोक्ता निर्धारित उत्पाद खरीदते समय कुछ अतिरिक्त राशि जमा करेंगे, जो खाली कंटेनर लौटाने पर वापस मिल जाएगी। यह योजना कांच की बोतलों, प्लास्टिक और एल्यूमीनियम कंटेनरों, तरल पैकेजिंग और बहुस्तरीय पैकेजिंग जैसी सामग्रियों पर लागू होगी। इसे पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लागू किया जाएगा। वन और पर्यावरण की दिशा में भी एक अहम निर्णय लेते हुए कैबिनेट ने हिमाचल प्रदेश वन विकास निगम को राज्य के वन क्षेत्रों में स्थित नदियों और तालाबों से लघु खनिजों को एकत्र करने और ड्रेजिंग ऑपरेशन की अनुमति दी है। इसका उद्देश्य बेहतर स्रोत प्रबंधन और पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखना है। शिक्षा क्षेत्र में भी विस्तार करते हुए बैठक में सोलन जिले के रामशहर शिक्षा खंड को विभाजित कर बद्दी में नया प्रारंभिक शिक्षा खंड स्थापित करने का निर्णय लिया गया। इस नए खंड के संचालन के लिए आवश्यक पद सृजित किए जाएंगे।इसके अलावा कांगड़ा जिले के सुलह, भवारना और लम्बागांव तथा हमीरपुर जिले के भोरंज विकास खंड का पुनर्गठन करने का निर्णय भी लिया गया है।

एसटीएफ के हत्थे चढ़ा 1 लाख का इनामी अजय तिवारी, साथी भी गिरफ्तार; धोखाधड़ी के मामलों में था फरार

गोरखपुर, एजेंसी। कभी शराब तस्करी में शामिल रहा गबन के आरोपी अजय तिवारी और उसके साथी रमेश यादव को गोरखपुर की एसटीएफ ने शनिवार की शाम कुशीनगर से दबोच लिया। अजय पर एक लाख रुपए का इनाम घोषित था। देवरिया में दर्ज धोखाधड़ी के कई मामलों में अजय फरार चल रहा था। देर रात तक कोतवाली पुलिस इनामी अजय और रमेश से पूछताछ कर रही थी। पुलिस के अनुसार उसने पूछताछ में शराब तस्करी करने की बात भी कबूल की है।

शराब कारोबार में शामिल देवरिया के रामगुलाम टोला निवासी अजय तिवारी पुत्र चुम्मन तिवारी का 11 दिसंबर 2023 को बनकटा थाना क्षेत्र के जंजीरहा में पकड़ी गई अवैध शराब के मामले में नाम आया। इसके बाद इसके विरुद्ध लगातार जालसाजी के मुकदमे दर्ज होने लगे। 25 दिसंबर 2024 को सलेमपुर की ब्लाक प्रमुख सीमा सिंह ने अजय तिवारी, उसकी पत्नी जागृति चौधरी, रामचंद्र यादव व रमेश यादव के विरुद्ध 2.61 करोड़ का धोखाधड़ी का केस दर्ज कराया। इसके बाद 8 दिसंबर 2024 लार थाना क्षेत्र के बरडीहा दलपत निवासी अमरेश प्रताप सिंह ने अजय तिवारी, रामचंद्र यादव व रमेश यादव के विरुद्ध 1.14 करोड़ रुपये हड़प लेने का केस दर्ज कराया।

इसी तरह देवरिया खास की रहने वाली उमा जायसवाल ने 12 फरवरी 2025 को सदर कोतवाली में अजय तिवारी व उसकी पत्नी जागृति चौधरी पर धोखाधड़ी समेत विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कराया। 12 फरवरी को ही न्यू कालोनी निवासी संजय पांडेय ने अजय व उसकी पत्नी जागृति चौधरी के विरुद्ध धोखाधड़ी का केस दर्ज कराया। 21 मई 2025 को तिवारी टोला लार निवासी सोनू जायसवाल ने भी अजय तिवारी के विरुद्ध 69 लाख रुपये हड़प लेने का केस दर्ज कराया है।

केस दर्ज होने के बाद से ही अजय तिवारी, उसकी पत्नी औअन्य आरोपी फरार चल रहे थे। अजय तिवारी पर एक लाख रुपये का इनाम था उसके साथी रमेश यादव निवासी सिरसिया महादेवा थाना रामपुर कारखाना के ऊपर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। अजय की गिरफ्तारी के लिए एसटीएफ लगाई गई थी। मिली जानकारी के अनुसार मुखबिर की सूचना पर एसटीएफ गोरखपुर की टीम ने अजय तिवारी और उसके साथी रमेश यादव को देर शाम कुशीनगर जनपद से दबोच लिया और कोतवाली लेकर चली आई। देर रात तक कोतवाली में एसओजी, एसटीएफ व कोतवाली पुलिस दोनों से पूछताछ कर रही थी।

जम्मू-कश्मीर को भारत और पाकिस्तान के बीच दोस्ती का पुल होना चाहिए, युद्ध का मैदान नहीं: महबूबा मुफ्ती

कश्मीर, एजेंसी। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने भारत और पाकिस्तान के रिश्ते पर शनिवार को बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर को भारत-पाकिस्तान के बीच दोस्ती का पुल होना चाहिए, न कि युद्ध मैदान। मुफ्ती ने श्रीनगर में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर ने हमेशा युद्ध और हिंसा का दंश झेला है। उन्होंने जम्मू-कश्मीर की तुलना 'दो लड़ते हाथियों के पैरों तले रौंदी गई घास' से की। मुफ्ती ने कहा, पीडीपी शांति के लिए आवाज उठाना जारी रखेगी और लोगों की भावनाओं को समझेगी। हमें युद्ध के डर को खत्म करना चाहिए ताकि लोग अपना जीवन आगे बढ़ा सकें और अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित कर सकें।

महबूबा मुफ्ती ने कहा, जम्मू-कश्मीर को समझ, दोस्ती और सहयोग का पुल बनना चाहिए, युद्ध का अखाड़ा नहीं। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री ने नेशनल कॉन्फ्रेंस नेतृत्व की ओर से हाल ही में की गई टिप्पणियों पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि इस तरह के बयान खतरनाक मानसिकता को दर्शाते हैं। एनसी अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने पाकिस्तान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई के तेज करने का आह्वान किया था। महबूबा मुफ्ती ने कहा, जब भारत सरकार ने सिंधु जल संधि को स्थगित कर दिया गया था, तब मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ही थे जिन्होंने इस कदम की सराहना की थी। यहां तक कि पाकिस्तान को पानी की आपूर्ति को तत्काल रोकने की वकालत की थी। पीडीपी चीफ ने कहा, 'पाकिस्तान की सरकार के साथ हमारे राजनीतिक मतभेद हो सकते हैं, लेकिन वहां के लोगों के साथ नहीं। यह दुखद है कि देश के एकमात्र मुस्लिम बहुल राज्य के नेता की ओर से ऐसी टिप्पणियां की जा रही हैं।

तेज प्रताप ने लालू यादव और राबड़ी देवी के लिए लिखा भावुक संदेश

पटना, एजेंसी। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव की तस्वीर एक महिला के साथ वायरल होने के बाद उन्हें पार्टी और परिवार से बाहर निकाल दिया गया है। इसके लिए लालू प्रसाद यादव ने सोशल मीडिया पर आधिकारिक बयान भी जारी किया था। परिवार से बाहर निकाले जाने के बाद अब तेज प्रताप यादव भावुक नजर आ रहे हैं। तेज प्रताप यादव ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने माता-पिता लालू यादव और राबड़ी देवी के लिए भावुक संदेश लिखा है। तेज प्रताप यादव ने पोस्ट में अपने माता-पिता को सर्वोपरि बताया है और कहा कि उन्हें किसी राजनीतिक पद की कोई लालसा नहीं है। उन्हें सिर्फ अपने माता-पिता का प्यार और आशीर्वाद चाहिए। तेज प्रताप यादव ने एक्स पोस्ट पर लिखा-मेरे प्यारे मम्मी पापा....मेरी सारी दुनिया बस आप दोनों में ही समाई है।

कोर्ट के आदेश के मुताबिक ही मस्जिदों से उतारें जाएं लाउडस्पीकर, नहीं तो होगा आंदोलनः अबु आजमी

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अबु आजमी ने राज्य में भाजपा नेता किरिट सोमैया की शिकायत पर पुलिस अधिकारियों द्वारा मस्जिदों के लाउडस्पीकर उतारे जाने पर कड़ा ऐतराज जताया है। अबु आजमी ने कहा कि पुलिस अधिकारी मस्जिद से लाउडस्पीकर उतारने के लिए कोर्ट द्वारा दिए गए आदेश की प्रक्रिया का पालन नहीं कर रहे हैं। अबु आजमी ने शनिवार को यहां एक प्रेस वार्ता में कहा, हम कानून और संविधान को मानते हैं लेकिन हमारे साथ लगातार गलत हो रहा है। राजनीतिक लाभ के लिए कुछ लोग मस्जिदों से लाउडस्पीकर उतारने की शिकायत पुलिस में दे रहे हैं। पुलिस यह जानने की कोशिश नहीं कर रही कि क्षेत्र के लोगों को दिक्कत है या नहीं और बलपूर्वक लाउडस्पीकर उतार रही है। यह गलत है। इससे कानून-व्यवस्था खराब होगी। उन्होंने कहा कि कोर्ट ने

लाउडस्पीकर हटाने की जिस प्रक्रिया को निर्देशित किया है, उसका पालन किया जाना चाहिए। सबसे पहले आप चेतावनी दीजिए, फिर बात कीजिए। इसके बाद नोटिस भेजिए और फिर भी समस्या रहती है तो आसपास के लोगों के माध्यम से लाउडस्पीकर को हटाया जाना चाहिए। सपा नेता ने कहा, इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री से मिलूंगा, अगर हमारी मांग नहीं मानी जाती है तो हम इस कार्रवाई के खिलाफ कोर्ट जाएंगे और बड़ा आंदोलन करेंगे। मुसलमानों को कमजोर न समझा जाए। कानून के दायरे में रहते हुए हम विरोध करेंगे।

अबु आजमी ने कहा, 2014 के बाद आई सरकार हिंदू और मुसलमानों को लड़वाकर सत्ता में बने रहना चाहती है, बेशक देश बर्बाद हो जाए। हमने कभी कांवरियों या गणपति पूजा को लेकर कोई विरोध नहीं किया, लेकिन हमारे मस्जिद के सामने नमाज पढ़ने से दिक्कत है। यह एक कौम के साथ ज्यादती है। आजमी ने कहा, भाजपा नेता किरिट सोमैया जानबूझकर ऐसे मुद्दे उछाल रहे हैं जिससे हिंदू और मुसलमानों के बीच तनाव पैदा हो। उन्हें टिकट चाहिए, इसलिए वह ऐसा कर रहे हैं, लेकिन उन्हें टिकट नहीं मिलेगा। आईआरसीटीसी के चेन्नई वंदे भारत एक्सप्रेस के मेनू से नॉनवेज हटाने के सवाल पर उन्होंने कहा, भगवान ने जो दांत खाने के लिए दिए हैं, उन्हें भी तोड़ दो। हिंदी भाषा से जुड़े सवाल पर उन्होंने कहा, मेरा निजी रूप से मानना है कि एक ऐसी भाषा होनी चाहिए, जो पूरे देश में बोली जाए।

नासा को कौन करेगा लीड? मस्क के करीबी इसाकमैन का नामांकन वापस

वाशिंगटन डीसी एजेंसी। कुछ दिनों पहले एलन मस्क डोनाल्ड ट्रंप की सरकार से अलग हो गए थे और अब वो सिर्फ अपनी कंपनी में ध्यान देंगे। इसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक चौंकाने वाला फैसला लिया था, जिसके तहत टेक अरबपति जैरेड इसाकमैन अब नासा प्रमुख पद के लिए विचाराधीन नहीं हैं। शनिवार को व्हाइट हाउस ने घोषणा की है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जल्द ही नासा के नेतृत्व के लिए एक नए उम्मीदवार का एलान करेंगे। हालांकि, जैरेड का नामांकन वापस लेने के पीछे कोई आधिकारिक कारण नहीं बताया गया है, लेकिन सीनेट के इसाकमैन के नामांकन पर मतदान से ठीक पहले यह कदम उठाया गया है। व्हाइट हाउस की प्रवक्ता लिज ह्यूस्टन ने कहा, नासा का अगला नेता ऐसा होना चाहिए जो राष्ट्रपति ट्रंप की अमेरिकी फर्स्ट नीति के साथ पूरी तरह मेल खाता हो। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति

ट्रंप जल्द ही नए उम्मीदवार की घोषणा करेंगे। बता दें, दिसंबर 2024 में इसाकमैन को नासा के प्रमुख के लिए नामांकित किया गया था। निजी क्षेत्र से आने वाले इसाकमैन की नियुक्ति को अंतरिक्ष समुदाय में आश्चर्य के साथ देखा गया था। इसाकमैन का नामांकन वापस लेने के मामले को लेकर ट्रंप ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, पिछली जांचों के बाद मैंने जैरेड इसाकमैन के नामांकन को वापस ले लिया है। मैं जल्द ही एक ऐसे उम्मीदवार का चयन करूंगा जो मिशन से जुड़ा हो और अमेरिका को स्पेस में प्राथमिकता दे। समाचार एजेंसी सेमाफोर ने सूत्रों के हवाले से बताया कि व्हाइट हाउस इसाकमैन के नामांकन को वापस लेने की योजना बना रहा था। इसाकमैन के समर्थकों के बीच यह डर था कि एलन मस्क के प्रशासन से बाहर जाने के बाद उनका नामांकन खतरे में है।

अब भीख नहीं, बिजनेस की उम्मीद करते हैं हमारे मित्र देश, पाक शहबाज का पाक की आर्थिक स्थिति को लेकर बड़ा कबूलनामा

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ ने एक बार फिर अपने देश की खराब आर्थिक स्थिति को लेकर खुलकर बयान दिया है। उन्होंने माना कि अब पाकिस्तान के करीबी दोस्त भी बिना शर्त आर्थिक मदद देने से पीछे हट रहे हैं। यह बयान उन्होंने हाल ही में पाकिस्तानी सेना के अधिकारियों को संबोधित करते हुए दिया। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा कि चीन, सऊदी अरब, तुर्की, कतर और यूएई जैसे देश पाकिस्तान के पुराने और भरोसेमंद दोस्त हैं, लेकिन अब वे सिर्फ सहायता नहीं, बल्कि व्यापार और निवेश में भागीदारी चाहते हैं। शहबाज ने कहा, आज दुनिया बदल चुकी है। हमारे मित्र देश अब हमसे चाहते हैं कि हम नवाचार, व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य और निवेश के क्षेत्र में साझेदारी करें। वे अब सिर्फ मदद मांगने वाले देश के रूप में हमें नहीं देखना चाहते। शहबाज शरीफ ने यह भी कहा कि अब ये देश पारस्परिक लाभ वाले समझौतों की उम्मीद करते हैं, न कि केवल पाकिस्तान को एकतरफा मदद देने की। अपने भाषण में प्रधानमंत्री ने पाक सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर का भी ज़िक्र किया और कहा, मैं और फील्ड मार्शल असीम मुनीर इस भारी आर्थिक बोझ को ढोने वाले आखिरी लोग होंगे। अब यह जिम्मेदारी पूरे देश की है। इस बयान से उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि देश की आर्थिक स्थिति सुधारने की जिम्मेदारी अब केवल सरकार या सेना की नहीं, बल्कि पूरे पाकिस्तान की जनता की भी है।

टॉयलेट सीट से निकला 11 फुट का अजगर, युवक के प्राइवेट पार्ट पर किया हमला, फिर ऐसे बची जान

बैंकाक, एजेंसी। थाईलैंड के चाचोएंगसाओ प्रांत में एक व्यक्ति के लिए टॉयलेट जाना एक खौफनाक अनुभव बन गया, जब 11 फुट लंबे अजगर ने उसे उसके प्राइवेट पार्ट में काट लिया। यह घटना 19 अगस्त 2024 को हुई, जब 38 वर्षीय थानत थांगटेवानोन अपने घर के बाथरूम में टॉयलेट कर रहे थे। अचानक उन्हें तेज दर्द महसूस हुआ और जब उन्होंने नीचे देखा, तो पाया कि अजगर का जबड़ा उनके प्राइवेट पार्ट में फंसा हुआ था।

थानत ने तुरंत प्रतिक्रिया करते हुए अजगर को पकड़ लिया और उसे बाथरूम के दरवाजे की कुंडी से बांध दिया। इस संघर्ष में वह खून से लथपथ हो गए थे, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। बेहोश होने से पहले, उन्होंने अजगर के सिर के चारों ओर रस्सी बांधी और उसे बाथरूम के दरवाजे की कुंडी से कस कर फंसा दिया, ताकि सांप कहीं भाग न सके।

आपातकालीन सेवाएं तुरंत

घटनास्थल पर पहुंचीं और थानत को अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें टेटनस का इंजेक्शन दिया गया, लेकिन उन्हें टांके नहीं लगे। बचाव दल ने शौचालय की पाइपलाइन से अजगर को निकालने के लिए सिस्टम के कुछ हिस्सों को तोड़ने के लिए हथौड़ों का भी सहारा लिया। अंततः सांप को पकड़ लिया गया, सुरक्षित रूप से बैग में रखा गया और बाद में जंगल में वापस छोड़ दिया गया।

अधिकारियों का अनुमान है कि अजगर पाइपों के माध्यम से तैरकर घर में घुस आया। यह घटना थाईलैंड में टॉयलेट में सांपों के हमलों की बढ़ती घटनाओं की ओर इशारा करती है, जो विशेष रूप से मानसून के मौसम में अधिक देखी जाती हैं।

थानत ने इस घटना के बाद कहा, मैं भाग्यशाली हूं कि यह विषैला सांप नहीं था। अगर यह कोबरा होता, तो मैं बच नहीं पाता। उन्होंने यह भी कहा कि वह उस टॉयलेट का फिर से उपयोग नहीं करेंगे। यह घटना न केवल थानत के लिए एक चेतावनी है बल्कि पूरे थाईलैंड के लिए एक चेतावनी है कि मानसून के दौरान घरों में पाइपलाइन और शौचालयों की नियमित जांच की आवश्यकता है, ताकि इस तरह की अप्रत्याशित घटनाओं से बचा जा सके।

गाजा में यूएन के खाद्य ट्रकों पर टूटे फलस्तीनी, लूटी सामग्री; सहायता केंद्र पर भगदड़ में 21 लोगों की मौत

तेल अवीव, एजेंसी। गाजा पट्टी में फलस्तीनियों ने संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के दर्जनों खाद्य ट्रकों को जबरन रोका और खाने का सामान लूट लिया। यूएन विश्व खाद्य कार्यक्रम (यूएन डब्ल्यूएफपी) ने शनिवार को यह जानकारी दी। वहीं रेड क्रॉस अस्पताल ने बताया कि इस्राइल समर्थित फाउंडेशन के केंद्र पर सहायता प्राप्त करने के दौरान भगदड़ में 21 लोगों की मौत हो गई। जबकि 175 अन्य लोग घायल हुए। इस्राइल और अमेरिका समर्थित संगठन ने सहायता वितरण केंद्र स्थापित किया है। लोगों ने बुधवार को केंद्र पर हमला कर दिया था। इस्राइल-हमास के बीच संघर्ष विराम की बातचीत आगे बढ़ रही है, लेकिन भूखे गाजावासियों को भूख मिटाने के सिवाय कुछ नहीं सूझ रहा। हथियारबंद लोगों ने रातों-रात गाजा पट्टी में प्रवेश कर रहे दर्जनों सहायता ट्रकों को अगवा कर लिया। इसमें उनके साथ सैकड़ों हताश फलीस्तीनी भी शामिल हो

गए। डब्ल्यूएफपी ने कहा कि गाजा की मदद के लिए 77 ट्रक ले जाए जा रहे थे। इनमें अधिकतर में आटा भरा था। गाजा में लगभग तीन महीने की इस्राइली नाकाबंदी ने आबादी को अकाल के कगार पर पहुंचा दिया है। हालांकि, हालिया इस्राइल के कुछ मदद को आने देने की वजह से दबाव थोड़ा कम हुआ है, लेकिन, संगठनों का कहना है कि अभी भी यहां पर्याप्त खाद्य सामग्री नहीं आ पा रही है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रियल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129